राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 एमएस धोनी ने वर्ल्ड कप नहीं जीता, भारत ने वर्ल्ड कप जीता.....

मोदी डिग्री मानहानि केस में केजरीवाल और संजय सिंह को हाईकोर्ट से 12

वर्ष : 14 | अंक : 137 | नई दिल्ली, गुरूवार, 28 सितम्बर, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

पंजाब के छह जिलों में 30 जगह एनआईए की रेड, टेरर फंडिंग में कई संदिग्ध हिरासत में

चंडीगढ़, एजेंसी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने बुधवार को पंजाब के छह जिलों में छापा मारकर कई संदिग्धों को हिरासत में लेते हुए भारी मात्रा में दस्तावेज बरामद किए हैं। एनआईए ने कनाडा में बसे आतंकी अर्श डल्ला के करीबियों पर दबिश दी है। एनआईए ने जिन लोगों के घरों को खंगाला है, उनकी लगातार फोन पर विदेशों में बातचीत होती रहती है। एनआईए ने

पंजाब पुलिस की मदद से बुधवार सुबह पांच बजे पंजाब के अलग-अलग जिलों में एक साथ 30 स्थानों पर छापे मारे। यह कार्रवाई करीब पांच घंटे तक चलती रही। फिरोजपुर में खालिस्तानी आतंकी अर्श डल्ला के साथी जोरा सिंह को पकड़ा गया है। वह कई सालों से डल्ला के संपर्क में था। एनआईए की टीमों ने आज सुबह मच्छी मंडी स्थित घर से सर्च के दौरान उसे पकड़ा है। उसके मोबाइल में अर्श डल्ला से चैटिंग मिली है। वह हथियारों की तस्करी करता है। बठिंडा में एनआईए ने दो जगहों पर छापा मारा है। गांव जेठूके में गुरप्रीत सिंह उर्फ गुरी के घर टीम द्वारा सर्च की गई। गुरी हत्या समेत कई केसों में बठिंडा पुलिस का वांछित आरोपी है। एक टीम ने मौड़ मंडी स्थित गैंगस्टर हैरी के आवास पर जांच की। पंजाब के पटियाला जिले के अंतर्गत आते के राजपुरा इलाके के गांव खैरपुर जट्टां में रेड की है। जांच में पता चला है कि इस गांव के जगजोत सिंह ने विदेश जाने के लिए जैतो की रहने वाली ट्रैवल एजेंट खुशदीप कौर के खाते में चार लाख रुपए डलवाए थे। फरीदकोट में सुखजीत सिंह उर्फ भोला निहंग के घर रेड हुई है। वह डेरा प्रेमी की हत्या की साजिश में जेल में बंद है। उसके भाई कर्मजीत सिंह से टीम पूछताछ कर रही है। भोला निहंग के खालिस्तानियों से कनेक्शन होने का शक है। मोगा के निहाल सिंह वाला के गांव तख्तुपुरा के पूर्व सरपंच के घर एनआईए की रेड हुई है। टीम उसके वाइन कॉन्ट्रैक्टर बेटे का मोबाइल अपने साथ ले गई है। लुधियाना के जगराओं में विजय नगर में एक मनी एक्सचेंजर के घर रेड हुई है। इसके यहां पहले भी सात बार रेड हो चुकी है। बरनाला के गांव संघेड़ा में दर्शन सिंह के घर रेड हुई है। वह गुरुद्वारे में ग्रंथी है। दर्शन सिंह के बेटे के गैंगस्टर्स के साथ संबंध हैं। यह परिवार संगरूर शिफ्ट हो चुका है। जिसके बाद टीम वहां गई। मानसा में साधू सिंह के घर रेड हुई है। साधू सिंह इस वक्त उत्तराखंड की जेल में बंद है।

मौसम

अधिकतम तापमान 35.6°C

न्यूनतम तापमान 26.9°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	61,140
चांदी	73,500
सेंसेक्स	67,597
निफ्टी	20,133

वाइब्रेंट गुजरात के 20 साल, प्रधानमंत्री ने कहा- हमारा बोया छोटा बीज बन गया विशाल वट वृक्ष

अहमदाबाद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि 20 वर्ष पूर्व वाइब्रेंट गुजरात की शुरूआत करने का उनका उद्देश्य गुजरात को देश का ग्रोथ इंजन बनाना था, इसीलिए दुनिया के निवेशक यहां आए। हालांकि, उस दौरान केंद्र सरकार ने इसके रास्ते में कई रोड़े अटकाए, लेकिन इसके बावजूद 20 साल पहले बोया गया छोटा सा बीज आज विशाल वट वृक्ष बन गया है। प्रधानमंत्री वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के 20 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अहमदाबाद की साइंस सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इसमें उद्योग संघों, व्यापार और वाणिज्य क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों, युवा उद्यमियों, उच्च और तकनीकी शिक्षा महाविद्यालयों के छात्रों सहित अन्य लोगों की भागीदारी है।प्रधानमंत्री ने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन आज एक पर्व बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इसकी शुरूआत के दौरान

केंद्र सरकार ने इसके रास्ते में कई रोड़े अटकाए। निवेशकों को धमकाया जाता था कि वह गुजरात में निवेश न करें। कोई मंत्री सम्मेलन में शामिल होने को राजी नहीं होता था। ऐसे समय में वाइब्रेट गुजरात ने अपनी शुरूआत कर अन्य राज्यों को भी इसके साथ जोड़ा। इसके बावजूद 2014 में केंद्र में खुद की सरकार बनी, तो उन्होंने इस लक्ष्य का विस्तार करते हुए भारत को दुनिया की ग्रोथ इंजन बनाने की ठानी। आज भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। उन्होंने कहा, ₹आज मुझे स्वामी विवेकानंद की बात याद आ रही है। हर काम को तीन चरणों से गुजरना पड़ता है। पहले लोग इसका उपहास उड़ाते हैं। फिर विरोध करते हैं। बाद में उसे स्वीकार कर लेते हैं। 2001 में आए भीषण भूकंप से भी पहले गुजरात लंबे समय तक अकाल की स्थिति से जूझ रहा था। भूकंप से लाखों लोग प्रभावित हुए। इस बीच गोधरा की हृदय विदारक घटना हुई। उसके बाद गुजरात हिंसा की आग में जल उठा। उन्होंने बताया कि आज वाइब्रेंट गुजरात में 135 देश, 40 हजार प्रतिनिधि और 2 हजार से ज्यादा एक्जीबिटर्स शामिल होते हैं। वाइब्रेंट गुजरात की सफलता उनकी और राज्य की धनिष्ठा को दशार्ते हैं और इस बात को दशार्ते हैं कि उन्हें असीम स्नेह मिला है। उन्होंने कहा कि एक समय में गुजरात को केवल व्यापारी राज्य के तौर पर जाना जाता था। आज यहां पर कृषि, उद्योग और वित्तीय संस्थाओं का बहुत बड़े स्तर पर विस्तार हुआ है। इसके पीछे वाइब्रेंट गुजरात का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से अपील की कि वह उन क्षेत्रों की पहचान करें, जिसमें भारत विस्तार कर सकता है। इससे पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा, ₹यह सफलता का शिखर है। शिखर तक की यात्रा 300 व्यापारिक साझेदारों के साथ शुरू हुई। प्रधानमंत्री ने गुजरात को गिफ्ट सिटी धोलेरा जैसी विश्वस्तरीय परियोजनाएं दी हैं।₹ समारोह में मौजूद देश के प्रमुख उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल ने कहा, ₹भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का सफर 28 सितंबर, 2003 को शुरू हुआ था, जब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे।। अब यह वास्तव में एक वैश्विक कार्यक्रम बन गया, जिसने भारत में सबसे प्रमुख व्यावसायिक शिखर सम्मेलनों में से एक होने का दर्जा प्राप्त किया। पिछले 20 वर्षों में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट गुजरात को पसंदीदा निवेश गंतव्य बनाने से नए भारत को आकार देने तक विकसित हुआ है। वाइब्रेंट गुजरात की बेजोड़ सफलता पूरे देश के लिए एक आदर्श बन गई और इसने अन्य भारतीय राज्यों को भी ऐसे निवेश शिखर सम्मेलनों के आयोजन के लिए प्रेरित किया है।

मणिपुर के 'अक्षम' मुख्यमंत्री को बर्खास्त किया जाए : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी

मणिपुर में दो छात्रों के शवों की तस्वीर वाला वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि राज्य के 'अक्षम' मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को बर्खास्त किया जाना चाहिए। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "147 दिनों से मणिपुर के लोग परेशान हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के पास राज्य का दौरा करने का समय नहीं है। इस हिंसा में छात्रों को निशाना बनाए जाने की भयावह तस्वीरों ने एक बार फिर पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है।" खरगे के मुताबिक, अब यह स्पष्ट है कि इस संघर्ष में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को हथियार बनाया गया। उन्होंने आरोप लगाया की खूबसूरत राज्य मणिपुर को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कारण युद्ध के मैदान में बदल दिया गया है। खरगे ने कहा, "अब समय आ गया है, प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर के भाजपा के अक्षम मुख्यमंत्री को बर्खास्त करें। उथल-पुथल की किसी भी संभावित घटना को नियंत्रित करने के लिए यह पहला कदम होगा।" मणिपुर में दो युवकों की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन कर रही भीड़ पर मंगलवार को पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने के कुछ घंटे बाद मणिपुर सरकार ने अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाओं पर फिर से प्रतिबंध लगा दिया। इम्फाल घाटी में दो युवकों की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन कर रही भीड़ पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया, जिसमें कई छात्र घायल हो गए।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री ने एशियाई खेलों के पदक विजेताओं को बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम को बधाई दी और रजत पदक जीतने वाली महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन टीम की भी सराहना की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "भारत के लिए शानदार स्वर्ण। मनु भाकर, रिदम सांगवान और ईशा सिंह सहित 25 मीटर पिस्टल महिला टीम को उनकी शानदार जीत के लिए बधाई! उनके उल्लेखनीय टीम वर्क ने शानदार परिणाम दिए हैं। उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं।" उन्होंने कहा, "हमारी समर्पित और प्रतिभाशाली 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन महिला टीम ने एशियाई खेलों में रजत पदक जीता। उन्होंने असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। सिफ्त कौर समरा, आशी चौकसे और मानिनी कौशिक को बधाई।" भाकर, सिंह और सांगवान की तिकड़ी ने मिलकर महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय निशानेबाजों ने हांगझोउ शूटिंग रेंज हॉल में चल रही इस प्रतियोगिता में दबदबा बनाकर रखा है।

राजस्थान: खालिस्तान समर्थकों के ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

जयपुर, एजेंसी

● श्रीगंगानगर-जोधपुर समेत 13 जिलों में दबिश

भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक विवाद का कारण बने विवादित खालिस्तान की आंच अब राजस्थान तक पहुंच गई है। खालिस्तान का समर्थन करने और उसकी विचारधारा से संबंध रखने वालों पर कार्रवाई करने के लिए प्रदेशभर में विभिन्न स्थानों पर खालिस्तान समर्थकों के ठिकानों पर एनआईए की टीम दबिश दे रही हैं। एनआईए की कई टीमें बीती रात से ही राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में पहुंचकर छापामार कार्रवाई कर रही हैं। राजस्थान के हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, झुंझुनूं और जोधपुर सहित 13 जिलों में कई ठिकानों पर एनआईए की टीमें दबिश देने पहुंची हैं। कई जगह यह कार्रवाई आज भी जारी है। राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में खालिस्तान समर्थकों के यहां एनआईए की टीमों ने 50 से अधिक जगहों पर देर रात से छापेमारी की। राजस्थान के 13 जिलों हनुमानगढ़, झुंझुनूं, श्रीगंगानगर, जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर, सीकर, पाली, जोधपुर ग्रामीण, बाड़मेर, कोटा ग्रामीण, भीलवाड़ा और अजमेर में एनआईए की टीमें मौजूद हैं और सर्च कर रही हैं। श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ और राजियासर थाना इलाके में एनआईए ने एक छात्र नेता के घर पर रेड डाली है। मंगलवार रात से चल रही छापेमारी में अधिकारी लगातार पूछताछ कर रहे हैं। एनआईए की ओर से अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। एनआईए को गैंगस्टर के खालिस्तानी समर्थकों के साथ गठजोड़ के लिंक मिले हैं। एनआईए ने पहले अपने स्तर पर इसकी जांच की है। आंतरिक जांच में कुछ सुराग एनआईए के हाथ लगे हैं। उसी के आधार पर आज एनआईए राजस्थान समेत कई राज्यों में एक साथ छापामारी कर रही है। बीते दिनों एनआईए ने खालिस्तान से संबंध रखने वाले आतंकियों और गैंगस्टर्स की एक लंबी सूची जारी की थी। इसके साथ ही उन आतंकियों और गैंगस्टर्स की संपत्ति, बेनामी, बिजनेस पार्टनर और बिजनेस से जुड़ी कोई भी जानकारी होने पर एनआईए से साझा करने की अपील भी एजेंसी ने की थी। इसके बाद कुछ लोगों की संपत्ति जब्त भी की गई है। पंजाब से शुरू हुआ खालिस्तान मूवमेंट अब कनाडा में पैर जमा चुका है। वहां से इस मुहिम को फंडिंग और वैचारिक समर्थन की बात सामने आने के बाद से ही भारत और कनाडा के कूटनीतिक रिश्ते प्रभावित हुए हैं। एनआईए की जांच में देश के कई कुख्यात गैंगस्टर्स का खालिस्तानी कनेक्शन भी सामने आया है। इसके बाद एनआईए ने इन गैंगस्टर्स पर शिकंजा कसना शुरू किया है। छापेमारी के तहत जोधपुर जिले के पीपाड़ क्षेत्र में भी एनआई की कार्रवाई हुई है। यह कार्रवाई विदेश से हो रहे ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के चलते की गई है। एनआईए की टीम ने पीपाड़ थाना क्षेत्र के कोसना निवासी सुरजीत बिश्नोई नामक युवक को पूछताछ के बाद नोटिस देकर उसे तीन अक्टूबर को दिल्ली एनआईए में पेश होने का निर्देश दिया है। 28 साल के सुरजीत के बैंक खाते में विदेश से राशि आने की बात सामने आई है। एनआईए की टीम ने जैसलमेर के पोकरण इलाके के रामदेवरा, पोकरण और छायण गांव में कुछ लोगों से पूछताछ की। इस दौरान कनाडा में संचालित हो रहे खालिस्तान नेटवर्क से बातचीत करने वाले लोगों से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार छायण गांव में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पकड़े गए व्यक्ति से खालिस्तानी नेटवर्क का खुलासा करने की कोशिश की जा रही है। बताया जा रहा है कि एनआईए को इनपुट मिला था कि पकड़ा गया व्यक्ति कनाडा में खालिस्तान के लोगों के संपर्क में है। उससे छायण पुलिस चौकी में पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि युवक को वॉट्सऐप पर कनाडा से कॉल आई थी। युवक के अकाउंट से पैसा भी ट्रांसफर हुआ है। हालांकि अभी तक पुष्टि नहीं हुई है।

डिग्री इंजीनियर कर रहे हैं कुली का काम : राहुल

राहुल ने कुलियों से की मुलाकात का वीडियो जारी कर महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे उठाए

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कुलियों के साथ मुलाकात का वीडियो बुधवार को जारी कर 'कमरतोड़ महंगाई' एवं 'रिकॉर्ड' बेरोजगारी के मुद्दे उठाए और कहा कि भारत का भार उठाने वालों के कंधे आज मजबूरियों के बोझ से झुके हुए हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर कुलियों के साथ मुलाकात की थी और उनकी समस्याओं के बारे में जाना था। राहुल गांधी ने बुधवार को इस मुलाकात का एक वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर जारी किया। उन्होंने कहा, "कुछ दिनों पहले रामेश्वर जी (सब्जी विक्रेता) से मुलाकात हुई थी। इसकी खबर मिलते ही कुछ कुली भाइयों ने मुझे उनसे मिलने का अनुरोध किया। जैसे ही मुझे मौका मिला, मैं दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल पहुंच गया। उनसे मिल कर काफी बातें हुईं झ उनकी ज़िंदगियों को करीब से जाना और उनके संघर्षों को समझा।" कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का कहना था, "कुली भारत के सबसे मेहनती लोगों में हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी, करोड़ों यात्रियों के सफर में सहायक बन कर ये अपनी ज़िंदगी बिता देते हैं। कितनों की बांह पर लगा वो बिल्ला सिर्फ. पहचान ही नहीं, उनको मिली विरासत भी है। ज़िम्मेदारी तो हिस्से में आ जाती है, मगर तरक्की न के बराबर।" उन्होंने दावा किया, "आज भारत में लाखों शिक्षित युवा रेलवे स्टेशन पर कुली का काम कर अपनी रोजी रोटी कमाने की कोशिश कर रहे हैं। कारण? रिकॉर्ड बेरोजगारी। देश का साक्षर नागरिक दो वक़्त की रोटी कमाने को संघर्ष कर रहा है।" राहुल गांधी ने कहा, "प्रतिदिन 400-500 रुपये की मामूली जीविका कमाते हैं, जिसमें घर का खर्च भी पूरा नहीं पड़ता, बचत का तो सवाल ही नहीं। कारण? कमरतोड़ महंगाई। खाना महंगा, रहना महंगा, शिक्षा महंगी, स्वास्थ्य महंगा झ गुजारा हो भी तो कैसे!" उनके अनुसार, "कुली भारतीय रेलवे से वेतन पाने वाले कर्मचारी नहीं हैं, उनकी न पगार है, न पेंशन !किसी चिकित्सा बीमा या बुनियादी सुविधाओं का भी लाभ नहीं झ भारत का भार उठाने वालों के कंधे आज मजबूरियों से झुके हुए हैं।" उन्होंने कहा, "फिर भी उनकी उम्मीदें करोड़ों और हिंदुस्तानियों की तरह ही इस बात पर कायम हैं कि समय बदलेगा!" राहुल गांधी 'भारत जोड़ो यात्रा' पूरी करने के बाद समाज के अलग-अलग वर्गों के लोगों से मुलाकातें कर रहे हैं। कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी की यात्रा जारी है।

शहरों पर दबाव कम करने ग्रामीण क्षेत्रों में भी बढ़ानी होंगी सुविधाएं: मुर्मू

इंदौर, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज कहा कि शहरों पर दबाव कम करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में भी शहरों की तरह स्वास्थ्य, शिक्षण और बुनियादी सुविधाएं दी जानी चाहिए। श्रीमती मुर्मू यहां आयोजित 'इंडिया स्मार्ट सिटी कांक्लेव 2023' को संबोधित कर रहीं थीं। इस दौरान मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी उपस्थित थे। इस दौरान श्रीमती मुर्मू ने स्मार्ट सिटी से जुड़े हुए विभिन्न श्रेणियों के 66 पुरस्कार भी प्रदान किए। राष्ट्रपति ने पूरे आयोजन से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इंदौर देश की स्मार्ट सिटी में सबसे ऊपर है। इसके लिए उन्होंने इंदौर के निवासियों और शासन-प्रशासन से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी। राष्ट्रपति ने कहा कि एक आंकलन में बताया गया है कि 2047 तक शहरी आबादी 87 करोड़ हो जाएगी। लगभग 50 प्रतिशत से अधिक लोग शहरों में रहेंगे। ऐसे में हमें भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए एक रोडमैप बनाना होगा। उन्होंने कहा कि विकास से जुड़ा एक अहम मुद्दा जलवायु परिवर्तन का भी है। हमें देखना होगा कि शहरों में जलवायु परिवर्तन पर कैसे काम हो सकता है। शहरों में ज्यादातर ग्रीन बिल्डिंग्स पर जोर दिया जा रहा है, पर अभी और काम करने की जरूरत है। सही दिशा के लिए 'सस्टेनेबल डवलपमेंट' पर काम करना होगा। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि पिछले 10 साल में शहरी विकास में देश का समग्र निवेश पहले की तुलना में 10 गुना हो गया है। इसमें स्मार्ट सिटी मिशन का योगदान अहम है। उन्होंने महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा के मुद्दे की अहमियत बताते हुए कहा कि सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था से कानून व्यवस्था सुदृढ़ हो रही है। पर इसके लिए और मजबूत कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने विश्वास जताया कि स्मार्ट सिटी में हो रहे काम इस दिशा में और मजबूती देंगे। राष्ट्रपति ने लोगों से भी बतौर नागरिक और जिम्मेदार बनने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि शहरों में फैलती बीमारियों जैसे मुद्दों पर भी लोगों के जागरुक होने की जरूरत है। अपना सुझाव पेश करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी शहरों की तरह स्वास्थ्य, शिक्षण और बुनियादी सुविधाएं दी जाएं, ताकि शहरों पर दबाव कम हो और ग्रामीणों का जीवन बेहतर हो। उन्होंने नगरीय निकायों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी लोग अच्छा काम कर रहे हैं। कांक्लेव के परिणामों को नगरीय निकायों से जुड़े जिम्मेदार लोग अपने शहरों में उपयोग करें, ताकि ये परिणाममूलक हो।

स्मार्ट सिटी इंदौर चार श्रेणियों में पहले पुरस्कार सहित सात पुरस्कारों से सम्मानित.....

देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर अब स्मार्ट सिटी में भी अव्वल: राष्ट्रपति

इंदौर, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशनल सेंटर में इंडिया स्मार्ट सिटीज अवार्ड प्रतियोगिता-2022 के विजेताओं को सम्मानित किया। इंदौर को देश की नंबर वन स्मार्ट सिटी के साथ अर्बन एन्वायरनमेंट, वाटर, सेनिटेशन सहित अन्य श्रेणियों में पहला स्थान व तीन अन्य श्रेणियों में दूसरा स्थान मिला है। मध्य प्रदेश को भी नंबर 1 स्टैट का अवार्ड दिया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इंदौर ने भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में अपना स्थान बनाए रखा है और अब स्मार्ट सिटी में भी सबसे ऊपर है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कार्यक्रम में इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, निगम आयुक्त हर्षिका सिंह और स्मार्ट सिटी

सीईओ दिव्यांक सिंह को सम्मानित किया। उन्होंने संबोधन की शुरूआत में सर्वश्रेष्ठ काम के लिए इंदौर की तारीफ की और मध्य प्रदेश के लोगों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मंच पर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत की परंपरा अतिथि देवो भवः है। इंदौर हर दौर में आगे रहने का आदी हो गया है। स्मार्ट सिटी का सिरमौर हैं इंदौर। मालवा का चंदन और अभिनंदन है। जो इंदौर आता है वो इंदौर का होकर रह जाता है। इंदौर में कोई पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण का नहीं होता, यहां जो आता है, वो इंदौर का हो जाता है। इंदौर हर किसी को दिल से अपनाता है। स्वच्छता हो या स्मार्ट सिटी, हमने इसे जन आंदोलन बनाने का प्रयास किया। मध्य प्रदेश ने इन लक्ष्यों को यहां की जनता की मदद से हासिल किया है। अच्छे कार्यों में प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए, इससे पूरा देश तरक्की करेगा। समारोह में राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने कहा कि राज्य में स्मार्ट सिटी मिशन सपनों को असल में बदलने का प्रयास है। हमारा देश सभी दिशाओं में अतुल्य और अद्भुत भारत निर्माण की ओर बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने समारोह को संबोधित करते हुए इंदौर की जमकर तारीफ की। इंदौर शहर एक मॉडल बन गया है। मप्र ने बैंचमार्क स्थापित किया है। महामारी के दौरान स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर वार रूम बने। इंदौर को मिला नेशनल स्मार्ट सिटी अवार्ड नेशनल स्मार्ट सिटी अवार्ड में इंदौर को पहला स्थान मिला है, जबकि सूरत को दूसरा स्थान तथा आगरा को तीसरा स्थान मिला। सर्वश्रेष्ठ राज्य अवार्ड में मध्य प्रदेश को पहला स्थान मिला। सर्वश्रेष्ठ राज्य अवार्ड में तमिलनाडु को दूसरा जबकि राजस्थान और उत्तर प्रदेश को तीसरा स्थान मिला। राष्ट्रपति ने इंडिया स्मार्ट सिटीज अवार्ड प्रतियोगिता-2022 में विभिन्न श्रेणियों में 61 विजेताओं को सम्मानित किया।

प्रसार अधिकारियों और केवीके के वैज्ञानिकों को दिया प्रशिक्षण

पंतनगर, एजेंसी। जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय में समेटी, प्रसार शिक्षा निदेशालय और राष्ट्रीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती केंद्र, गाजियाबाद की ओर से प्रसार अधिकारियों और कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हो गया। समापन पर निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. जेपी जायसवाल ने कहा कि जैविक और प्राकृतिक खेती विधा अपनाकर मृदा के स्वास्थ्य में सुधार सहित रसायनमुक्त उत्पादों का उत्पादन कर अपनी आय में कई गुना बढ़ोतरी की जा सकती हैं। समेटी समन्वयक डॉ. बीडी सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान विवि और राष्ट्रीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती केंद्र के वैज्ञानिकों ने टिकाऊ कृषि, जैविक कृषि के सिद्धांत, विधियां एवं जैविक कृषि निवेशों से मृदा स्वास्थ्य में सुधार आदि विषयों पर व्याख्यान दिया। केवीके नैनीताल प्रभारी डॉ. सी. तिवारी ने प्राकृतिक खेती और किसानों की आय दोगुनी करने संबंधी कारकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण में प्रदेश के उपपरियोजना निदेशक, ब्लाक तकनीकी प्रबंधक और केवीके के वैज्ञानिकों सहित 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन के साथ आए ग्राम कोपा गूलरभोज के लोगों ने मंगलवार को डीएम उदयराज सिंह को ज्ञापन सौंपा। बताया कि हरिपुरा जलाशय बनाने के लिए किसानों की भूमि अधिग्रहित की गई थी। तब अधिग्रहित जमीन के बदले बुक्सा जनजाति और सामान्य जाति के लोगों को पट्टे दिए गए थे। इसमें ग्रामीण खेती कर रहे हैं लेकिन ग्राम कोपा में दिए गए पट्टों से ग्रामीणों को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कृषि भूमि के पट्टों को राजस्व भूमि में बदलने के लिए आंदोलन की चेतावनी दी। डीएम ने मामले में उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। वहां पूर्व ग्राम प्रधान प्रेम सिंह, दीवान सिंह मेहता, भूपेंद्र सिंह कोरंगा, चैतो देवी, पार्वती देवी, कौशल्या देवी, देवेश मेहता आदि रहे।

प्रदेश में बनेंगे 3,940 आंगनबाड़ी केंद्र

रुद्रपुर, एजेंसी। प्रदेश में 3,940 आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण किया जाएगा। भारत सरकार ने राज्य सरकार से आंगनबाड़ी केंद्र के भवन निर्माण का प्रस्ताव मांगा था। इसलिए सभी जिलों ने राज्य सरकार को आंगनबाड़ी केंद्रों का प्रस्ताव बनाकर भेज दिया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के मुताबिक एक आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण के लिए मनरेगा से आठ लाख रुपये, राज्य और केंद्र सरकार की ओर से दो-दो लाख रुपये का बजट दिया जा रहा है। हर आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण के लिए करीब बारह लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसी तरह यूएस नगर जिले में 500 आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए साठ करोड़ रुपये और हरिद्वार में 550 आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए छियासठ करोड़ रुपये का बजट खर्च किया जाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी उदय प्रताप सिंह ने बताया कि जिले में 2,387 में से 1,169 आंगनबाड़ी केंद्र किराये के भवनों में संचालित हैं। अगर 500 आंगनबाड़ी केंद्र बन सके तो बच्चों को किराये के भवन से छुटकारा मिल जाएगा। बताया कि इन केंद्रों के निर्माण के लिए भूमि का चिह्निकरण कर प्रस्ताव भेज दिया गया है।

बुखार से मौत पूर्व प्रधान की मौत

रुड़की, एजेंसी। अब बुखार ने क्षेत्र के जौरासी गांव में पूर्व प्रधान की जान ले ली है। वो कुछ दिनों से बुखार से पीड़ित थे। हालत बिगड़ने पर निजी अस्पताल के चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। जौलीग्रांट में उनका उपचार चल रहा था। रविवार रात को उनकी मौत हो गई। डेंगू और बुखार से रुड़की में यह 19वीं मौत है। जौरासी गांव निवासी एवं पूर्व प्रधान अब्दुल रहीम कुछ दिन से बुखार से पीड़ित थे। शहर के एक अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। हालत बिगड़ने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया था। परिवार के लोग उन्हें जौलीग्रांट ले गए। वहां उपचार के दौरान रविवार रात को उनकी मृत्यु हो गई। डेंगू व बुखार से इससे पहले 18 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग इसकी पुष्टि नहीं कर रहा है। लोगों का कहना है कि डेंगू व संदिग्ध बुखार ने कहर बरपाया हुआ है। इस पर काबू पाने को लेकर स्वास्थ्य विभाग व निकायों की ओर से जो प्रयास हो रहे हैं वह नाकाफी हैं। डेंगू पीड़ित मरीजों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। सोमवार को सरकारी व निजी अस्पताल में उपचार को पहुंचे 18 और मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है। सिविल अस्पताल रुड़की में बुखार पीड़ित 27 मरीजों की डेंगू जांच कराई गई। इसमें छह मरीज डेंगू पॉजिटिव आए हैं। इसके अलावा अलग-अलग निजी अस्पताल में 12 बुखार पीड़ितों में डेंगू की पुष्टि हुई है। सिविल अस्पताल रुड़की का डेंगू वार्ड कई दिनों से फुल चल रहा है। सोमवार को चार मरीजों को डेंगू वार्ड से डिस्चार्ज किया था लेकिन दोपहर के समय छह और मरीज आ गए। डेंगू वार्ड में फिलहाल 12 मरीज भर्ती हैं। हालांकि सभी मरीजों की हालत खतरे से बाहर है। अस्पताल के सीएमएस डॉ. संजय कंसल ने बताया कि अस्पताल में डेंगू के उपचार को लेकर सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। मरीज ठीक होकर अस्पताल जा रहे हैं।

तेज रफ्तार लोडर दुकान में घुसा, सामान क्षतिग्रस्त

हरिद्वार, एजेंसी। ज्वालापुर स्थित अहबाबनगर में एक होटल में तेज रफ्तार लोडर वाहन जा घुसा। बाहर खड़ी रेहड़ी और काउंटर क्षतिग्रस्त हो गए। कढ़ाई से तेल दुकान के कारीगर के ऊपर गिर गया। जिससे वह झुलस गया। आसपास के लोगों ने चालक को पकड़ा और धुनाई कर दी। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। मंगलवार की शाम करीब चार बजे अहबाबनगर में ट्रांसफार्मर चौक पर एक चालक ने तेज रफ्तार से अपना लोडर वाहन घुमा दिया। लेकिन उस पर नियंत्रण नहीं कर सका। जिससे लोडर सामने बने होटल में जा घुसा। बाहर रखा काउंटर रेहड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। कढ़ाई से तेल कारीगर अब्दुल के ऊपर गिरने से वह हल्का झुलस गया। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि इस संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। शिकायत आने पर कार्रवाई की जाएगी।

खालिस्तानी आतंकवादी के खिलाफ प्रदेश में दो जगह एनआईए ने मारा छापा

देहरादून, एजेंसी।
खलिस्तानी-आतंकियों के खिलाफ देश के कई राज्यों में छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है। एनआईए ने पंजाब के 30 इलाकों में छापेमारी की है, तो वहीं राजस्थान में 13, हरियाणा में 4, उत्तराखंड में दो, दिल्ली-हृष्टक्र और यूपी में एक-एक जगह छापेमारी चल रही है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने खलिस्तानी-आतंकियों के खिलाफ देश के कई राज्यों में छापे मारे हैं। गैंगस्टरों की तलाश में एनआईए ने दिल्ली एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और उत्तराखंड के करीब 50 इलाकों में छापे की कार्रवाई जारी है। एनआईए की टीम उत्तराखंड की राजधानी में भी एक गन डीलर के यहां पहुंची हैं।

उत्तराखंड के उधम सिंह नगर बाजपुर एनआईए के छापेमारी की कार्रवाई चल रही है। वहीं देहरादून टर्नर रोड के पास भी एनआईए के छापेमारी की कार्रवाई चल रही है। यहां पिछले साल कारतूस का मामला सामने आया था। देहरादून के गन डीलर परिक्षित नेगी के गन स्टोर से कारतूस ले जाई गई थी। दिल्ली पुलिस ने नेगी को गिरफ्तार था जोकि

फिलहाल जमानत पर बाहर है।

एनआईए ने यह कदम आतंकवादियों और ड्रग्स डीलर्ज के बीच साठगांठ को खत्म करने के मकसद से उठाई है। दरअसल, भारत में बैठे आतंकी मददगार विदेशों में रहे रहे आतंकियों और गैंगस्टरों को हवाला चैनल के माध्यम से हथियार और ड्रग्स की सप्लाई करते हैं।

एनआईए ने यह कार्रवाई ऐसे समय की है, जब कनाडा में खलिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हालांकि उनकी हत्या के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने उन्हें कनाडाई नागरिक बताते हुए भारत पर हत्या का आरोप लगाया था।

इस दौरान उन्होंने कनाडा से भारतीय राजनयिक को भी बाहर कर दिया। इसके जवाब में भारत ने भी दिल्ली से कनाडा के राजनयिक को निष्कासित कर दिया और कनाडा के लोगों के लिए वीजा सेवा भी रोक दी।

पिछले साल दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पांच लोगों को दो हजार कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया था। अगस्त में हुई इस कार्रवाई में पता चला कि यह कारतूस देहरादून के गन डीलर से खरीदे गए थे। दिल्ली पुलिस ने पड़ताल की तो यहां रॉयल गन हाउस का नाम सामने आया। रॉयल गन हाउस पर स्थानीय पुलिस ने भी छापा मारा तो मालूम हुआ कि यह दुकान बीते दो माह से खुली ही नहीं। इस गन हाउस को टर्नर रोड निवासी परिक्षित नेगी चलाता है। प्रशासन ने भी इस दुकान का लाइसेंस निरस्त कर दिया था।

जांच में पाया गया था कि नेगी कारतूसों की सप्लाई कई बार गैर कानूनी ढंग से कर चुका है। अगस्त 2022 से पहले मई में भी वह अमृतसर में कारतूस सप्लाई कर चुका था। क्योंकि अब खालिस्तानी मूवमेंट को हवा मिली और तमाम जगह कार्रवाई राष्ट्रीय एजेंसी कर रही है ऐसे में माना जा रहा परिक्षित नेगी भी जाने-अनजाने पैसों के लालच में इस खलिस्तानी नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। हालांकि अभी जांच चल रही है। इस मामले में कोई स्थआनीय अधिकारी या देहरादून पहुंची एनआईए की टीम का कोई सदस्य जानकारी नहीं दे रहा है।

घर से बुलाकर ले गए दोस्त ने की थी अरुण की हत्या

रुद्रपुर, एजेंसी। पुलिस ने अरुण हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में मृतक के दोस्त के खिलाफ नामजद केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के अनुसार अरुण की हत्या विवाद के चलते उसके एक साथी ने की थी। पुलिस लूटी गई बाइक और मोबाइल बरामद कर लिया है। बुधवार को पुलिस मामले का खुलासा करेगी।

सुभाषनगर डिबबिडा निवासी अमित कुमार ने कोतवाली में दर्ज रिपोर्ट में कहा है कि 24 सितंबर की शाम उसका सबसे छोटा बेटा अरुण घर पर था। अरुण का दोस्त कीरतपुर रुद्रपुर निवासी शक्ति उसे घूमने के बहाने घर से बुलाकर ले गया था। अरुण घर से शक्ति के साथ बाइक से घूमने निकला। जब उनका बेटा घर नहीं लौटा तो उन्होंने शक्ति से जानकारी ली लेकिन वह टालमटोली करने लगा।

शक्ति के भाई शिवा ने बताया कि अरुण नेशनल हाईवे के किनारे बागवाला जंगल में हो सकता है। इसके बाद जंगल में तलाश करने पर उन्हें अरुण का शव मिला। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले अरुण का शक्ति के साथ झगड़ा हुआ था। उसी ने अरुण की हत्या कर बाइक और मोबाइल लूटा है। इस पर पुलिस ने शक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार अरुण को सोची समझी साजिश के तहत दोस्त बुलाकर ले गया था। घूमने के दौरान तीन और दोस्त भी थे। जब मुख्य आरोपी और अरुण अकेले थे तो बागवाला में उनके बीच विवाद हुआ था।

पुराने विवाद के कारण आरोपी ने बेसबाल के डंडे से अरुण के माथे पर वार कर लहूलुहान कर दिया और बाइक व मोबाइल लूटकर घर चला गया। पुलिस अन्य दोस्तों की भूमिका की जांच कर रही है। एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर शक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। बुधवार को मामले का खुलासा किया जाएगा।

आरोपी अरुण को अधमरा कर जंगल में छोड़कर चला गया था। माना जा रहा है कि गहरी चोट से ज्यादा खून बहने से उसकी मौत हुई होगी। यही नहीं कि इतनी जोर से अरुण के माथे पर वार किया गया कि बेसबाल स्टिक का हत्था तक टूट गया। सूत्रों के अनुसार आरोपी ने लूटी बाइक का एक व्यक्ति से पांच हजार रुपये में सौदा कर दिया। मोबाइल को भी कहीं गिरवी रख दिया।

विकास की यह भी तस्वीर...शौच के लिए स्कूल से घर की दौड़

रुद्रपुर, एजेंसी। हाईकोर्ट ने सरकार का जवाब तलब कर स्कूलों में पानी और शौचालय के न होने को बच्चों के अधिकारों का हनन बताया है। सरकार से ऐसे विद्यालयों के बारे में बताने के लिए भी कहा है जहां पानी और शौचालय सुविधा नहीं है। मंगलवार को सरकारी विद्यालयों में शौचालयों की स्थिति देखी गई तो हालत खराब मिली। कहीं पानी के नल टूटे थे तो कहीं शौचालय में ताला लटका मिला। सुल्तानपुर पट्टी के पास गांव जगन्नाथपुर स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के बच्चे शौच के लिए घर जाते हैं।

जिले में 780 प्राथमिक, 200 उच्च प्राथमिक और 124 माध्यमिक विद्यालय है। अधिकतर स्कूल में शौचालयों की हालत अच्छी नहीं है। सफाई के अभाव में कहीं शौचालय गंदगी से पटे हैं तो कहीं दरवाजे की खराब स्थिति में हैं। रुद्रपुर के टांडा रेंज, गूलरभोज, सितारगंज सहित अन्य क्षेत्रों में वन भूमि में स्थित विद्यालयों में कामचलाऊ शौचालय हैं।

रविंद्रनगर में साल 2009 से संचालित हो रहे राजकीय प्राथमिक विद्यालय में वर्तमान में 80 बालक और 88 बालिकाएं पढ़ती हैं। स्कूल में स्थित शौचालय में गंदगी का अंबार है। शौचालय में लगे यूरिनल के पाइप टूटे हैं। सफाई व्यवस्था भी ठीक नहीं है। शिक्षकों का कहना है कि वे अपने स्तर से सफाई कर्मी की व्यवस्था करते है और वह हफ्ते में तीन दिन सफाई के लिए आता है। इसके अलावा भदईपुरा प्राथमिक विद्यालय के हाल बहुत अच्छे नहीं है। स्कूल में छात्र संख्या 500 है लेकिन तीन शौचालयों में से दो पर ताला लटका मिला। दुर्गंध के कारण शौचालय के आसपास खड़ा होना दूभर है। स्कूल के विद्यार्थी दो शौचालयों का इस्तेमाल करने को मजबूर हैं। बताया गया कि हफ्ते में दो दिन शौचालय की सफाई की जाती है। विकासखंड के हरिपुरा-बौर जलाशय के अंदर स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय हल्दुजद्दा खत्ता और धीमरी खत्ता शौचालय विहीन है। राजकीय प्राथमिक विद्यालय हल्दुजद्दा खत्ता में 41 और धीमरी खत्ता में 51 बच्चे पंजीकृत हैं। दोनों विद्यालयों में शौचालय न होने की स्थिति में बच्चों को खुले में शौच के लिए जाना पड़ता है। हालांकि कामचलाऊ व्यवस्था के तहत तिरपाल आदि लगाकर अस्थायी रूप से शौचालय बनाए गए हैं लेकिन जंगली जानवर अक्सर वैकल्पिक शौचालय और झोपड़ी में चल रहे विद्यालयों को क्षतिग्रस्त कर देते हैं। सुल्तानपुर पट्टी के पास गांव जगन्नाथपुर स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बना शौचालय जीर्णशीर्ण हालत में है।

टीएचडीसी ने वित्तीय वर्ष 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट की प्रस्तुत

ऋषिकेश, एजेंसी।
टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की है। इस वर्ष टीएचडीसी के प्रचालित संयंत्रों ने विभिन्न आयामों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। टीएचडीसी के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक आरके विश्नोई ने कंपनी के अंशधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में 4,935.48 मिलियन यूनिट का संचयी ऊर्जा उत्पादन हासिल किया है। यह पिछले नौ वित्तीय वर्षों में उत्पादन का उच्चतम स्तर है। बताया कि टिहरी जल विद्युत संयंत्र (1000 मेगावाट) ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिसने 17 वर्षों के निरंतर प्रचालन के बाद भी 2 अगस्त, 2023 को 25.80 मिलियन यूनिट का रिकॉर्ड दैनिक उत्पादन हासिल किया। यह संयंत्र के उच्च रखरखाव और प्रचालन रणनीतियों का प्रमाण है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अपने पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) लक्ष्य को 43.9 प्रतिशत से अधिक कर लिया है। पूंजीगत व्यय 4,615.02 करोड़ रुपये के साथ 3,207.54 करोड़ रुपये के लक्ष्य से काफी अधिक है। इसके अलावा टिहरी एचपीपी ने 84.09 प्रतिशत और कोटेश्वर एचईपी ने 68.62 प्रतिशत के संयंत्र उपलब्धता कारक (पीएएफ) हासिल किए हैं। यह 80 प्रतिशत और 68 प्रतिशत के मानक आंकड़ों को पार कर गए हैं। टिहरी पीएसपी की पहली इकाई को बीते 30 मार्च को सफलतापूर्वक बॉक्स अप किया गया। इसके अतिरिक्त टिहरी में 1,000 मेगावाट क्षमता वाले केंद्रीय क्षेत्र के पहले पंप स्टोरेज संयंत्र को कमीशन करने के अंतिम चरण में हैं। टिहरी पंप स्टोरेज प्लांट की पहली दो यूनिट का वित्त वर्ष 2023-24 में कमीशन होना है। वहीं शेष दो यूनिट का जून 2024 तक कमीशन होना प्रत्याशित है। इसके अतिरिक्त विष्णुगाड पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना (वीपीएचईपी) में टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का उपयोग करके उत्खनन कार्य दोबारा से शुरू हो गया है।

ट्रेन से महिला का बैग चोरी कर भागा आरोपी

हरिद्वार, एजेंसी। एक्सप्रेस ट्रेन से देहरादून जा रही महिला यात्रा का पर्स चोरी कर एक युवक ट्रेन से कूदकर झाड़ियों के बीच से फरार हो गया। जीआरपी ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, मंजीत कौर अरोड़ा पत्नी स्व. मनमोहन सिंह निवासी शिव कॉलोनी पटेलनगर देहरादून ने शिकायत दी। बताया कि कुंभ एक्सप्रेस ट्रेन में वह मधुपुर रेलवे स्टेशन से सवार होकर देहरादून आ रही थी। हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर पहुंचने के बाद ट्रेन खाली हो गई। कुछ देर बाद ट्रेन देहरादून के लिए चलने लगी। तभी एक शख्स ने उनका बैग चोरी कर लिया। उस पर नजर पड़ी तो वह तुरंत भागकर ट्रेन से नीचे कूदकर झाड़ियों में भाग गया।

मलबे में दबकर चालक की मौत

केलाखेड़ा, एजेंसी।
छत से अचानक मलबा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

नगर के मोहल्ला पुलिस थाना निवासी मदन गोपाल शर्मा (58) आटा मिल में चालक थे। वह मंगलवार दोपहर भोजन करने के लिए घर आए थे। वह कमरे के अंदर बेड पर आराम कर रहे थे। तभी अचानक छत से मलबा गिर गया। इससे वह घायल हो गए। चीख पुकार सुनकर पहुंचे परिजनों ने मलबा हटाकर उन्हें बाहर निकाला। उसे बेहोशी की हालत में परिजन एक वाहन से काशीपुर स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सीओ बीएस भंडारी ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

उनके बच्चे तीन बच्चे हैं। इनमें एक बेटी और दो बेटे शामिल हैं। उनकी पत्नी सविता शर्मा आशा कार्यकर्ता हैं। इधर सूचना पर आरएसआई खुशाल सिंह ने मौका मुआयना किया।

बीते दिनों हुई बारिश के चलते मिट्टी धंसने से ग्राम चमनगंज में कच्चा घर गिर गया। घर में रखा सामान निकलते समय महिला मामूली रूप से चोटिल हो गई। सूचना मिलने पर क्षेत्रीय पटवारी और वीपीडीओ ने मौका मुआयना कर क्षति का आकलन किया है।

ग्राम पंचायत धनपुर विजयपुर के राम चमनगंज में त्रिलोकी नाथ अपनी पत्नी ललिता और दो बेटों के साथ टिनशेड में रह रहे थे। बीते दिनों हुई तेज बारिश के पानी से उनके घर की दीवारें धंस गईं और उनमें दरारें भी पड़ गई थीं। सोमवार को त्रिलोकी नाथ

गदरपुर के एक वैवाहिक कार्यक्रम में काम करने गए थे। सोमवार की रात अचानक कच्चे घर की दीवार पर डाली गई लोहे की चादर झुकने लगी। ऐसे में ललिता ने घर में सो रहे बेटों नैतिक और दिव्यांश को घर से बाहर निकाला। ललिता ने आसपास के लोगों की मदद से घर के अंदर से पलंग, घरेलू कपड़े, अलमारी आदि सामान को बाहर निकलना शुरू कर दिया। करीब 11 बजे अचानक कच्चा घर भरभरा कर गिर गया। उसमें रखा सामान मलबे में दब गया। मंगलवार सुबह ललिता ने तहसीलदार दिनेश सिंह कुटौला को घर गिरने की जानकारी दी। सूचना मिलने पर क्षेत्रीय लेखपाल राजीव कुमार और वीपीडीओ पीसी जोशी ने मौका मुआयना कर क्षति का आकलन किया।

कड़ी सुरक्षा के बीच पिरान कलियर पहुंचे 107 पाक जायरीन, सालाना उर्स में होंगे शामिल

रुड़की, एजेंसी।
107 पाक जायरीनों में दो दूतावास से हैं। जायरीन उर्स में होने वाली मुख्य रस्मों में शामिल होंगे और दरगाह साबिर पाक पर चादर और फूल पेश करेंगे।

साबिर पाक के 755वें सालाना उर्स में शामिल होने के लिए 107 पाक जायरीनों का जत्था मंगलवार को रुड़की रेलवे स्टेशन पहुंचा। रुड़की से कड़ी सुरक्षा के बीच रोडवेज की बसों से उन्हें कलियर पहुंचाया गया। यहां उन्हें साबरी गेस्ट हाउस में ठहराया गया है।

इस दौरान पाक जायरीन का फूल मला पहनाकर स्वागत किया गया। 107 पाक जायरीनों में दो दूतावास से हैं। जायरीन उर्स में होने वाली मुख्य रस्मों में शामिल होंगे और दरगाह साबिर पाक पर चादर और फूल पेश करेंगे। इसके बाद दो अक्तूबर को पाकिस्तानी जायरीन अपने वतन रवाना होंगे।

दरगाह हजरत मखदूम अलाउद्दीन अली अहमद साबिर का सालाना उर्स धीरे-धीरे अपने चरम पर पहुंच रहा है। हर घंटे सैकड़ों की संख्या में जायरीन कलियर पहुंच रहे हैं। साथ ही उर्स में दुकानें भी सज गई हैं।

कलियर में इस्लामी कैलेंडर के रबी उल अव्वल की पहली तारीख से सालाना उर्स का आगाज हो जाता है। इसमें बड़ी संख्या में अलग-अलग सामान बेचने वाले कारोबारी आते हैं। इनमें जेवर, क्रॉकरी, तांबा-पीतल, चीनी-मिट्टी के बर्तन कारोबारी कलियर शरीफ के मेले में दुकानें लगाते हैं। इसके अलावा कई नामी होटल भी आते हैं। सालाना उर्स हजारों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का जरिया भी है।

ऋण वसूली स्थगित करने को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

बाजपुर, एजेंसी।
क्षेत्र के 20 गांवों की 5,838 एकड़ भूमि के भूमिधरी अधिकारों की मांग को लेकर तहसील परिसर में चल रहे भूमि बचाओ सत्याग्रह आंदोलन में मंगलवार को भाकियू एकता उगराहा के अवतार सिंह, रघुवीर सिंह, निर्मल सिंह, मुख्तयार सिंह, राजेंद्र सिंह क्रमिक अनशन पर बैठे। धरना स्थल पर किसानों ने ऋण वसूली अभियान को स्थगित करने के लिए एसडीएम आरसी तिवारी को डीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। भाकियू के कुमाऊं मंडल अध्यक्ष विक्की रंधावा ने बताया कि भाकियू युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव टिकैत एक अक्तूबर को भूमि बचाओ सत्याग्रह आंदोलन स्थल पर पहुंचेंगे। ।

अनशन स्थल पर पहुंचे गुरुद्वारा नानकसर ठाठ के सेवादार बाबा प्रताप सिंह ने आंदोलनकारियों को मनोबल बढ़ाया। इस पर एसडीएम ने उच्चाधिकारियों से वार्ता कर निराकरण निकालने की बात कही। वहां दलजीत सिंह रंधावा, सन्नी निज्जर, विक्रम सिंह, करम सिंह पड्डा, बल्ली सिंह चीमा, जगतार सिंह बाजवा, रजनीत सिंह सोनू, विजेंद्र डोगरा आदि थे।

लोनिवि ने नगर के बेरिया दौलत रोड के बीच से दोनों ओर 35 फीट परिधि में आने वाले क्षेत्र को चिह्नित किया है। इसी निर्धारित दूरी तक लोनिवि की ओर से सड़क के दोनों तरफ से अतिक्रमण के दायरे में आने वाले व्यापारियों को नोटिस भेजे गए हैं।

व्यापारियों का कहना है कि तत्कालीन एसडीएम केके निराला ने सड़क के दोनों तरफ नाले की सीमा मानकर अतिक्रमण हटाने पर सहमति बनी थी। व्यापारियों ने उसी मानक को मानते हुए अतिक्रमण की परिधि तय करने की मांग की है।

समूह गान में जीबी पंत स्कूल रहा अव्वल

काशीपुर, एजेंसी।
उत्तराखंड संस्कृत अकादमी की ओर से खंड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता 2023-24 का आयोजन किया गया। इस दौरान समूह गान में जीबी पंत स्कूल के विद्यार्थियों का दबदबा रहा।

पं. गोविंद बल्लभ पंत इंटर कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर ऊषा चौधरी, प्रधानाचार्य अजय शंकर कौशिक, संस्कृत प्राध्यापक डॉ. राघव झा, संस्कृत महाविद्यालय प्रधानाचार्य तुलाराम शर्मा ने किया। वक्ताओं ने कहा संस्कृत भाषा के अध्ययन के लिए सभी को आगे आने को कहा। इस दौरान समूह गान में जीबी पंत स्कूल, डीएवी पब्लिक स्कूल और संस्कृत नाटक प्रतियोगिता में तारावती सरोजनी बालिका स्कूल व जीजीआईसी काशीपुर क्रमशः पहले व दूसरे स्थान पर रहे।

समूहनृत्य में राइंका प्रतापपुर, उदयराज हिन्दू इंटर कॉलेज और वाद-विवाद में राउमावि गुलजारपुर की खुशप्रीत कौर व सुधीर कुमार, तारावती स्कूल की वैशाली व दीपांशी पहले व दूसरे स्थानी रहीं। संस्कृत आशु भाषण में सुरभि सैनी, सोनाक्षी, श्लोकोच्चारण में प्रेक्षा पंत,

प्रफुल्ल पंत क्रमशः पहले व दूसरे स्थान पर रहे। प्रधानाचार्य डॉ. अजय कुमार श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य रावेंद्र शर्मा, प्रधानाचार्य धीरेंद्र साहू ने अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। निर्णायक मंडल में राजेंद्र कुमार, डॉ. जितेंद्र पंत, आभा पाठक, भानु प्रकाश पांडे, डॉ. राघव झा, मेघा शर्मा आदि मौजूद रहे। इससे पूर्व छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संचालन खंड संयोजक डॉ. जगदीश चंद्र पांडेय ने किया।

उत्तराखंड संस्कृत अकादमी की ओर से दो दिनी ब्लॉक स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता शुरू हो गई। मंगलवार को बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व दर्जा मंत्री राजेश कुमार, उदयराज सिंह चौहान, प्रधानाचार्य एसपी सिंह, अनमोला शर्मा ने किया। पहले दिन संस्कृत समूह नृत्य, श्लोकों उच्चारणम, संस्कृत समूह गान, संस्कृत नाटक, आशु भाषण संस्कृत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में क्षेत्र के 20 विद्यालयों के 300 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

केजरीवाल सरकार के शहीद भगत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी स्कूल का पहले साल में ही किया शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

केजरीवाल सरकार के शहीद भगत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी स्कूल ने अपने पहले ही साल में यूपीएससी द्वारा आयोजित एनडीए की परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। एएफपीएस के पहले बैच के 32 छात्रों ने एनडीए की परीक्षा में बाजी मारी है और इनमें 9 लड़कियाँ भी शामिल है। इस शानदार उपलब्धि पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने बुधवार को झड़ौदा कलाँ स्थित स्कूल में जाकर छात्रों से मुलाकात की और आगे एसएसबी में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर खुशी जताते हुए कहा कि, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दिल्ली के शहीद भगत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी स्कूल के 32 छात्रों ने एनडीए परीक्षा उत्तीर्ण की है, जो देश भर में किसी एक स्कूल से एनडीए उत्तीर्ण करने वाले छात्रों में से एक है।

उन्होंने आगे लिखा कि, सिर्फ एक साल में दिल्ली के आर्म्ड फोर्स प्रिपरेटरी स्कूल ने बेहतरीन नतीजे दिखाए हैं। मुझे यकीन है कि दिल्ली से अधिक से अधिक छात्र अब एनडीए परीक्षा पास करेंगे और भविष्य के अधिकारी के रूप में हमारे देश को गौरवान्वित करेंगे। दिल्ली देश की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेगी

इस मौके पर शिक्षा मंत्री आतिशी ने आज एक बहुत बड़ा सपना पूरा होता दिख रहा है। मुख्यमंत्री जी ने एक साल पहले जब इस स्कूल का उद्घाटन किया था तो कहा था कि ये स्कूल गरीब परिवारों के बच्चों के सैन्य अफसर बनने का सपना पूरा करेगा और हमारे शिक्षकों-बच्चों ने अपनी कड़ी मेहनत के साथ पहले साल में ही इसे सच कर दिखाया। ये एक बहुत बड़ी उपलब्धि है कि हमारे 76 छात्रों ने परीक्षा दी और उनमें से 32 छात्रों ने ये परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, आप बच्चों ने अपने अनुशासन,मेहनत व देशभक्ति के जज्बे से साबित कर दिया है कि वो सैन्य अफसर बन भारत माता की सेवा करने के लिए तैयार है। बस अब आप सभी को एसएसबी के लिए दोगुनी मेहनत करनी है।

उन्होंने कहा कि, हम लोगों ने साल-दो साल पहले सोचा था कि दिल्ली के अंदर कोई सैनिक स्कूल नहीं है, दिल्ली के जो हमारे बच्चे फौज में जाना चाहते हैं और देश की सेवा करना चाहते हैं, उनके लिए कोई औपचारिक सिस्टम नहीं है, जो उनको फौज में भर्ती के लिए तैयार कर सके। इसके लिए हमने एक साल पहले इस स्कूल की शुरूआत की। और हमारे पहले बैच ने ही इतना शानदार प्रदर्शन करते हुए ये साफ कर दिया है कि ये स्कूल आने वाले भविष्य में देश के लिए सैन्य अफसरो की एक लंबी कतार खड़ी करेगा। और दिल्ली के साथ-साथ पूरे देश को उनपर गर्व होगा।

एएफपीएस के कुल 76 बच्चे एनडीए परीक्षा में हुए थे शामिल, 32 हुए उत्तीर्ण, 9 लड़कियों ने भी मारी बाजी बता दें कि इस साल एएफपीएस के कक्षा 12वीं के सभी 76 बच्चों ने एनडीए की परीक्षा दी और इनमें से 32 बच्चों ने इसमें सफलता हासिल की है। इनमें 9 लड़कियाँ भी शामिल है। साथ ही केजरीवाल सरकार का ये स्कूल उत्तराखण्ड स्थित सैनिक स्कूल, घोड़ाखाल(स्थापना 1966) के बाद दूसरे स्थान पर है जहाँ इतनी बड़ी संख्या में बच्चों ने एनडीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

छात्रों ने क्या कहा?

शिक्षा मंत्री के साथ साझा करते हुए छात्रों ने कहा कि स्कूल में मिल रही सुविधाओं से उनके अन्दर ऑफिसर्स जैसी क्वालिटी विकसित हो रही है ये सभी सुविधाएँ कैडेट से सैन्य अफसर बनने के सफर में उनके लिए काफी मददगार साबित हो रही है और परीक्षा के लिए भी इससे उन्हें काफी मदद मिली है।

छात्रों ने बताया कि, स्कूल में लगातार कराए गये मॉक टेस्ट से भी उन्हें एनडीए की परीक्षा की तैयारी में बड़ी मदद मिली है।

14 एकड़ में फैले स्कूल कैंपस में आवासीय सुविधाओं के साथ-साथ छात्रों को सशस्त्र बलों के लिए मिलती है मुफ्त ट्रेनिंग

यह स्कूल पूरी तरह से निःशुल्क है। स्कूल में छात्रों के लिए आवासीय सुविधा भी मौजूद है। स्कूल में बच्चों में ऑफिसर विकसित की जाती है और एनडीए समेत दूसरी आर्म्ड सर्विसेस के लिए बच्चों को तैयार किया जाता है आर्म्ड फोर्सेज में करियर को देश के सबसे सम्मानित और प्रतिष्ठित जॉब्स में से एक माना जाता है। ऐसे विद्यार्थी जो एक्साइटमेंट, एडवेन्चर और चैलेन्जेस भरा करियर विकल्प चुनना चाहते हैं उन्हें अपने प्रोफेशनल एक्सपेक्टेशन को पूरा करने के लिए आर्म्ड फोर्सेज से बेहतर कोई और विकल्प नहीं है। ये छात्रों को इंडियन आर्म्ड फोर्स में करियर बनाकर देश की सेवा करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

आधुनिक सुविधाओं से लैस 14 एकड़ में फैला है यह स्कूल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

20 दिसंबर 2021 को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में संपन्न दिल्ली कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि दिल्ली में एक ऐसा विशेष स्कूल बनाया जाए, जहां पर बच्चों को फौज में भर्ती होने की ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वो एनडीए, नेवी, एयरफोर्स जैसी सेना की सेवाओं में भर्ती हो सकें। एक साल से भी कम समय में दिल्ली सरकार द्वारा इस स्कूल को तैयार कर लिया गया और 27 अगस्त 2022 की मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसका उद्घाटन किया।

यह स्कूल 14 एकड़ में फैला है। सभी सुविधाओं से लैस मॉडर्न स्कूल बनाया गया है। यह स्कूल दिल्ली सरकार के स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस का हिस्सा और दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन से मान्यता प्राप्त है। आवासीय सुविधा के साथ स्कूल में मुफ्त ट्रेनिंग

यह स्कूल पूरी तरह से निःशुल्क है और आवासीय है।

लड़कों और लड़कियों का अलग-अलग हॉस्टल है। स्कूल में बच्चों अंदर फौज में ऑफिसर की जो क्वालिटी होती है, उस स्तर की क्वालिटी विकसित की जाती है। स्कूल में एनडीए समेत दूसरी आर्म्ड सर्विसेस के लिए बच्चों को तैयार किया जाता है। ट्रेनिंग देने के लिए विशेषज्ञ फैकल्टी खासकर सेवानिवृत्त आर्मी या एयरफोर्स ऑफिसर को रखा जाता है। दिल्ली में रहने वाला कोई भी बच्चा 9वीं और 11वीं कक्षा में दाखिला ले सकता है।

वर्तमान में इस स्कूल में कक्षा 9वीं, 10वीं व 12वीं में कुल 237 छात्र एनरॉल्ड है। कक्षा 12वीं में कुल 76 बच्चे एनरॉल्ड है जिनमे से सभी ने एनडीए की परीक्षा दी और इनमें से 32 बच्चों ने लिखित परीक्षा पास की है।

यमुना में पूजा सामग्री व मूर्ति के साथ बहाए जा रहे एनजीटी के आदेश, घाट पर इकट्ठा हुआ कचरा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

यमुना में पूजा सामग्री व मूर्ति के साथ एनजीटी के आदेश भी बहाए जा रहे हैं। गणेश चतुर्थी को धूमधाम और भक्तिभाव से मनाने के बाद भक्त अब भगवान गणेश की मूर्तियों को विसर्जित कर रहे हैं। आईटीओ स्थित घाट से यमुना नदी में खुलेआम मूर्तियों के साथ ही पूजा सामग्रियों का भी विसर्जन किया जा रहा है।

घाट पर नहीं तैनात कोई कर्मी

हैरानी की बात यह कि भक्तों को ऐसा करने से रोकने के लिए एक भी कर्मी तैनात नहीं है और न ही यमुना घाट किनारे कोई कृत्रिम घाट बना हुआ है, जहां भक्त मूर्तियों के साथ पूजा सामग्रियों का विसर्जन कर सकें। ऐसे में लोग यहां सीधे यमुना में मूर्तियों तथा पूजा सामग्री का विसर्जन कर रहे हैं।

कचरे के रूप में इकट्ठा हो रही पूजा सामग्री इसके चलते घाट किनारे दूर तक पूजा सामग्री कचरे के रूप में इकट्ठा है। उसे देखकर लग रहा है कि एक हफ्ते से इन कचरों की भी सफाई नहीं हुई है। वैसे, विकास मार्ग से घाट की ओर बढ़ने पर दिल्ली पुलिस की बैरिकेट्स लगी हुई है, जिससे कोई वाहन आगे घाट पर न जाए, लेकिन वहां कोई पुलिसकर्मी तैनात नहीं है।

ऐसे में लोग वहां गाड़ी रोककर आगे पैदल ही मूर्ति विसर्जन के लिए बढ़ जा रहे हैं। इसी तरह, लोगों को विसर्जन न करने को लेकर जागरूक करने को लेकर घाट पर बैनर भी नहीं लगाए गए हैं। ऐसे में कुछ किशोर 50 से 100 रुपये लेकर यमुना में मूर्ति का विसर्जन कर दे रहे हैं।

यमुना में मूर्ति विसर्जन पर 50 हजार का जुमार्ना मूर्ति विसर्जित करने आए आकाश ने कहा कि उन्हें यहीं अंदाजा था कि यहां कृत्रिम घाट बनाए गए होंगे। इसलिए मूर्ति लेकर आ गए। अब मजबूरी में यमुना में विसर्जन कर जा रहे हैं। एनजीटी ने एक आदेश में यमुना में मूर्ति विसर्जन पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना लगा रखा है।

साथ ही विसर्जन के लिए घाटों पर कृत्रिम घाट बनाने को कहा है, लेकिन यह दोनों आदेश आईटीओ घाट पर नहीं दिखे। जानकारों के मुताबिक कमोबेश इस तरह की स्थिति यमुना के बाकि घाटों की भी है। जहां से मूर्तियों का विसर्जन हो रहा है।

बनाए गए हैं 120 से अधिक कृत्रिम घाट वैसे, पूरी दिल्ली में स्थानीय स्तर पर जिला प्रशासन द्वारा करीब 120 कृत्रिम घाट बनाए गए हैं। पूर्वी दिल्ली के गीता कालोनी में बने एक ऐसे ही पार्क में भक्त श्रद्धाभाव से मूर्ति का विसर्जन कर रहे हैं। नई दिल्ली, मध्य दिल्ली में भी विभिन्न इलाकों में कृत्रिम घाट बनाए गए हैं।

इसी तरह कई भक्त घर में ही पानी भरे टब में मूर्ति का विसर्जन कर रहे हैं। वहीं, कई भक्त विसर्जन के लिए हापुड़ में गढमुक्तेश्वर भी जाने की तैयारी में हैं। इसके लिए टेंपो की बुकिंग भी की जा रही है।

नोएडा हवाई अड्डे को आईएटीए से मिला डीएक्सएन का कूटनाम

नोएडा। विमानन कंपनियों की वैश्विक संस्था आईएटीए ने ग्रेटर नोएडा के जेवर में निमार्णाधीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए तीन अक्षरों वाले कूटनाम (कोडनेम) का आवंटन कर दिया है। हवाई अड्डे की मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) किरण जैन ने बयान में कहा कि अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए डीएक्सएन कूटनाम आवंटित किया है। दुनियाभर में करीब 300 एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करने वाला आईएटीए किसी हवाई अड्डे की विशिष्ट पहचान को सुनिश्चित करने के लिए तीन अक्षर का कूटनाम जारी करता है। इस कूटनाम से उड़ानों के परिचालन एवं मार्ग निर्धारण में सहूलियत होती है। नोएडा हवाई अड्डे के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) क्रिस्टॉफ श्नेलमैन ने कहा कि डीएक्सएन का कूटनाम इस हवाई अड्डे की दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं नोएडा के साथ नजदीकी को परिलक्षित करता है। आईएटीए से जुड़ी एयरलाइंस दुनिया के कुल हवाई यातायात के करीब 83 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करती हैं। दिल्ली से सटे गौतम बुद्ध नगर जिले में ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के जेवर में यह हवाई अड्डा विकसित किया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का परिचालन शुरू होने पर दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का बोझ कम करने और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों को सहूलियत मिलने की उम्मीद है।

नोएडा में पार्ट टाइम नौकरी का झांसा देकर दो महिलाओं से 21.50 लाख रुपये की ठगी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पार्ट टाइम नौकरी कर घर बैठे लाखों रुपये कमाने का झांसा देकर साइबर जालसाजों ने दो महिलाओं से 21.50 लाख रुपये की ठगी की। पीड़ित महिलाओं ने मामले की शिकायत साइबर अपराध थाने में की है। साइबर अपराध थाने की थाना प्रभारी निरीक्षक रीता यादव ने बताया कि शिकायत में बरौला निवासी अलका सक्सेना ने कहा है कि बीते दिनों पार्ट टाइम नौकरी के संबंध में उनके टेलीग्राम आईडी पर एक मैसेज आया था, जिसमें एक से तीन हजार रुपये रोजाना मुनाफा कमाने की बात कही गई थी। महिला ने बताया कि संबंधित ऐप से जुड़ने और मुनाफा कमाने के लिए जालसाजों ने साढ़े दस हजार रुपये जमा करने की बात कही। इस पर महिला ने पति और खुद के खाते से यह रकम जालसाजों द्वारा बताए गए खाते में हस्तांतरित कर दी। शुरू में उसे 27 हजार रुपये का मुनाफा भी हुआ। इसके बाद जालसाजों ने महिला को प्रीपेड टास्क के तहत निवेश पर चार गुना मुनाफा कमाने का झांसा दिया और उनके खाते में रकम हस्तांतरित करने को कहा, जिस पर महिला ने अलग अलग मौकों पर जालसाजों द्वारा बताए गए खाते में कुल 11 लाख 19 हजार 845 रुपये हस्तांतरित कर दिए।

महिला ने बताया कि और पैसे निवेश करने का दबाव बनाए जाने पर उसे ठगी का अंदेशा हुआ। पैसे वापस मांगने पर जालसाजों ने महिला को टेलीग्राम ग्रुप से बाहर कर दिया। इसी तरह की एक घटना में सेक्टर-73 स्थित वेलिंग्टन एमराल्ड अपार्टमेंट निवासी एक महिला से 10 लाख 32 हजार 900 रुपये की ठगी का मामला सामने आया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत में चार्ली मरियम्मा नामक महिला ने बताया कि बीते दिनों उसे व्हाट्सऐप पर एक संदेश मिला था जिसमें पार्ट टाइम नौकरी के नाम पर दो से तीन गुना मुनाफा कमाने की बात कही गई थी। मंजूरी मिलने के बाद जालसाजों ने शिकायतकर्ता को एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ दिया। उन्होंने बताया कि महिला को जालसाजों ने कुल 25 टास्क दिए और प्रतिदिन पांच टास्क पूरा करने को कहा। टास्क के तहत महिला ने पहले चरण में दस हजार रुपये का निवेश किया जिसपर उसे दो हजार 600 रुपये का मुनाफा हुआ और रकम खाते में आ गई। बाद में भी कई चरण तक मुनाफे की रकम शिकायतकर्ता के खाते में आती रही। इसके बाद और अधिक मुनाफा होने की बात कहकर जालसाजों ने महिला से कई बार में दस लाख से ज्यादा की रकम हस्तांतरित करा लिया और उसे ग्रुप से बाहर कर दिया।

पावर ब्रोकर्स को खत्म करना सरकार की बड़ी उपलब्धि : धनखड़

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को पिलानी आए। यहां हेलीपैड पर बिट्स वाइस चांसलर प्रो. वी. रामगोपाल राव, डायरेक्टर प्रो. सुधीर कुमार बरई, जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव और एसपी श्याम सिंह आदि ने उनका स्वागत किया। हेलीपैड पर गार्ड ऑफ ऑनर के बाद उपराष्ट्रपति को बिट्स कैंपस ले जाया गया। जहां बिट्स ऑडिटोरियम में वे संस्थान के स्टाफ, फैकल्टी और स्टूडेंट्स से रूबरू हुए और उनसे बातचीत की। छात्रों का हौसला बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि फेल्योर से मत डरो और प्रयास करने से पीछे मत हटो, क्योंकि आज तक किसी भी तरह की उपलब्धि, अनुसंधान या अविष्कार बिना फेल्योर के पूरा नहीं हुआ। बिट्स के स्टूडेंट्स से उन्होंने कहा कि इस इंस्टीट्यूट की स्थापना देश को बदलने के लिए हुई है। यहां अध्ययन कर रहे सभी स्टूडेंट्स को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि वे आज उस संस्थान में पढ़ रहे हैं, जिसका उद्देश्य व्यावसायिक या लाभ कमाना नहीं है। उपराष्ट्रपति ने अपनी जन्मभूमि को याद करते हुए कहा कि मेरा जन्म स्थान किठाना है। हालांकि मेरा असली जन्म सैनिक स्कूल में पढ़ने के दौरान हुआ।

केन्द्रीय मंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल और तत्कालीन राज्यसभा सांसद केके बिरला को याद करते हुए उन्होंने कहा कि बिट्स से उनका रिश्ता तीन दशक से अधिक पुराना है। अपने उद्बोधन में उपराष्ट्रपति ने मौजूदा दौर में देश की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि देश अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। उन्होंने कहा कि उन अंग्रेजों को पछाड़ कर हम महाशक्ति बने हैं जिन्होंने हम पर सैंकड़ों साल तक राज किया। इस दशक के अन्त तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जायेगा। प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अफ्रीकन यूनियन को जी 20 में शामिल करना, भारत-मिडिल ईस्ट-यूरोप कॉरिडोर देश की तरक्की के लिए गेम चेंजर साबित होगा। वर्ल्ड बैंक के चेयरमैन ने जी 20 सम्मेलन में कहा कि बीते पांच साल में जो आर्थिक तरक्की की है वो 47 साल में भी सम्भव नहीं थी। उन्होंने बताया कि देश का डिजिटल ट्रांजेक्शन यूएसए, यूके, जर्मनी आदि विकसित देशों से 4 गुना ज्यादा है। डाटा खपत चीन और यूएसए से ज्यादा है। स्टार्ट अप्स और यूनिकॉर्न आज चीन से ज्यादा है। सरकारी काम-काज में पावर कॉकस खत्म हो चुका है। अब दलाल, बिचौलिये, कमीशन और कट के बिना सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में सरकार की योजनाओं का पैसा ट्रांसफर हो रहा है। किसानों के खातों में सीधे पैसा जा रहा है और दुनिया इस परिवर्तन को देख कर चकित है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि हम इतिहास के उस काल खंड में हैं, जहां सब कुछ मुमकिन करने की सोच काम कर रहा है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करने के अलावा विपक्ष पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों का हाजमा देश का विकास देख कर बिगड़ क्यों जाता है? अपनी बात कहने के लिए, जगह बनाने के लिए दुनिया का चक्कर लगाते हैं। अब कहीं न कहीं कोई तो सुनने वाला मिलेगा ही लेकिन इसका जवाब देश की जनता को देना है। पावर ब्रोकर्स को खत्म करना देश की सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है।

बिट्स प्रबंधन और स्टूडेंट्स को सरप्राइज देते हुए उपराष्ट्रपति ने अपने सम्बोधन के दौरान मंच से तीन घोषणाएं कीं। पहली इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर, जिसके उपराष्ट्रपति खुद अध्यक्ष हैं, और बिट्स के बीच एक एमओयू साइन होगा, जिसका मसौदा बाद में तय किया जाएगा, दूसरी बिट्स के 50 से 100 स्टूडेंट्स उपराष्ट्रपति के गेस्ट के रूप में भारत मंडपम, यशोभूमि, नया संसद भवन, प्रधानमंत्री म्यूजियम और वॉर मेमोरियल जायेंगे और तीसरी विंटर सेशन में बिट्स के पांच स्टूडेंट्स राज्यसभा की कार्यवाही में उपराष्ट्रपति को असिस्ट करेंगे।केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने चंद्रयान 3, जी 20, नारी शक्ति वंदन आरक्षण बिल का उल्लेख करते हुए सरकार की उपलब्धियां बताईं। महिलाओं आरक्षण पर बोलते हुए मेघवाल ने राज्यसभा के सभापति के रूप में उप राष्ट्रपति की भूमिका को सराहनीय बताया। कार्यक्रम में झुंझुनू सांसद नरेन्द्र खीचड़, सूरजगढ़ विधायक सुभाष पूनिया, जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरी, विद्या विहार पालिकाध्यक्ष कमलेश रणवा सहित बड़ी संख्या में बिट्स स्टाफ, स्टूडेंट्स, प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट की अन्य पीठ तीन अक्टूबर को चंद्रबाबू नायडू की याचिका पर करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय की एक नई पीठ तीन अक्टूबर को कौशल विकास निगम घोटाला मामले में प्राथमिकी रद्द करने की तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू की याचिका पर सुनवाई करेगी। इससे पहले, बुधवार को न्यायाधीश एस.वी.एन. भट्टी ने मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। मामला जैसे ही सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति भट्टी की पीठ के सामने आया, न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा, मेरे सहयोगी को इस मामले की सुनवाई में थोड़ी कठिनाई है। हम इसे अगले सप्ताह किसी अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने का निर्देश दे रहे हैं। इसके बाद नायडू की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने तुरंत मामले का उल्लेख प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की पीठ के समक्ष किया। प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, हम इस मामले को मंगलवार (तीन अक्टूबर) को अन्य पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे। पीठ ने स्पष्ट किया कि वह निचली अदालत के न्यायाधीश को तेदेपा प्रमुख की पुलिस हिरासत संबंधी याचिका पर विचार करने से नहीं रोक सकती।

बुजुर्गों को स्वस्थ, सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आवश्यक सहायता मिले: सौरभ गर्ग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सचिव सौरभ गर्ग ने बुधवार को कहा कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि हमारी बुजुर्ग आबादी को स्वस्थ, सम्मानजनक और पूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक देखभाल और सहायता मिले। श्री गर्ग ने यहां इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 रिपोर्ट जारी करने के मौके पर कहा, यह रिपोर्ट इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक बेहतर रोडमैप प्रदान करती है और मैं सभी हितधारकों से इसकी सिफारिशों को लागू करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह करता हूं।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की भारत प्रतिनिधि और भूटान की कंट्री निदेशक एंड्रिया वोज्नार ने इस अवसर पर कहा, यह व्यापक रिपोर्ट विद्वानों, नीति निमार्ताओं, कार्यक्रम प्रबंधकों और बुजुर्गों की देखभाल में शामिल सभी हितधारकों के लिए एक मूल्यवान संसाधन है। वृद्ध व्यक्तियों ने समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और वे अपनी भलाई सुनिश्चित करने के लिए हमारे सर्वोत्तम प्रयासों से कम के हकदार नहीं हैं।

रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्षों में बुजुर्गों की भलाई से संबंधित कई विश्लेषण हैं, जिनमें वरिष्ठ नागरिकों की बेहतर स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वृद्धावस्था देखभाल में वृद्धि शामिल हैं। बुजुर्ग आबादी के स्वास्थ्य, वित्तीय सशक्तीकरण और क्षमता निर्माण की जरूरतों को संबोधित करने वाली कई सरकारी योजनाएं और नीतियां भी इसमें शामिल हैं।

रिपोर्ट में भारत में वृद्ध व्यक्तियों की जीवन स्थितियों और कल्याण की गहन समीक्षा के भी विवरण हैं। यह रिपोर्ट भारत में बुजुर्गों की देखभाल से जुड़ी चुनौतियों, अवसरों और संस्थागत प्रतिक्रियाओं पर भी प्रकाश डालती है। भारत बढ़ती आबादी के कारण जनसांख्यिकीय बदलाव की ओर बढ़ रहा है।

विफलताएं अंतरिक्ष क्षेत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं: सोमनाथ

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने बुधवार को कहा कि विफलताएं अंतरिक्ष क्षेत्र का एक बहुत ही स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन इसके लिए अंतरिक्ष एजेंसी में किसी भी व्यक्ति को दंडित नहीं किया जाता है जिससे वैज्ञानिक निर्णय लेने में नये दृष्टिकोण अपनाने के वास्ते प्रोत्साहित होते हैं। अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर सोमनाथ ने कहा कि यहां तक कि उन्हें भी कई बार असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन कभी भी उनके वरिष्ठों ने इसके लिए उनकी आलोचना नहीं की। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि विफलताओं के लिए किसी एक व्यक्ति को दंडित न किया जाए क्योंकि कोई भी निर्णय किसी एक व्यक्ति द्वारा नहीं लिया जाता है। ये सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिये जाते हैं। सोमनाथ ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में यह स्पष्ट समझ होती है कि एक व्यक्ति हर चीज को नहीं समझ सकता है और इसलिए सामूहिक निर्णय लिये जाते हैं। उन्होंने कहा, तो, सामूहिक निर्णय का मतलब है कि विफलताओं की जिम्मेदारी भी आपकी है। प्रबंधन की जिम्मेदारी है, और इसके लिए कोई एक व्यक्ति जिम्मेदार नहीं है। अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख ने कहा, इसलिए, लोग एक नया दृष्टिकोण अपनाने या निर्णय लेने के लिए साहसी होते हैं।

जीवन साथी को बच्चे के प्यार से वंचित करना क्रूरता के समान: अदालत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अलग रह रहे एक जोड़े के तलाक को बरकरार रखते हुए कहा है कि पति या पत्नी में से किसी एक द्वारा दूसरे जीवनसाथी को बच्चे के प्यार से वंचित करना मानसिक क्रूरता के समान है।

अदालत ने पारिवारिक अदालत के 2018 के उस आदेश के खिलाफ पत्नी की अपील खारिज कर दी जिसमें उसने तलाक मंजूर किया था। अदालत ने कहा कि मौजूदा मामले में, बेटी पूरी तरह से अलग-थलग हो गई और उसका इस्तेमाल पति के खिलाफ किया गया जो सेना के एक अधिकारी हैं। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने हाल के एक आदेश में कहा, पारिवारिक अदालत के प्रधान न्यायाधीश सही निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि बच्ची का इस तरह से अलगाव एक पिता के प्रति मानसिक क्रूरता का चरम कृत्य है, जिसने बच्ची की कभी उपेक्षा नहीं की।

अदालत ने कहा कि कलह और विवाद दम्पति के बीच था, जिन्होंने 1996 में हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह किया था और रिश्ते में कितनी भी कड़वाहट क्यों न हो, बच्चे को इसमें लाना या उसका इस्तेमाल पिता के खिलाफ करना उचित नहीं है।

अदालत ने कहा, माता-पिता में किसी एक के द्वारा दूसरे को इस तरह के प्यार से वंचित करने का कोई भी कार्य बच्चे को अलग-थलग करने के समान है, यह मानसिक क्रूरता के समान है।ङ्क अपने स्वयं के बच्चे द्वारा अस्वीकार करने से अधिक कष्टदायी कुछ भी नहीं हो सकता। बच्चे को इस तरह जानबूझकर अलग थलग करना मानसिक क्रूरता के समान है।

अदालत ने पति द्वारा रोजाना शराब पीने के संबंध में अपीलकर्ता पत्नी की आपत्तियों को भी खारिज कर दिया और कहा, सिर्फ इसलिए कि कोई व्यक्ति रोजाना शराब पीता है, वह शराबी नहीं बन जाता या उसका चरित्र खराब नहीं हो जाता जब तक कि कोई अप्रिय घटना नहीं हुई हो।

अदालत ने कहा कि कार्यस्थल पर मित्र बनाने को भी क्रूरता नहीं कहा जा सकता, जब दोनों पक्ष काम की जरूरतों के कारण अलग-अलग रह रहे हों। पत्नी ने आरोप लगाया कि जब भी वह उससे मिलने जाती थी तो पति गुमसुम रहता था और हमेशा अपने दोस्तों के साथ फोन पर व्यस्त रहता था, जिनमें महिला-पुरुष दोनों शामिल थे। पति ने पारिवारिक अदालत के समक्ष कई आधारों पर अपनी पत्नी से तलाक मांगा था। इसमें शामिल था कि सेना का एक अधिकारी होने के नाते, उसकी तैनाती विभिन्न स्थानों पर होती थी लेकिन उसने कभी भी उसके कार्यस्थल पर उससे मिलने आने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखायी और उसे अपनी बेटी से घुलने मिलने नहीं दिया।

उन्होंने दावा किया कि पत्नी पुणे चली गई और पिता और बच्ची के बीच किसी भी संपर्क को खत्म करने के लिए बेटी को दिल्ली के स्कूल से हटा लिया। पति ने आरोप लगाया कि पत्नी ने जून 2008 में एकतरफा तौर पर साथ रहना बंद कर दिया और सैन्य अधिकारियों के समक्ष झूठी शिकायतें कीं और उसके खिलाफ निंदनीय आरोप लगाए। अदालत ने क्रूरता के आधार पर तलाक बरकरार रखा है।

अल्बर्ट आइंस्टीन के हस्ताक्षर वाली पाण्डुलिपि 10.70 करोड़ में बिकी

नई दिल्ली। भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन के हस्ताक्षर वाली एक दुर्लभ पाण्डुलिपि की नीलामी 10.70 करोड़ रुपये में हुई। इस पाण्डुलिपि में अल्बर्ट आइंस्टीन द्वारा विशेष सापेक्षता के सिद्धांत (1905) और सामान्य सापेक्षता (1915) समेत विज्ञान में उनके प्रसिद्ध योगदान के विकास यात्रा का उल्लेख किया गया है। यह नीलामी 23 सितंबर को चीन के वाल्डोर्फ एस्टोरिया शंघाई में आयोजित की गई थी। यह पाण्डुलिपि पहली बार तीन फरवरी, 1929 को न्यूयॉर्क टाइम्स के एक विशेष पूरक में प्रकाशित हुई थी, 14 पृष्ठों वाली यह पाण्डुलिपि जर्मन भाषा में लिखी गई है। आइंस्टीन को विज्ञान में उनके दो सबसे प्रसिद्ध योगदानों विशेष सापेक्षता के सिद्धांत (1905) और सामान्य सापेक्षता के सिद्धांत (1915) के लिए जाना जाता है।

G20 उत्तर रेलवे 75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई-निविदा (ई-प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल मे ई-निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम : एडीईएन/डी

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, गुरूवार, 28 सितंबर, 2023

केजरीवाल सरकार ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जन्मदिन पर शहीद उत्सव का आयोजन कर स्वतंत्रता सेनानियों को किया याद

- युवाओं को नई राह दिखाने के लिए भगत सिंह के विचार कल भी जिंदा थे, आज भी जिंदा हैं और कल भी जिंदा रहेंगे- गोपाल राय
- देश की आजादी में स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान अतुलनीय है -गोपाल राय
- त्यागराज स्टेडियम में आयोजित शहीद दिवस कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आर. माधवन को किया गया सम्मानित

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार द्धारा भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और संघर्ष को याद करने और अमर शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर उनका सम्मान करने के लिए त्यागराज स्टेडियम में शहीद उत्सव का आयोजन में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि दिल्ली के पर्यावरण एवं सामान्य प्रशासन मंत्री श्री गोपाल राय रहे। समारोह में अमर शहद भगत सिंह के छोटे भाई की पोती अनुष प्रिया संधु, स्वतंत्रता सेनानी और शहीदों के परिवार एवं बड़ी संख्या में स्कूल-कॉलेज के छात्र शामिल हुए । इस अवसर पर सामान्य प्रशासन मंत्री गोपाल राय ने कहा कि हमारे युवाओं को शहीद भगत सिंह के विचारों से परिचित होना चाहिए। युवाओं को नई राह दिखाने के लिए भगत सिंह के विचार कल भी जिंदा थे, आज भी जिंदा हैं और भविष्य में भी जिंदा रहेंगे। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में स्वतंत्रता सेनानियों का योगदान अतुलनीय है। इस दौरान कलाकारों ने अमर शहीद भगत सिंह के जीवन पर नाटक का मंचन भी किया।

पर्यावरण एवं सामान्य प्रशासन मंत्री गोपाल राय ने स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान के बारे बताते हुए कहा कि हमारे युवाओं को शहीद भगत सिंह के विचारों से परिचित होना चाहिए। उन्होंने समाज, कृषि और इतिहास के मुद्दों पर भी प्रकाश डाला और कहा कि हमें शहीद भगत सिंह से बहुत कुछ सीखना चाहिए, क्योंकि वह हमेशा समानता, शिक्षा के महत्व, भाषाओं और पूर्ण स्वतंत्रता की बात करते थे। श्री राय ने कहा कि शहीद उत्सव एक अनूठी पहल है, जिसमें हमारे स्वतंत्रता संग्राम के नायकों को याद किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आर. माधवन को भी सम्मानित किया गया।

सामान्य प्रशासन मंत्री गोपाल राय ने बताया कि स्वतंत्रता सेनानियों ने समय-समय पर निरंतर अंग्रेजों के साथ संघर्ष किया और भारत को आजाद करवाया। आज हम केवल स्वतंत्रता सेनानियों के महत्वपूर्ण योगदान की वजह से खुली हवा में सांस ले रहे हैं, जिन्होंने देश को आजाद करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। आज हमारी सरकार ने इन्ही सेनानियों को याद करते हुए इस शहीद उत्सव का आयोजन किया है।

मंत्री गोपाल राय ने कहा कि भारत विश्व गुरू बन सकता है और हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों के सपने का भारत बना सकते है, लेकिन आज लोगों के दिलों में एक-दूसरे के प्रति नफरत पैदा करके उन्हें अलग करने का काम किया जा रहा है। हम सबको मिलकर इससे लड़ना पड़ेगा और यह लड़ाई हथियारों से नहीं बल्कि विचारों से लड़ना पड़ेगा।

संपत्ति कर का बोझ बढ़ाने के विरोध में भाजपा कर रही आंदोलन की तैयारी: रामवीर सिंह बिधूड़ी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि दिल्ली नगर निगम में सत्ता में आने के बाद आम आदमी पार्टी जनता पर लगातार बोझ डाल रही है।

पहले संपत्ति कर बढ़ाया गया। गांवों में संपत्ति कर लगाया गया। अब बिल्डिंग प्लान पर क्षतिपूर्ति शुल्क लगाकर जनता पर बोझ बढ़ा दिया गया है। आम आदमी पार्टी ने नगर निगम चुनाव में संपत्ति कर कम करने और गांवों को इससे मुक्त रखने का वादा किया था। इसके विपरीत अब कर का बोझ बढ़ाया जा रहा है। गांवों में संपत्ति कर लगाने का किसान विरोध कर रहे हैं। निगम नहीं दे रही गांववालों की मांग पर ध्यान नगर निगम उनकी मांग पर ध्यान नहीं दे रही है। भाजपा इसका विरोध करती है और किसानों के साथ आंदोलन करेगी। बिधूड़ी ने कहा कि मूल्यांकन समिति की रिपोर्ट को भाजपा ने सत्ता में रहते हुए नगर निगम में लागू नहीं किया। आम आदमी पार्टी ने इस रिपोर्ट को लागू करते हुए संपत्ति कर बढ़ा दिया है। इससे दिल्ली के कई क्षेत्रों में कर में कई गुना की बढ़ोतरी हो गई। बिल्डिंग प्लान में क्षति पूर्ति शुल्क लगाने से दक्षिण और पूर्वी दिल्ली में मकान बनाना महंगा किया जा रहा है।

केजरीवाल की 10 गारंटी नहीं हुई पूरी उत्तरी क्षेत्र में पहले ही यह शुल्क लग चुका है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नगर निगम चुनाव में दस गारंटी दी थी लेकिन, सत्ता में आने के दस माह बाद भी उसे पूरा नहीं किया गया। न दिल्ली में कूड़े के पहाड़ समाप्त हुए और न पार्किंग की समस्या हल करने के लिए कदम उठाए गए।

बेसहारा पशुओं की समस्या बनी हुई है। दिल्ली की सड़कों का बुरा हाल है। दिल्ली के पार्कों का कायाकल्प करने और व्यापारियों की समस्या दूर करने और रेहड़ी-पटरी के लिए वेंडिंग जोन बनाने का वादा भी पूरा नहीं हुआ।

हापुड़ पुलिस ने दिल्ली के दो शातिरों को पकड़ा, कैंसिल चेक को इस तरह करते यूज कि बैंक खाता हो जाता खाली

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

सस्ती दरों पर लोन दिलाने का झांसा देकर भोले-भाले लोगों से बैंक और दस्तावेज मंगवाकर उनमें छेड़छाड़ कर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का थाना पिलखुवा पुलिस व सर्विलांस टीम ने पदार्फाश किया है। संयुक्त टीम ने धौलाना कट के पास से गिरोह के दो शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

आरोपी लोन लेने के लिए तैयार होने वाले लोगों से कैंसिल लिखवा कर बैंक चैक ले लेते थे। पेंट रिमूवर लिक्विड (स्याही हटाने वाला तरल पदार्थ) के जरिए कैंसिल शब्द हटाकर बैंक चेक पर रुपये और अपना खाता नंबर लिख देते थे। इसके बाद चेक से भुगतान प्राप्त कर लोगों को चूना लगाते थे। 17 लाख की कर चुके हैं ठगी दिल्ली-एनसीआर सहित कई राज्यों के जिलों में रहने वाले लोगों से आरोपी लगभग 17 लाख रुपये की ठगी कर चुके हैं। आरोपियों के पास 25 बैंक चेक, 900 रुपये, पांच डेबिट कार्ड, पांच मोबाइल, एक बोतल पेंट रिमूवर लिक्विड, एक कॉटन रोल और एक लग्जरी कार बरामद हुई है। दिल्ली के रहने वाले हैं आरोपी गिरफ्तार आरोपी दिल्ली के थाना विजय बिहार का मनोज और नार्थ वेस्ट दिल्ली के यू-ब्लाक मंगोलपुरी का नील है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गिरोह से जुड़े अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है।

बदमाशों के आगे दिल्ली पुलिस पस्त, एक और ज्वेलरी शॉप में बड़ी लूट

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के समयपुर बादली थाना इलाके में एक ज्वैलरी की दुकान से 50 लाख की लूट सामने आई है। लिबासपुर के लेबर चौक स्थित श्रीराम ज्वैलर्स की दुकान में बुधवार दोपहर हेलमेट पहनकर आए हथियारबंद बदमाशों ने लूटपाट की।

हथियारबंद बदमाशों ने दुकान के बाहर फायरिंग भी की। दुकान के मालिक ने बताया कि दोपहर एक बजकर 20 मिनट पर दुकान में छह लोग थे। तभी हेलमेट पहनकर व हाथों में पिस्टल लेकर तीन युवक आए। उन्होंने दुकान के बाहर फायरिंग की। इसके बाद बदमाश करीब 50 लाख रुपये की 800 ग्राम के सोने के गहने लेकर फरार हो गए। उन्होंने दुकान के बाहर फायरिंग भी की। तीनों आरोपितों की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है। समयपुर बादली थाना पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

ड्राइवर ने अचानक लगाए ब्रेक तो डंपर के पीछे जा घुसी बाइक, दो युवकों की मौके पर मौत

नोएडा, प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर डंपर और बाइक टक्कर में दो युवकों की मौत के मामले में पुलिस ने डंपर नंबर के आधार पर अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस डंपर चालक की तलाश में जुट गई है। बता दें कि 2 सितंबर को नोएडा -ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर सेक्टर-142 के पास गाजीपुर दिल्ली के रहने वाले अरविंद, नीरज और रजनीश तीन दोस्त ऑफिस की छुट्टी होने के बाद अपने दोस्त दीपक निवासी सेक्टर-143 जा रहे थे। तीनों नोएडा की एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करते थे। डंपर लगा दिए अचानक ब्रेक एक्सप्रेस-वे की सर्विस रोड पर बाइक के सामने चल रहे डंपर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। उनकी बाइक डंपर में पीछे घुस गई। हादसे में अरविंद और नीरज की उपचार के दौरान मौत हो गई। जबकि रजनीश की हालत अभी गंभीर बनी हुई है। चालक की तलाश में पुलिस अब मृतक अरविंद कुमार के पिता विनोद कुमार ने डंपर नंबर के आधार पर अज्ञात ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस अज्ञात चालक की तलाश में जुटी है।

नोएडा में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से माली की मौत

नोएडा। बीटा-दो थाना क्षेत्र में जेपी ग्रीन्स गोल्फ कोर्स में काम करने वाले एक माली की एक अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। बीटा-दो के थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि मैनपुरी जिले के निवासी धनंजय सिंह ने मंगलवार रात को इस संबंध में थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट के अनुसार, सिंह ने कहा कि उनकी बुआ का लड़का पंकज जेपी गोल्फ कोर्स में माली की नौकरी करता था। पंकज मूल रूप से मैनपुरी जिले का निवासी था और तुगलपुर गांव में रहता था। रिपोर्ट के अनुसार, सिंह ने बताया कि 26 सितंबर को पंकज जेपी ग्रीन गोल्फ कोर्स में साइकिल से ड्यूटी पर जा रहा था, तभी पी-3 गोल चक्कर के पास एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। थाना प्रभारी ने बताया कि इस घटना में पंकज की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चोरी के संदेह में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

पूर्वोत्तर दिल्ली के सुंदर नगरी इलाके में चोरी के संदेह में कुछ लोगों ने 26 वर्षीय एक युवक की कथित तौर पर खंभे से बांधकर पिटाई की, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार सुबह इलाके के जी-4 ब्लॉक में हुई। पुलिस उपायुक्त (पूर्वोत्तर) जॉय टिर्की ने कहा, सुंदर नगरी निवासी फल विक्रेता अब्दुल वाजिद (60) ने शिकायत दर्ज कराई कि चोरी के संदेह में कुछ लोगों द्वारा हमला किए जाने के बाद उनके बेटे इसार की मौत हो गई।

उपायुक्त ने वाजिद के हवाले से बताया कि मंगलवार शाम जब वह अपने घर पहुंचे तो देखा कि उनका बेटा बाहर पड़ा दर्द से कराह रहा है। उसके पूरे शरीर पर चोट के निशान थे।

टिर्की के मुताबिक, इसार ने अपने पिता को बताया कि सुबह करीब पांच बजे कुछ युवकों ने जी-4 ब्लॉक के पास उसे पकड़ लिया और उस पर चोरी का आरोप लगाया। इसके बाद उन्होंने उसे एक खंभे से बांध दिया और लाठियों से उसकी पिटाई की। उन्होंने बताया कि हमलावर जी-4 ब्लॉक के पास रहते थे। उन्होंने कहा, इसार का पड़ोसी आमिर उसे रिक्शे में घर ले आया और शाम करीब सात बजे उसने दम तोड़ दिया। उपायुक्त ने कहा, वाजिद ने पुलिस को सूचित किया और शव को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां शव परीक्षण किया जाएगा। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और इसार पर हमला करने वाले लोगों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने नीट-पीजी 2023 की अर्हता शून्य परसेंटाइल करने को लेकर केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) की काउंसलिंग के लिए कट ऑफ के वास्ते आवश्यक अंक (कट ऑफ क्वालीफाइंग परसेंटाइल) को घटाकर शून्य करने के खिलाफ दायर की गयी याचिका पर केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने मेडिकल काउंसलिंग कमेटी से उन तीन डॉक्टरों द्वारा दायर याचिका पर जवाब देने को भी कहा, जो पांच मार्च को नीट-पीजी 2023 की परीक्षा में शामिल हुए और काउंसलिंग में भाग लिया। एमबीबीएस डॉक्टरों ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के 20 सितंबर के उस आदेश को चुनौती दी है जिसके द्वारा उम्मीदवारों को मौजूदा दाखिला सत्र के बीच नीट-पीजी 2023 के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के अर्हता परसेंटाइल में कमी के बारे में सूचित किया गया था।

अधिवक्ता तन्वी दुबे के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया, ह्यह्लअभ्यर्थी यह जानकर हैरान रह गए कि अर्हता परसेंटाइल को घटाकर शून्य परसेंटाइल कर दिया गया है, यानी सभी श्रेणियों में माइनस 40 अंक।

याचिकाकताओं ने तर्क दिया कि सरकार का आदेश गलत और कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण है और इसे रद्द किया जाना चाहिए।

याचिका के मुताबिक, पात्रता मानदंड को घटाकर शून्य परसेंटाइल यानी माइनस 40 अंक करने से नीट-पीजी परीक्षा आयोजित करने का मूल उद्देश्य ही विफल हो गया है। इसमें कहा गया है कि यदि पात्रता के भागफल को ही कमजोर कर दिया जाए तो यह राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के पूरे उद्देश्य को भी धूमिल कर देता है। आक्षेपित आदेश के पारित होने का मतलब होगा कि उत्तरदाताओं ने सीट भरने को महत्व दिया है, भले ही यह कुछ मानकों का त्याग करने के समान हो। उच्चतम न्यायालय ने 25 सितंबर को काउंसलिंग के लिए कट ऑफ क्वालिफाइंग परसेंटाइल को घटाकर शून्य करने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया था।

अडाणी मामले में अनिच्छा से जांच कर रही है सेबी: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अडाणी समूह से संबंधित मामले में एक ताजा रिपोर्ट का हवाला देते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) इस मामले में अनिच्छा से जांच कर रहा है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अडाणी समूह से संबंधित मामले की सच्चाई संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की जांच से ही सामने आ सकती है। उन्होंने एक खबर का हवाला दिया जिसमें यह दावा किया गया है कि अडाणी समूह की एक कंपनी में निवेश करने वाले एक कोष (फंड) का स्वामित्व सिंगल पर्सन फर्म के पास है।

अमेरिकी कंपनी हिंडनबर्ग रिसच द्वारा अडाणी समूह के खिलाफ अनियमितताओं और स्टॉक मूल्य में हेरफेर का आरोप लगाए जाने के बाद से कांग्रेस इस कारोबारी समूह पर निरंतर हमलावर है और आरोपों की जेपीसी से जांच कराए जाने की मांग कर रही है। अडाणी समूह ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए गए सभी आरोपों से इनकार किया था और उसका कहना था कि उसकी ओर से कोई गलत काम नहीं किया गया है। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, अडाणी से जुड़ा एक नया खुलासा सामने आया है। उसकी एक अन्य शेल कंपनी को मई 2019 में दुबई में सिंगल पर्सन कंपनी के रूप में स्थापित किया गया था जो अडाणी पावर में 8,000 करोड़ रुपये की इक्विटी को नियंत्रित करती है। इस खुलासे से अडाणी की शेल कंपनियों के गैरकानूनी कार्यों की दुर्गंध और ज्यादा तेज हो गई है।

उन्होंने सवाल किया, दुबई में स्थित एक सिंगल पर्सन फर्म भारत की सबसे बड़ी निजी बिजली उत्पादक कंपनी अडाणी पावर में 8,000 रुपए मूल्य की 4.7 प्रतिशत हिस्सेदारी को कैसे नियंत्रित कर सकती है? क्या यह कंपनी, अडाणी का ही एक और मुखौटा नहीं है जो अवैध राउंड-ट्रिपिंग और भारतीय प्रतिभूति कानूनों का खुलेआम उल्लंघन कर रहा है?

रमेश ने पूछा, सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर यह किसके फंड हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि सेबी द्वारा बिना किसी उत्साह के और अनिच्छा से की जा रही जांच से कोई जवाब मिलता नहीं दिख रहा है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, आगे का एकमात्र रास्ता जेपीसी है, जो अडाणी महाघोटाले के पीछे की पूरी कहानी की जांच करने में सक्षम होगी।

आधी आबादी के लिए न्याय आवश्यक: धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को एक युगांतकारी करार देते हुए बुधवार को कहा कि जब तक 50 प्रतिशत मानवता के लिए न्याय सुनिश्चित नहीं किया जाता तब तक समाज का विकास नहीं हो सकता।

श्री धनखड़ ने आज राजस्थान में बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स) पिलानी के छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने महिलाओं को विधानसभाओं और लोकसभा में एक तिहाई आरक्षण देने के विधेयक का उल्लेख करते हुए कहा कि यह महिलाओं के अधिकारों की मान्यता और उनके अधिकार की पुष्टि है।

श्री धनखड़ ने आम जनता के जीवन को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा को सबसे प्रभावी और प्रभावशाली यंत्र बताया और कहा कि इससे भारत के विकास में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जवाबदेही और नागरिक भागीदारी के महत्व को सुदृढ़ करते हुए प्रत्येक नागरिक को संसद में याचिका प्रस्तुत करने का अधिकार है।

उन्होंने कहा कि जी-20 सदस्य के रूप में अफ्रीकी संघ को शामिल करना भारत के सभ्यतागत लोकाचार के साथ गहराई से मेल खाता है। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) पर हस्ताक्षर को वैश्विक गेमचेंजर बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की भूमिका ने ग्लोबल साउथ को विश्व मंच पर एक मजबूत आवाज दी है।. भ्रष्टाचार को लोकतंत्र और विकास का हत्यारा करार देते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि हाल के वर्षों में, सत्ता के दलालों के प्रभाव वाले सत्ता गलियारों को बेअसर करने के लिए महत्वपूर्ण प्रगति की गई है। कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है। उन्होंने लोगों से भारतीय संस्थानों को कलंकित करने, बदनाम करने और कमजोर करने वाले भारत विरोधी वक्तव्यों का सक्रिय रूप से मुकाबला करने का आह्वान किया।

आईपी यूनिवर्सिटी के बीएएमएस और बीएचएमएस प्रोग्राम में 2 अक्टूबर तक काउंसिलिंग का अवसर

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, द्वारका के बीएएमएस (कोड 153), नीट यूजी 2023 के आधार पर और बीएचएमएस (कोड 154), नीट यूजी 2023 के आधार पर प्रोग्राम में दाखिले के लिए ऑनलाइन काउंसिलिंग के दूसरे दौर की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि इन प्रोग्राम के लिए योग्य आवेदक 2 अक्टूबर तक 1,000 रुपये की काउंसिलिंग भागीदारी शुल्क के साथ ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिन आवेदकों ने आवेदन शुल्क 1,500 रुपये अभी तक जमा नहीं कराए हैं वे इसे भी 2 अक्टूबर तक जमा करा सकते हैं। इन प्रोग्राम के आरक्षित श्रेणी के आवेदक अपने दस्तावेजों का सत्यापन 4 अक्टूबर तक ऑनलाइन करा सकते हैं। विकल्प चयन 2 अक्टूबर तक किया जा सकता है। इस काउंसिलिंग का परिणाम 6 अक्टूबर को आएगा। सीट आवंटन के बाद 60 हजार रुपये की पार्ट एकेडेमिक फीस 11 अक्टूबर तक जमा करानी है। 18 अक्टूबर तक सीट आवंटन निरस्त कराया जा सकता है।

दिल्ली सेवा विवाद : न्यायालय ने केंद्र, दिल्ली सरकार को दलीलें मिला कर दाखिल करने को कहा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के नियंत्रण में निर्वाचित आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार की जगह उपराज्यपाल को वरीयता देने संबंधी केंद्र सरकार के कानून को चुनौती देने वाली दिल्ली सरकार की याचिका पर बुधवार को दोनों पक्षों को दलीलें मिला कर दाखिल करने का आदेश दिया।

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ से दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने अनुरोध किया कि मामला तत्काल सुनवाई के लिए पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, मैं (दिल्ली) प्रशासन की पीड़ा व्यक्त नहीं सकता।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, पुराने संविधान पीठ के मामले रहे हैं। हम सूचीबद्ध कर रहे हैं और सात-न्यायाधीशों की पीठ के दो मामले भी आ रहे हैं। ये सभी महत्वपूर्ण हैं और वर्षों से लंबित हैं। उन्होंने कहा कि मामला कुछ समय बाद सूचीबद्ध किया जा सकता है।

पीठ ने सिंघवी और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल संजय जैन से एक साथ बैठने तथा सेवा विवाद में संविधान पीठ द्वारा तय किए जाने वाले कानूनी सवालों पर विचार करने को कहा। पीठ ने कहा, हम शादान फरासत को नोडल वकील नियुक्त करेंगे। हम उनसे कहेंगे कि दलीलों को मिला कर तैयार करें। यह चार सप्ताह में तैयार करें और फिर आप इसका (सूचीबद्ध करने का) जिक्र करें।

इससे पहले शीर्ष अदालत ने 25 अगस्त को दिल्ली सरकार को सेवाओं के नियंत्रण में निर्वाचित सरकार की जगह उपराज्यपाल को वरीयता देने के केंद्र सरकार के अध्यादेश को चुनौती देने वाली उसकी याचिका में संशोधन कर इसे अध्यादेश के बजाय कानून को चुनौती देने वाली याचिका में बदलने की अनुमति दी थी।

अध्यादेश की जगह कानून लाए जाने के कारण याचिका में संशोधन आवश्यक हो गया था।

पीठ ने सिंघवी की उस दलील पर गौर किया कि इससे पहले अध्यादेश को चुनौती दी गई थी जो संसद के दोनों सदनों से पारित होने और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद कानून बन गया है। पीठ ने कहा था, सॉलिसिटर जनरल ने कहा है कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। इसलिए संशोधन के लिए आवेदन को मंजूरी दी जाती है। अगर कोई जवाबी हलफनामा (केंद्र का जवाब) हो तो चार सप्ताह के भीतर दाखिल किया जा सकता है।

संसद ने अगस्त में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक 2023 को मंजूरी दे दी, जिसे दिल्ली सेवा विधेयक भी कहा जाता है। इससे उपराज्यपाल को सेवा मामलों पर व्यापक अधिकार मिल गया। राष्ट्रपति की सहमति के बाद यह विधेयक कानून बन गया। केन्द्र सरकार ने ह्यदानिक्सह्ल कैडर के ह्यग्रुप-एह्ल अधिकारियों के तबादले और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए ह्यराष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्राधिकरणह्ल गठित करने के उद्देश्य से 19 मई को एक अध्यादेश जारी किया था। यह अध्यादेश जारी किये जाने से महज एक सप्ताह पहले ही उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस, कानून-व्यवस्था और भूमि को छोड़कर अन्य सभी सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंप दिया था।

गौतमबुद्ध नगर : निमार्णाधीन इमारत की तीसरी मंजिल से कूद कर व्यक्ति ने की आत्महत्या

नोएडा, प्रात : किरण संवाददाता

गौतमबुद्ध नगर जिले के नोएडा फेस-दो थाना क्षेत्र के विशेष निर्यात जोन में एक निमार्णाधीन इमारत की तीसरी मंजिल से कूद कर 35 वर्षीय एक व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। नोएडा फेस-2 थाना के प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि विशेष निर्यात जोन के नजदीक रहने वाला हरेंद्र उर्फ बंसी शराब पीने का आदी था। उन्होंने बताया कि मंगलवार की रात उसने पत्नी से शराब के लिए पैसे मांगे और पत्नी के इनकार करने से नाराज होकर नजदीकी निमार्णाधीन इमारत पर चढ़ गया एवं तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। तिवारी ने बताया कि अत्यंत गंभीर हालत में परिजन उसे अस्पताल में ले गए जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

खालिस्तानी आतंकियों की तलाश में दिल्ली पुलिस ने कई जगह पोस्टर लगाए

नई दिल्ली। राजधानी में खालिस्तानी आतंकियों की तलाश में दिल्ली पुलिस ने कई जगह पोस्टर चस्पा किए हैं। चस्पा पोस्टरों में वधावा सिंह बब्बर, पुरुषोत्तम सिंह पम्मा, गुरमीत सिंह बग्गा और भूपिंदर सिंह भिंडा की तस्वीरें हैं। हालांकि, पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों को कुल 16 खालिस्तानी आतंकियों की तलाश है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि दिल्ली पुलिस के साथ अन्य सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिला है कि जी20 शिखर सम्मेलन से पहले दिल्ली के मेट्रो स्टेशनों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखने वाले आतंकियों पर कार्रवाई के कारण खालिस्तानी आतंकी दिल्ली में कोई बड़ी वारदात करने की साजिश रच रहे हैं। इस इनपुट के आधार पर दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकियों की तलाश तेज कर दी है। इसके लिए पुलिस और एजेंसियों ने दिल्ली के विभिन्न मेट्रो स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर लगाए हैं, जिनमें आतंकियों की फोटो के साथ यह भी लिखा गया है कि उनकी तलाश में सहायता करने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जाएगा। पुलिस को आशंका है कि खालिस्तानी आतंकी दिल्ली में कोई बड़ा हमला कर सकते हैं। इस इनपुट के सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है।

की जा रही छापेमारी :

भारत विरोधी गतिविधियां तेज करने पर कनाडा में छिपे खालिस्तान समर्थक आतंकियों और पंजाब के गैंगस्टरों का नेटवर्क तोड़ने के लिए दिल्ली पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) समेत अन्य केंद्रीय एजेंसियों ने कार्रवाई तेज कर दी है। एजेंसियां, गैंगस्टरों और आतंकियों समेत उनके मददगारों के ठिकानों पर छापे मार रही हैं। दिल्ली के साथ पंजाब, हरियाणा और आसपास के सभी संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

नेटवर्क को तोड़ने का प्रयास :

जानकारी के मुताबिक छापेमारी में हथियारों के अलावा विदेश से मोटी रकम ट्रांसफर होने के रिकॉर्ड मिले हैं। साथ ही करीब 30 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ सहित अन्य गैंगस्टर व आतंकियों के मददगारों के सैकड़ों ठिकाने खंगाले जा रहे हैं। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां, कनाडा में छिपे गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के भारत में चल रहे नेटवर्क को खंगालकर उसे तोड़ने का प्रयास कर रही हैं। बताया गया कि गोल्डी बराड़ के गिरोह में सोशल मीडिया के जरिए पंजाब के युवाओं को भर्ती किया जाता है। इसके लिए वह खालिस्तानियों की भी मदद लेता है।

दिल्ली पुलिस की लिस्ट में शामिल खालिस्तानी आतंकी :

जिन खालिस्तानी आतंकियों की तलाश के लिए सुरक्षा एजेंसियां अभियान चला रही हैं, उनमें प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस का प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू, बब्बर खालसा का परमजीत सिंह पम्मा, वधावा सिंह बब्बर, भूपेंद्र सिंह भिंडा, पुरुषोत्तम सिंह पम्मा, जेएस धालीवाल, सुखपाल सिंह, गुरजंट सिंह ढिल्लो, सरबजीत सिंह, कुलवंत सिंह, हरजप सिंह, रनजीत सिंह नीटा, अमरदीप सिंह पूरेवाल, हरप्रीत सिंह, गुरमीत सिंह और गुरप्रीत सिंह आदि शामिल हैं। इन पर हत्या, हत्या की साजिश रचने, आतंकी वारदात करने के कई मामले दर्ज हैं। इसके अलावा इन पर हथियारों व नशे की तस्करी, गैंगस्टर के साथ मिलकर रंगदारी वसूलने और पैसे लेकर हत्या कराने जैसे कई आरोप हैं।

संक्षिप्त खबरें

मशरक में डेंगू के दो मरीज मिले, सरकारी अस्पताल मे भर्ती

मशरक। मशरक प्रखंड में डेंगू के मरीज की संख्या लगातार बढ रही है।सरकारी आंकड़े के मुताबिक मशरक प्रखंड के अलग अलग गांव से अबतक डेंगू के 5 मरीज मिले है। यह केवल सरकारी आंकड़ा है।जबकि निजी अस्पतालो मे भी डेंगू केपीड़ित मरीज भर्ती है।मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के गंगौली गांव और मशरक यदु मोड़ के दो डेंगू मरीज को इलाज के लिए मशरक सीएचसी मे भर्ती कराया गया।इससे पहले सिसई और कवलपुरा गांव से तीन डेंगू के मरीज मिले थे। तीनो को छपरा सदर अस्पताल मे भर्ती कराया गया था।इन क्षेत्रो मे डेंगू के बढ़ते मामलो को देख स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड मे है।जिन इलाको से डेंगू के मरीज मिल रहे है वहां रोकथाम के लिए फॉगिंग कराया जा रहा है।उधर गंगौली और यदूमोड़ से डेंगू के मरीज मिलने के बावजूद दूसरे दिन भी फॉगिंग नही होने से लोगो मे नाराजगी है। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार ने बताया कि सरकारी आंकड़ा के मुताबिक मशरक मे अबतक डेंगू के 5 मरीज मिले है। तीन मरीज सदर अस्पताल से ईलाज कराकर घर लौट गए है।दो डेंगू मरीज का ईलाज सीएचसी मशरक मे चल रहा है।उन्होने बताया कि प्रभावित इलाके मे फॉगिंग कराया जा रहा है।और लोगो को डेंगू के लक्ष्ण और बचाव की जानकारी दी जा रही है।

जे पी सेनानी के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

मढौरा (एस एन बी) ।जे पी सेनानी शारदानंद सिंह के निधन पर जे पी सेनानियों ने बैठक का आयोजन कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।जे पी सेनानी मधुरेश उपाध्याय के शिल्हौरी स्थित पैतृक आवास पर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जे पी सेनानी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शंभु प्रसाद सिंह ने शारदा नंद सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए मढौरा को ही उनका राजनीतिक कर्म भूमि बताया।उन्होंने कहा कि वर्ष 1974 में जब जे पी आंदोलन शुरू हुआ उस समय शारदा बाबू मढौरा में आई टी आई के छात्र थे साथ ही मढौरा प्रखंड छात्र संघ के संयोजक भी थे। मढौरा की धरती उनकी राजनीतिक कर्मभूमि रही है। इस अवसर पर जे पी सेनानी मधुनाथ उपाध्याय, शंभु प्रसाद सिंह, श्याम नंदन शर्मा विद्रोही, अनिल सिंह, कृष्ण कुमार पाण्डेय, योगेन्द्र साह, शिवनाथ राय, बलिराम गिरि सहित कई अन्य मौजूद रहे।

भाजपा ने दलित एवं पिछड़ों को दिया सम्मान

छपरा कार्यालय। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देश में चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा एवं बूथ सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी के मुख्य सचेतक एवं तरैया विधायक जनक सिंह आज तरैया विधानसभा अंतर्गत ईशुआपुर के बजरहिया दलित बस्ती में पहुंचे दलितों को सम्मानित किया एवं उनकी समस्याओं को सुना मुख्य चेतन जनक सिंह दलित बस्ती में भारत सरकार द्वारा दलित वंचित एवं पिछड़ों को उत्थान के द्वारा के लिए प्रधानमंत्री द्वारा चलाए जा रहे आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना, आवास योजना प्रधानमंत्री द्वारा चलाए जा रही तमाम योजनाओं के बारे में उन्हें बताया तथा बस्ती में चापाकल कला मंच नाला सड़क निर्माण संबंधित समस्याओं को तत्काल अपने कोष से बनाने की घोषणा की।

50 किलो गांजा ,50 हजार नगद से साथ तस्कर गिरफ्तार

बनियापुर (सारण) स्थानीय थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना पर नगडीहा गाव से पांच किलो गाजा के साथ बिकी का 50 हजार रुपया नगद के साथ एक को गिरफ्तार किया गया। तथा पूछरी नहर से 45 किलो गाजा बरामद किया गया।जहा नगडीहा गाव से गाजा तस्कर सुरेश पुरी के घर से गाजा बेचने के आरोप मे राजकुमार पुरी को गिरफ्तार किया गया।इस मामले मे तिन को आरोपित किया गया है।पुछरी नहर पर बरामद गांजा के आरोपित की भी पहचान कर ली गयी है। थानाध्यक्ष ने पुष्टि करते आरोपियी के विरुद्ध करवाई की बात कही गयी है।

आर्यन के महासचिव बनने से युवाओं में हर्ष

भागलपुर।प्रदेश युवा जदयू ने अपनी कमिटी का विस्तार किया है। इस क्रम में भागलपुर के आर्यन सिंह प्रदेश महासचिव बनाए गए हैं।आर्यन के प्रदेश महासचिव बनने से जदयू और युवा जदयू में हर्ष व्याप्त है।इसके पूर्व श्री आर्यन भागलपुर युवा जदयू अध्यक्ष और युवा जदयू प्रदेश सचिव के पद पर रह चुके हैं। इनके कुशल नेतृत्व पर संगठन ने विश्वास कर एक बार फिर पद आवंटित कर महासचिव बनाया है।हंसमुख, युवा आर्यन के प्रदेश महासचिव बनने पर जदयू जिलाध्यक्ष बिपिन बिहारी, डॉ विजय सिंह, पप्पू सिंह, तिलक धारी, मुखिया सदानंद सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत बनाने, पार्टी में नये युवाओं को लाने की अपील की है।

स्वच्छ वातावरण में कदाचारमुक्त संपन्न होगी 69वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा नगरः 69वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा को स्वच्छ वातावरण में कदाचारमुक्त संपन्न कराने हेतु समाहरणालय सभागार में आयोजित केन्द्राधीक्षकों, प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी अमन समीर के द्वारा बताया गया 69वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा को कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जाएगा।

जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि यह परीक्षा दिनांक 30.09.2023 को एक पाली में मध्याह्न 12:00 बजे से अपराह्न 02 बजे तक जिला मुख्यालय छपरा के 19 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता परीक्षा में कुल 9144 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा प्रारंभ होने के एक घटश पहले यथा 11 बजे पूर्वाह्न के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा भवन में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। बताया गया कि राजेन्द्र कॉलेजिएट स्कूल, साधुलाल पृथ्वीचन्द प्लस टू स्कूल, गाँधी हाई स्कूल-सह-इंटर कालेज, जिला स्कूल, राजपूत इंटर कॉलेज, बी सेमिनरी, सारण एकेडमी, राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, लोकमान्य उच्च विद्यालय-सह-इंटर कॉलेज, अब्दुल क्यूम अंसारी प्लस टू उ० विद्यालय, गंगा सिंह कॉलेज, बजकिशोर किंडर गार्टेन, इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, छपरा, छपरा सेन्ट्रल स्कूल, सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल विकास नगर, होली फेमली स्कूल महियाँ, हैजलवुड स्कूल चनचोड़ा भागवत विद्यापीठ एवं न्यू ए.एन. डी. हाई स्कूल भिखारी चौक छपरा को केन्द्र बनाया गया है। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संपन्न कराने के लिए परीक्षा केन्द्र पर स्टैटिक दण्डाधिकारी-सह-केन्द्र प्रेक्षक, स्टैटिक पुलिस पदाधिकारी, जोनल दण्डाधिकारी, सुपर जोनल दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, 1-4 सशस्त्र बल एवं महिला सिपाही की प्रतिनियुक्ति कर दी गयी है। जो परीक्षा के दिन 30 सितम्बर 2023 को प्रारंभ तिथि को पूर्वाह्न 10 बजे से अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुँचकर परीक्षा समाप्ति के उपरांत तक विधि व्यवस्था को संधारित करेंगे। दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी को सत्त भ्रमणशील रहकर परीक्षा का संचालन कराते हुए विधि व्यवस्था को संधारित करने का निर्देश दिया गया है। यह परीक्षा बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम, 1981 के अंतर्गत आने के कारण परीक्षा प्रारंभ होने के समय से परीक्षा के समाप्त होने तक की अवधि में अनुमंडल पदाधिकारी सदर, छपरा के द्वारा सभी परीक्षा केन्द्रों के 500 गज परिधि में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अंतर्गत निषेद्याज्ञा लागू करने का आदेश जारी किया गया है। इस दौरान केन्द्र के 500 गज परिधि में शांति भंग करने के उद्देश्य से पाँच या उससे अधिक व्यक्तियों को एकत्रित होना प्रतिबंधित रहेगा। किसी व्यक्ति के द्वारा लाठी, भाला एवं अन्य घातक, विस्फोटक लेकर चलने एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग को प्रतिबंधित किया गया है।

पितृपक्ष में गया जी आने वाले श्रद्धलुओं को मिलेगा हर सुविधा। मंत्री संजय झा

प्रात : किरण संवाददाता

गया।ज्ञान एवं मोक्ष की भूमि के रूप में विश्व विख्यात गयाजी धाम में पितृपक्ष अवधि सहित सालोभर देश-दुनिया से लाखो श्रद्धालु पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान करने आते हैं। यहां हर साल लगने वाला विश्व प्रसिद्ध 'पितृपक्ष मेला महासंगम' इस वर्ष 28 सितंबर से 14 अक्टूबर 2023 तक चलेगा। महासंगम शुरू होने की पूर्व संध्या पर बिहार सरकार के जल संसाधन तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय कुमार झा ने कहा कि गयाजी धाम आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को समुचित सुविधा मिले, इसके प्रति मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का शुरू से विशेष ध्यान रहा है। इस वर्ष भी महासंगम में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए राज्य सरकार द्वारा कई कार्य कराये गये हैं।मंत्री ने कहा की गया में विश्व प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर के निकट फल्गु नदी में सतही जल का प्रवाह बरसात के कुछ महीनों को छोड़ कर सालोभर नगण्य रहने के कारण श्रद्धालुओं को पिंडदान, स्नान-तर्पण आदि में काफी परेशानी होती थी। उन्हें बालू खोद कर जल निकालना पड़ता था। कई बार यहां जल निकालने के लिए नदी के बीच में चापाकल गाड़ना पड़ जाता था।

श्रद्धालुओं को इस परेशानी से मुक्ति दिलाने और विश्व प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर के निकट फल्गु नदी में सालोभर जल उपलब्ध कराने के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर जल संसाधन विभाग ने यहां बिहार के पहले रबर डैम के निर्माण की योजना बनाई है।इसके तहत विष्णुपद मंदिर के 300 मीटर निम्न प्रवाह में 405 मीटर लंबे, 03 मीटर ऊंचे रबर डैम का निर्माण कराया गया है, जो संभवतः देश का सबसे बड़ा रबर डैम है।

लोकार्पण के समय 'गयाजी डैम' नाम दिया है। बिहार में पहली बार परंपरागत कंक्रीट डैम के स्थान पर अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित रबर डैम का निर्माण कराया गया है, जिसका पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। रबर डैम के निर्माण से फल्गु नदी में सतही एवं उप सतही जल प्रवाह को रोक कर जल संचयन के लिए 1031 मीटर लंबाई में शीट पाइल और 300 मीटर में डायफ्राम वॉल लगाकर दुरुस्त किया गया है। जिससे फल्गु नदी में जल की सालोभर उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। जबकि ठहरे हुए पानी के समय-समय पर प्रतिस्थापन के लिए बोरवेल की स्थापना की गई है।

लोकार्पण के बाद से ही यह रबर डैम श्रद्धालुओं को सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का एक प्रमुख केंद्र बन गया है।

गयाजी धाम में पिंडदान के उद्देश्य से आने वाले श्रद्धालुओं को फल्गु नदी के दायें तट पर स्थित सीताकुंड तक जाने-आने में सुविधा हो, इसके लिए जल संसाधन विभाग ने रबर डैम के ऊपर 411 मीटर लंबा पैदल स्टील पुल का निर्माण कराया है, जिसका नाम मां सीता पुल रखा गया है। इस पुल से उतर कर सीता कुंड तक आसानी से पहुंचने के लिए विभाग द्वारा मां सीता पथ का भी निर्माण कराया गया है।

इसके साथ ही जल संसाधन विभाग ने मां सीता पथ के किनारे निर्मित दीवारों का करीब 800 मीटर लंबाई में मिथिला पेंटिंग से सौंदर्यीकरण भी करवाया है। मिथिला पेंटिंग की जाने माने कलाकार पद्मश्री दुलारी देवी और पुतुल चौधरी के नेतृत्व में अनुभवी कलाकारों की टीम ने यहां माता सीता के जीवन पर आधारित झांकियां उकेरी हैं।

जो दुनिया की सबसे लंबी मिथिला पेंटिंग है। गयाजी धाम आने वाले श्रद्धालुओं को मां सीता पथ के किनारे मिथिला पेंटिंग से सजी माता सीता के जीवन पर आधारित मनोरम झांकियां देख कर निश्चित रूप से लोग सुखद अनुभूति करेंगे।

पिंडदान के लिए आनेवाले श्रद्धालुओं को फल्गु नदी में स्नान एवं तर्पण करने में सुविधा हो, इसके लिए जल संसाधन विभाग द्वारा विष्णुपद मंदिर की तरफ के घाट का जीर्णोद्धार एवं विस्तार कराया गया है,

इससे श्रद्धालुओं द्वारा पिंडदान के समय उपयोग किए जा रहे नदी जल की स्वच्छता पर विपरीत असर पड़ता था। इस समस्या के निवारण के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा फल्गु के बायें तट पर 752 मी० लंबाई में मनसरवा नाला के साथ-साथ 250 मी० लंबाई में कंक्रीट घाट का भी निर्माण कराया गया है।

विभिन्न वार्डों के दलित बस्ती में जाकर सुनी गई समस्या

प्रात : किरण संवाददाता

एकमा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म सप्ताह पखवाड़ा के तहत 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक चलाई जा रही कार्यक्रम के तहत बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह एकमा विधानसभा क्षेत्र के सेवा पलक ने एकमा नगर पंचायत के गंज गांव के चौधरी टोला व हेकाम गांव स्थित दलित बस्ती में जाकर दलित महिला व पुरुषों से मिलकर प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रहे विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारे में पूछताछ किया जिन में प्रधानमंत्री आवास योजना नल जल राशन गली नाली सड़क आयुष्मान कार्ड शिक्षा स्वास्थ्य सेवा के बारे में जानकारी लिया। जहां चौधरी टोल के मोतीलाल चौधरी दिनेश चौधरी राकेश चौधरी शिवलाल चौधरी सुदामी देवी संगीता देवी सुनीता देवी बबिता देवी आदि ने बताया कि हम लोगों के टोले में मात्र सिर्फ दो प्रधानमंत्री आवास का लाभ आज तक मिला है। नल जल जल की व्यवस्था आज तक नहीं हुई है। बिजली बिल में भारी बढ़ोतरी से हम लोग अजीज हो गए हैं । हम लोगों के चौधरी होने के नाते पुलिस प्रशासन शराब के धर पकड़ के लिए लगातार छापामारी करती रहती है। जिससे हम लोग कभी परेशान हैं । इसकी निजात हम लोगों को दिलाई जाए सबसे मूल्य समस्याएं थी कि मोहल्ले में जाने के लिए बनी सड़क पर घुटनों भर पानी लगी रहती है। जिस पर पूर्व मंत्री ने स्वयं देखकर सारण के डीएम से फोन पर इससे अवगत कराया जिसे डीएम ने आश्वासन देकर कहा कि अभिलंब इस समस्या को निजात दिलाई जाएगी ।इसके मधुर आशियाना विवाह भवन के प्रांगण में पूर्व मंत्री ने स्थानीय पत्रकारों के साथ एक बैठक कर प्रधानमंत्री का विचार व भावना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज पूरा विशव सेल्यूट कर रहा है प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आज अमेरिका चीन के पंक्ति में आकर खड़ा हो गया है । भारत को विश्व गुरु बनने के लिए प्रधानमंत्री ने कमर कसे हुए हैं । इसके पूर्व पार्टी कार्यकताओं ने उन्हें फूल माला पहनकर अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया । इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष चैतेन्दर नाथ सिंह मंडल अध्यक्ष अविनाश उपाध्यक्ष मुकेश सिंह जितेंद्र सिंह बलवंत सिंह पप्पू सिंह चंद्रशेखर सिंह गौरव किशन सिंह वीरेंद्र पांडे चितरंजन सिंह बंटी ओझाआदि पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

छपरा महाराजगंज नहर पर 334 करोड़ की लागत से लाइनिंग कार्य होगा : मंत्री

जनप्रतिनिधि व अधिकारियों क साथ मंत्री ने नेहरु बाढ़ ग्रस्त एरिया का किया निरीक्षण, दिये दिशा- निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण प्रमंडल के सिंचाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा, नहर पर लाइनिंग कार्य कराया जाएगा, जिस पर लगभग 334 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी, इसको लेकर नीतीश कुमार भी गंभीर है।

उक्त बातें बिहार सरकार के जल संसाधन मंत्री संजय झा ने बुधवार को जनप्रतिनिधि और अधिकारियों के साथ सारण प्रमंडल के छपरा और महाराजगंज नहर का निरीक्षण करने के बाद सर्किट हाउस छपरा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही ' मंत्री संजय झा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हर साल नेपाल ब्राज से 8500 क्यू सेक पानी छोड़ा जाता है, लेकिन किसानों को मात्र 3400 क्यू सेक हीं पानी उपलब्ध हो पाता है, जिससे किसानों को सिंचाई करने में काफी परेशानियां होती है ' जल संसाधन मंत्री ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि सिंचाई व्यवस्था को दुरुस्त कराना सरकार की प्राथमिकता है ' मंत्री ने पत्रकारों को यह भी बताया कि सिंचाई व्यवस्था को दूर करने के लिए छपरा महाराजगंज नहर पर 17 किलोमीटर लाइनिंग का कार्य कराया जाएगा, जिस पर सरकार 334 रुपए खर्च करेगी ' इससे छपरा और महाराजगंज नहर से किसानों को अगले सीजन से 75% पानी मिलने लगेगा ' किसानों की यह बड़ी ही जटील समस्या है, जिस को दूर कराना सरकार की प्राथमिकता है ' मंत्री ने नहर के बाढ़ ग्रस्त एरिया का भी निरिक्षण किया, इस संबंध में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी मंत्री को सुझाव दिया और कहा कि नहर के आसपास लोग आकर अपना आशियाना बना लेते हैं और नहर को पाटकर रास्ता भी बना लेते हैं ' विभागीय मंत्री ने अधिकारियों को कहा कि लगातार निरीक्षण करें, शीघ्र ही इस आशय का पत्र भेज दिया जाएगा ' प्रेस मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री ने यह भी कहा कि जिलाधिकारी ने भी इस सम्बन्ध में बेहतर सुझाव दिया है ' प्रेस वार्ता में बिहार सरकार के कला एवं संस्कृति मंत्री जितेंद्र राय, छपरा के विधायक डॉ सीएन गुप्ता, मांझी के विधायक सत्येंद्र यादव, अमनौर के विधायक मंटू सिंह, जिलाधिकारी अमन समीर, सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी कन्हैया कुमार एवं विभागीय अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में महागठबंधन के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जी को 'भारत रत्न' प्रदान किया जाय : डॉ विपिन कुमार

विश्व हिंदी परिषद द्वारा अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का भव्य कार्यक्रम दिल्ली के 'विज्ञान भवन' में सफलतापूर्वक संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 115वीं जयंती पर विश्व हिंदी परिषद द्वारा नई दिल्ली के विज्ञान भवन सभागार में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रतिनिधि गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र, मणिपुर की राज्यपाल अनसुइया उइके के मुख्य आतिथ्य में हुआ। सम्मेलन के दूसरे दिन मुख्य अतिथि सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य, केंद्रीय लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री एस पी बघेल , फिजी, सूरीनाम, मारीशस, त्रिनिनाद टोबेगो के राजदूत तथा विशिष्ट अतिथि ग्लोबल ओपन यूनिवर्सिटी नागालैंड के कुलाधिपति प्रो प्रियरंजन त्रिवेदी, प्रो विनय भारद्वाज, श्री दीपक ठाकुर,एन आइ ओ एस के अध्यक्ष प्रो सरोज शर्मा, आइ सी पी आर के सदस्य सचिव आचार्य सच्चिदानंद मिश्र, रामकृष्ण मिशन दिल्ली के सचिव स्वामी सर्वलोकानंद जी, अमेरिका प्रवासी परमार्थ निकेतन आश्रम ऋषिकेश की साध्वी भगवती सरस्वती मौजूद थीं। विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ विपिन कुमार ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी से दिनकर जी को 'भारत रत्न ' प्रदान करने की माँग की तथा हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने हेतु विश्व हिंदी परिषद द्वारा एक मुहिम चलाने की घोषणा की। जिसका समर्थन सभागार में उपस्थित सभी सम्मेलन प्रतिनिधियों द्वारा किया गया । अपने उद्बोधन में विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ विपिन कुमार ने कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उनका काव्य अपने दौर में समाज के हर वर्ग की आवाज बना। जिससे एक स्वस्थ और जागरूक समाज का निर्माण हुआ।स्वतंत्रता पूर्व उन्हें विद्रोही कवि और स्वतंत्रता के पश्चात उन्हें राष्ट्रकवि का दर्जा मिला। भारत सरकार द्वारा उन्हें द्वितीय सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया। साथ ही संस्कृति के चार अध्याय के लिए उन्हें साहित्य अकादमी तथा उर्वशी के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया। किंतु उन्हें वह सम्मान नही मिला जिसके वह वास्तविक हकदार थे।

इस अवसर पर एक स्मारिका का विमोचन राज्यपाल तथा अतिथियों ने किया।राज्यपाल -सुश्री अनसूईया उईके,स्वामी श्चिदानंद सरस्वती जी ने उल्लेखनीय साहित्य एवं पत्रकारिता के क्षेत्र उत्कृष्ट कार्य करने हेतु विशिष्ट जनों का सम्मान किया। जिनमें आजतक के लोकप्रिय संपादक सुधीर चौधरी, पंजाब केसरी की सीईओ किरण चौपड़ा, अमर उजाला के संपादक श्री उदय कुमार सिन्हा, दैनिक जागरण के ऑनलाईन सम्पादक श्री कमलेश रघुवंशी , मोरीशस- की कवयित्री व लेखिका कल्पना लाल, नीदर लैंड की लेखिका एवं कवयित्री -पुष्पिता अवस्थी,राष्ट्रवादी कवि व पूर्व सांसद श्री ओमपाल सिंह लीडर डॉ. कीर्ति काले, प्रो स्वाति पाल, प्रो संध्या वत्सायन ,लंदन से आई सिम्मी राठौर-सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर आदि शामिल थे। सभी को शॉल,स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मानित किया गया ।प्रतिभागियों को विश्व हिंदी परिषद की ओर से प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।सम्मेलन को सफल बनाने में दिल्ली विश्वविद्यालय की शिक्षकों की अहम भूमिका रही, जिसमें खासकर सम्मेलन सह संयोजक डॉ श्रीनिवास त्यागी ,समन्वयक डॉक्टर श्रवण कुमार का योगदान महत्वपूर्ण रहा । समापन समारोह का संचालन राष्ट्रीय समन्वय डॉ. शकुंतला सरूपरिया ने किया धन्यवाद की रस्म दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. श्री दीनदयाल में अदा की।

जन सुराज की प्रखंड इकाई की बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर (सारण)स्थानीय शिव दिप वाटिका में जन सुराज प्रखंड इकाई की बैठक प्रखंड अध्यक्ष मनोज सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिला के मुख्य प्रवक्ता कुलदीप महासेठ के संचालन में आयोजित इस बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड के नव नियुक्त पदाधिकारियों के बीच नियुक्ति पत्र, विजिटिंग कार्ड ,शुभकामना संदेश तथा अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।वहीं संगठन के विस्तार व मजबूती पर बल दिया गया।बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बिहार की लचर व्यवस्था से आम जनता त्रस्त है।बिहार में गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से लोगों का यहां बुरा हाल है।बिहार की जनता जन सुराज को एक बेहतर विकल्प के रूप में देख रही है।जन सुराज का एक एक कार्यकर्ता प्रशांत किशोर की इस मुहिम को आगे बढाने के लिए लिए संकल्पित है। जन सुराज का यह अभियान समाज के सही लोगों को जोड़कर, एक सही सोच के साथ सामूहिक प्रयास के जरिए एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश है, जिससे सत्ता परिवर्तन सही मायनों में व्यवस्था परिवर्तन का जरिया बने।उक्त मौके पर मुख्य रूप से जन सुराज नेता पप्पू सिंह, प्रियरंजन सिंह युवराज, पिंटू तिवारी, जुनालाल यादव, प्रखंड सभापति संतोष पटेल, युवा अध्यक्ष रणधीर कुमार, संगठन महासचिव नीरज कुमार रवि, उपाध्यक्ष निर्मला त्रिपाठी, मनोज कुमार सिंह, जावेद अब्बास, अरविंद कुमार, संजय शर्मा, रामप्रवेश ठाकुर, दिलीप कुमार दिपक, किसान सेल के अध्यक्ष महेश प्रसाद, प्रखंड मुख्य प्रवक्ता अमरेंद्र बैठा,प्रवक्ता मनोज सिंह सेंगर, संगठन सचिव मनीष कुमार सिंह, अनिल कुमार आदि दर्जनों लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किया।

भिखारी ठाकुरः भोजपुरी के अनगढ़ हीरा पुस्तक का हुआ लोकार्पण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा ग्रामीण। भोजपुरी भाषा एवं साहित्य को अपने लोकनाट्य एवं साहित्यों के माध्यम से देश-दुनिया मे ख्याति अर्जित करने वाले लोककवि भिखारी ठाकुर लोगों के जेहन में आज भी जीवंत हैं। राजकमल प्रकाशन समूह द्वारा पटना में आयोजित 'किताब उत्सव' में तैयब हुसैन की पुस्तक 'भिखारी ठाकुर : अनगढ़ हीरा' के लोकार्पण समारोह आयोजन किया गया। समारोह में भिखारी ठाकुर के जीवन एवं उनके चरित्रों का चित्रण लेखक द्वारा विस्तृत रूप से किया गया है। इस अवसर पर प्रदेश के प्रमुख साहित्यिक हस्तियां एवं भोजपुरी के शुभचिंतक उपस्थित थे ।श्री कृष्ण विज्ञान केंद्र में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में छपरा लोकसभा के पूर्व सांसद प्रत्याशी राजकिशोर प्रसाद ठाकुर ने भिखारी ठाकुर के जीवन चरित्र को नया स्वरूप देने हेतु लेखक तैयब हुसैन का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा भिखारी ठाकुर आजीवन सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष करते रहें। उन्होंने अपनी कला व संगीत के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ प्रहार किया। जो आज भी प्रासांगिक है। इस मौके पर श्री ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार पाठ्यपुस्तकों में भिखारी ठाकुर की रचनाओं को शामिल कर एक नया सामाजिक एवं बौद्धिक संदेश देने का कार्य करें। उल्लेखनीय है कि भिखारी ठाकुर सारण जिले के कुतुबपुर गाँव के रहने वाले थे। जिनके नाटकों पर कई फिल्में बनी है। विदेशिया नाटक देश विदेश में चर्चित है।

उत्पाद विभाग के चेकपोस्ट से पांच महिला शराब के साथ गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मांझी। माँझी के जयप्रभा सेतु स्थित उत्पाद विभाग के चेकपोस्ट पर तैनात पुलिसकर्मियों ने तस्करों द्वारा शराब तस्करी के एक नए तरकीब का खुलासा किया है। चेकपोस्ट पर तैनात पुलिस पदाधिकारी संदीप कुमार ने बताया है कि मंगलवार को सवारी जीप में सवार पाँच महिला तस्करों द्वारा सीमावर्ती यूपी के बलिया जनपद से लेडी पर्स में छुपाकर शराब ले जाया जा रहा था। शक के आधार पर पुलिसकर्मियों द्वारा उनके पर्स की गहनता से जाँच की गई। जाँच के क्रम में गिरफ्तार महिला तस्करों की पर्स से 80 पीस अंग्रेजी शराब ।फ्रूटी। बरामद की गई। जब्त अंग्रेजी शराब की मात्रा 14 लीटर चार सौ ग्राम बताया जा रहा है। बाद में शेष यात्रियों सहित जीप को छोड़ दिया गया। हालाँकि उत्पाद विभाग की पुलिस द्वारा पाँचों महिला तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार महिला तस्करों में अनिता देवी पति नन्हकू दास, गीता देवी पति अशोक कुमार सिंह, कोशिला देवी पति जगदीश दास, सोशिला देवी पति देवेन्द्र दास,तथा संजू देवी पति संजय दास सभी महिला शराब तस्कर समस्तीपुर जिलान्तर्गत थाना शाहपुर पटोरी स्थित सूरत हसनपुरा गाँव की रहने वाली बताई जा रही हैं। बताते चलें कि पिछले लगभग एक माह बाद शराब जांच हेतु हैंड स्कैनर मशीन से पुनः जाँच शुरू कर दिए जाने से शराब तस्करों में हड़कम्प ब्याप्त है।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के कार्यसमिति की बैठक मोर्चा के जिला अध्यक्ष कृष्णा राम की अध्यक्षता में भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह, अनुशासन समिति के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व विधायक सोनपुर विनय कुमार सिंह,गरखा के पूर्व विधायक ज्ञानचंद मांझी द्वारा संयुक्त रूप से डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के तैल्यचित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्वलित कर शुरू की गई।

अपने संबोधन में पूर्व विधायक विनय कुमार सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने अनुसूचित जाति समाज को सम्मान दिया है उन्होंने कहा डॉ भीमराव अंबेडकर से जुड़े पांच स्थानों को 'पंच तीर्थ' के रूप में विकसित कर उन्हें सम्मानित किया है। उन्होंने ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी ऐसे नेता हुए जो सब का विकास,सबका सम्मान व सबका विश्वास के मंत्र पर काम करती है। जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्

सम्पादकीय

भारत की बढ़ती चुनौतियां

यह विस्फोटक खुलासा हुआ है कि जून में कनाडा में खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने अपने देश में मौजूद खालिस्तानी कार्यकताओं से संपर्क कर उन्हें आगाह किया था कि उनकी जान खतरे में है। दो दिन के शुरूआती भ्रम के बाद यह बात साफ हो गई कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने भारत पर जो गंभीर आरोप लगाया, उसको पर पश्चिम के उनके खास सहयोगी देश उनसे सहमत थे। धीरे-धीरे यह बात साफ हो गई कि असल में जिन सूचनाओं के आधार पर उन्होंने भारत पर कनाडा की जमीन पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या का इल्जाम मढ़ा, वे उन्हें पांच देशों के गठबंधन फाइव आई (पांच नेत्र) की खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था के तहत प्राप्त हुई थी। उसके बाद यह विस्फोटक खुलासा हुआ कि जून में कनाडा में खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने अपने देश में मौजूद खालिस्तानी कार्यकताओं से संपर्क कर उन्हें आगाह किया था कि उनकी जान खतरे में है। इस खबर का मतलब यह है कि एफबीआई इस नतीजे पर थी कि कोई विदेशी ताकत उन खालिस्तानी कार्यकताओं को निशाना बना सकती है। इसका यह भी अर्थ है कि जिन उग्रवादियों की भारत को तलाश है, अमेरिका असल में उन्हें अपने यहां संरक्षण दे रहा है। जब ये सारी खबरें सुर्खियों में हैं, तो एक तीन साल पुरानी खबर भी चर्चा में आ गई है कि जर्मनी में तब एक भारतीय मूल के नागरिक पर भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के लिए खालिस्तान समर्थकों की जासूसी करने के आरोप में मुकदमा चलाया गया था। यानी रॉ की तरफ से पश्चिमी देशों में जासूसी का संदेह तब से वहां मौजूद था। हालांकि यह खबर भी कम परेशान करने वाली नहीं है कि कनाडा ने जिन सूचनाओं के आधार पर आरोप लगाया, उनमें वहां तैनात भारतीय राजनयिकों के बीच आपस में हुई बातचीत का ब्योरा भी है। जाहिर है, भारत के कथित सहयोगी देशों ने- जिनमें दो क्वैड समूह में भी शामिल हैं- भारतीय राजनयिकों की निजता को भंग किया। इन तमाम तथ्यों से भारतीय विदेश नीति के प्रबंधक अवश्य चिंतित हुए होंगे। इन खबरों ने भारत की पश्चिम के लगातार निकट जाने और उसके आधार पर चीन का मुकाबला करने की रणनीति के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। यह सचमुच गंभीर चुनौती है।

अष्टलक्ष्मी के गौरव की पुनर्स्थापना

जी किशन रेड्डी

जब भी मैं पूर्वोत्तर क्षेत्र की यात्रा करता हूं, तो मैं अक्सर स्मृतियों में खो जाता हूं और पूरे भारत के साथी युवा मोर्चा कार्यकताओं के साथ की गयी अपनी पिछली यात्राओं को याद करता हूं। उन दिनों, परिवहन व संचार संपर्क सुविधाओं की कमी, सुरक्षा के खतरे, बंद और चक्का जाम की असुविधा तथा अवसंरचना की कमी को नजरअंदाज करते हुए, हमने इन अवसरों का उपयोग, क्षेत्र के अपने भाइयों और बहनों के साथ बातचीत करने, उनकी संस्कृति का अनुभव करने और चुनौतियों व समाधानों पर चर्चा करने में किया। हालाँकि, परिवर्तन शुरू करने के लिए हमारे अटूट उत्साह और अथक प्रयास को राजनीतिक उपेक्षा, घोर अन्याय और शेष भारत से स्पष्ट अलगाव के कारण कड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ा। अफसोस की बात है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्य, जो हमारे देश का अभिन्न अंग हैं, को अक्सर सौतेली बहनें कहा जाता था। हालाँकि, कुछ साल बाद, आज, जब मैं उन्हीं स्थानों की दोबारा यात्रा करता हूँ, तो मैं संतुष्टि और राहत की गहरी भावना से भर जाता हूँ। हमारे पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों को आखिरकार वह ध्यान और समर्थन मिल रहा है, जिनके वे हकदार हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों का संदर्भ अष्टलक्ष्मी के रूप दिया जाता है, जो अधिक उपयुक्त है। नौ साल पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्पष्ट रूप से घोषणा की थी, भारत तब तक प्रगति नहीं कर सकता, जब तक कि भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र विकसित नहीं होता। उस दूरदर्शी विश्वास के साथ, भविष्य में निर्बाध विकास को सक्षम बनाने के लिए पिछले 9 वर्षों में किए गए रणनीतिक प्रयासों ने एक ठोस आधार तैयार किया है।

पिछले साढ़े 9 वर्षों में 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने के साथ, भारत सरकार ने क्षेत्र के विकास के लिए बड़े पैमाने पर वित्तपोषण किया। 2014 और 2023 के बीच पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए 54 केंद्रीय मंत्रालयों के सकल बजट आवंटन में लगभग 233 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 6, 600 करोड़ रुपये की नई मंजूर की गयी पीएम-डिवाइन योजना, पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों के लिए आजीविका और विकास के अवसरों का सृजन करेगी। विवेकपूर्ण और लक्षित निवेश के साथ वित्तीय प्रोत्साहन से, सरकार को परिवहन व संचार संपर्क सुविधा तथा अवसंरचना निर्माण जैसी क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौतियों का समाधान करने में मदद मिली। भूपेन हजारिका सेतु नदी पर बना भारत का सबसे लंबा पुल है, जो 2003 से लंबित था, का उद्घाटन मई 2017 में किया गया। इससे असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच की यात्रा-अवधि 6 घंटे से कम होकर 01 घंटे की रह गयी है। 25 दिसंबर, 2018 को भारत के सबसे लंबे रेल पुल बोगीबील का उद्घाटन किया गया, जिससे दिल्ली और डिब्रूगढ़ के बीच यात्रा-अवधि में 3 घंटे की कमी आयी है। दिलचस्प बात यह है कि पुल का काम 2002 में भारत रत्न अटल जी के नेतृत्व में शुरू हुआ था, लेकिन 2004 में यूपीए के सत्ता में आने के बाद यह काम बाधित हो गया। काम में तेजी 2014 में आई, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने बागडोर संभाली।

इसी तरह, 2014 से पहले केवल गुवाहाटी रेल-मार्ग से ही जुड़ा था, लेकिन आज राजधानी परिवहन संपर्क परियोजना के तहत अरुणाचल, त्रिपुरा और मणिपुर भी जुड़ गए हैं और बाकी 5 राज्यों को जोडे का काम भी जल्द पूरा हो जाएगा। उहम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके स्थलाकृतियों से जुड़ी बाधाओं को दूर कर रहे हैं। हमने पूर्वोत्तर में जिरीबाम-इम्फाल रेल लाइन पर दुनिया के सबसे ऊंचे तटबंध पुल का निर्माण करके विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इसके अलावा, पर्यटन और आर्थिक क्षमता को व्यापक प्रोत्साहन देते हुए, पिछले 9 वर्षों में हवाई संपर्क सुविधा में कई गुनी वृद्धि हुई है। 2014 में केवल 9 हवाई-अड्डे थे, आज हमारे पास 17 हवाई-अड्डे हैं। अरुणाचल प्रदेश का पहला ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, डोनी पोलो हवाई अड्डा या अगरतला में महाराजा बीर बिक्रम (एमबीबी) हवाई अड्डे का अत्याधुनिक एकीकृत टर्मिनल, जिसका उद्घाटन 2022 में प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था, हवाई संपर्क सुविधा में तेजी से हुई प्रगति के उज्ज्वल उदाहरण हैं। पिछली सरकारें लंबे समय से यह तर्क देतीं रहीं कि भूमि से घिरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में कमी अपरिहार्य है। इस बात को चुनौती देते हुए नरेन्द्र मोदी सरकार क्षेत्र की जलमार्ग क्षमता का उपयोग करने के लिए काम कर रही है। 2014 से पहले केवल 01 राष्ट्रीय जलमार्ग था और अब पूर्वोत्तर क्षेत्र में 20 राष्ट्रीय जलमार्ग हैं, जो ब्रह्मपुत्र और बराक नदियों की विशाल नौवहन क्षमता को रेखांकित करते हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ घनिष्ठ आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों का निर्माण करते हुए तथा क्षेत्र में आवश्यक परिवहन संपर्क सुविधा को बढ़ावा देकर, पूर्वोत्तर क्षेत्र को एक्ट ईस्ट नीति के केंद्र बिंदु के रूप में विकसित किया जा रहा है। म्यांमार के साथ 2, 904 करोड़ रुपये की कलादान मल्टीमॉडल परियोजना, बांग्लादेश के साथ 1, 100 करोड़ रुपये की अगरतला-अखौरा रेलवे परियोजना, 1, 548 करोड़ रुपये की भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना आदि ऐसी प्रमुख परियोजनाएं हैं, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र को भारत के पड़ोसी पहले और एक्ट ईस्ट नीतियों के केंद्र में रखती हैं। 1972 के बाद पहली बार 2015 में अंतर्देशीय जल पारगमन और व्यापार पर भारत बांग्लादेश प्रोटोकॉल का नवीनीकरण और बांग्लादेश के चटग्राम व मोंगला बंदरगाहों के उपयोग तक पहुंच; एक्ट ईस्ट नीति की महत्वपूर्ण उपलब्धियां रही हैं। क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं। 2014 से 2022 के बीच उग्रवाद में 76 प्रतिशत की गिरावट आई है। सुरक्षा बलों और नागरिकों की मौत की संख्या में क्रमशः 90 प्रतिशत और 97 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी है। 8, 000 से अधिक उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। अफस्पा के परिधि क्षेत्र में 75 प्रतिशत की कमी आयी है। स्थायी समाधान की दिशा में आगे बढ़ते हुए विद्रोही समूहों के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं और मुख्यधारा के साथ उनके पुनः एकीकरण में मदद के लिए पुनर्वास पैकेज प्रदान किए गए हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र में विकास और शांति को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, प्रधानमंत्री ने पिछले साढ़े 9 वर्षों स्वयं 60 से अधिक बार पूर्वोत्तर क्षेत्र की यात्राएं की हैं और क्षेत्र में विकास करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प को दोहराया है। अपने मूल में प्रतिबद्धता, सुदृढ़ता और सशक्तिकरण को रखते हुए, पूर्वोत्तर क्षेत्र अब अमृत काल की दहलीज पर खड़ा है। पिछले 9 वर्ष निर्णायक रहे हैं; अगले 25 वर्ष, पूर्वोत्तर भारत कहे जाने वाले धरती के स्वर्ग के जादू को दुनिया के सामने लायेंगे।

इंडिया का इस्तेमाल रोकने की सरकारी कवायद

जी20 की शिखर बैठक में भाग लेने दिल्ली आए विदेशी मेहमानों को भारत की राष्ट्रपति ने भोज पर आमंत्रित किया। सत्ताधारी भाजपा भी इंडिया शब्द के इस्तेमाल से बच रही है। उसका कहना है कि हमारे देश को यह नाम हमारे औपिनिवेशिक शासकों ने दिया था और इसलिए इससे औपनिवेशिकता की बू आती है। पार्टी नेता हेमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि इंडिया शब्द हमारे देश की औपनिवेशिक विरासत का हिस्सा है और हमें इससे छुटकारा पा लेना चाहिए। आरएसएस के मुखिया और अन्य पदाधिकारी भी यही बात कह रहे हैं। गुवाहाटी में एक कार्यक्रम में बोलते हुए मोहन भागवत ने कहा, हमें इंडिया शब्द का प्रयोग बंद कर देना चाहिए और इसकी जगह भारत शब्द का इस्तेमाल करना चाहिए। कब-जब हम इंडिया इसलिए कहते हैं ताकि अंग्रेजी-भाषी लोग समझ सकें कि हम किस देश के बारे में बात कर रहे हैं। अक्सर हम प्रवाह में इस शब्द का प्रयोग करते हैं। हमें यह बंद करना चाहिए। यह जताने के प्रयास भी हो रहे हैं कि इंडिया और भारत शब्द हमारे देश के अलग-अलग हिस्सों और अलग-अलग सांस्कृतिक धाराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राम पुनियानी

अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया; लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हामोर्नी एवार्ड से सम्मानित हैं

यह संयोग ही है कि विपक्षी पार्टियों के इंडिया (इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायन्स) के नाम से एक मंच पर आने के बाद से भाजपा सरकार आधिकारिक दस्तावेजों में इंडिया शब्द के इस्तेमाल से बच रही है और उसके पितृ संगठन आरएसएस ने एक फतवा जारी कर कहा है कि हमारे देश के लिए केवल भारत शब्द का प्रयोग होना चाहिए। जी20 की शिखर बैठक में भाग लेने दिल्ली आए विदेशी मेहमानों को भारत की राष्ट्रपति ने भोज पर आमंत्रित किया। सत्ताधारी भाजपा भी इंडिया शब्द के इस्तेमाल से बच रही है। उसका कहना है कि हमारे देश को यह नाम हमारे औपिनिवेशिक शासकों ने दिया था और इसलिए इससे औपनिवेशिकता की बू आती है। पार्टी नेता हेमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि इंडिया शब्द हमारे देश की औपनिवेशिक विरासत का हिस्सा है और हमें इससे छुटकारा पा लेना चाहिए।

आरएसएस के मुखिया और अन्य पदाधिकारी भी यही बात कह रहे हैं। गुवाहाटी में एक कार्यक्रम में बोलते हुए मोहन भागवत ने कहा, हमें इंडिया शब्द का प्रयोग बंद कर देना चाहिए और इसकी जगह भारत शब्द का इस्तेमाल करना चाहिए। कब-जब हम इंडिया इसलिए कहते हैं ताकि अंग्रेजी-भाषी लोग समझ सकें कि हम किस देश के बारे में बात कर रहे हैं। अक्सर हम प्रवाह में इस शब्द का प्रयोग करते हैं। हमें यह बंद करना चाहिए। यह जताने के प्रयास भी हो रहे हैं कि इंडिया और भारत शब्द हमारे देश के अलग-अलग हिस्सों और अलग-अलग सांस्कृतिक धाराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। कई मौकों पर इंडिया और भारत को देश की परस्पर विरोधाभासी प्रवृत्तियों या घटकों के रूप में भी प्रस्तुत किया जाता है। जैसे भागवत ने ही हमें बताया था कि बलात्कार, इंडिया में होते हैं भारत में नहीं। उनके अनुसार, बलात्कार और सामूहिक बलात्कार केवल शहरी भारत में होते हैं जहाँ पश्चिमी संस्कृति का बोलबाला है और ऐसी चीजें ग्रामीण भारत में नहीं होतीं, जहाँ पारंपरिक मूल्यों की प्रधानता है। कहने की जरुरत नहीं कि भागवत पूरी तरह गलत हैं। यही बहस एक बार फिर जिंदा हो गयी है और इसका कारण है विपक्ष द्वारा अपने गठबंधन के लिए एकदम उपयुक्त और प्रभावी नाम चुनना।

सच तो यह है हमारे देश के नाम के अनेक स्त्रोत हैं। सभ्यताएं स्थिर पोखर की तरह नहीं होतीं। वे बहती हुई नदी की तरह होतीं हैं। समय और परिस्थितियों के साथ उनमें परिवर्तन आते रहते हैं। अतीत में कई महाद्वीपों और देशों के नाम बदले हैं। हमारे देश को मुख्यतः दो नामों (भारत और इंडिया) से पहचाना जाता रहा है। इन दोनों ही नामों के कई स्त्रोत हैं। भारत शब्द का स्त्रोत मुख्यतः धर्मग्रन्थ हैं। कुछ धर्मग्रंथों में इस भूमि को जम्बूद्वीप भी कहा गया है। सम्राट अशोक के शिलालिखों में जम्बूद्वीप शब्द ही प्रयुक्त हुआ है। जम्बूद्वीप का अर्थ है मेरु पर्वत के चारों ओर जो चार महाद्वीप हैं, उनमें से दक्षिण में स्थित महाद्वीप। यह परिकल्पना प्राचीन ब्रह्माण्ड ज्ञान का भाग है। जामुन के पेड़ के नाम पर जम्बूद्वीप कहे जाने जाने वाले दुनिया के इस हिस्से में आधुनिक मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और बांग्लादेश भी शामिल हैं। इसी तरह, गंगा नदी की घाटी, जिसमें आर्यों ने सबसे पहले डेरा डाला, को आर्यावर्त भी कहा जाता है। भारत शब्द का सबंध महान भरत राजा के भरत वंश से है। ऋग्वेद (सप्तम अध्याय, ऋचा 18) में भरत वंश के राजा सुदस और दसराजन (दस राजाओं) के बीच युद्ध का वर्णन है। महाभारत में चक्रवर्ती सम्राट भरत का जिक्र आता है, जो कौरवों और पांडवों के पूर्वज थे। विष्णुपुराण में भरतवंशम की चर्चा है। भरत का साम्राज्य, वर्तमान भारत के अलावा वर्तमान पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान तक फैला हुआ था। जैन साहित्य में बताया गया है कि चक्रवर्ती सम्राट भरत प्रथम तीर्थंकर के सबसे बड़े पुत्र थे। इसके अलावा, हमारे देश के नामकरण में सिन्धु नदी की भी भूमिका है। अवेस्ता में इसे हप्तहिन्दू कहा गया है। वेदों में कुछ स्थानों पर इसे सप्तसिंधु बताया गया है। हखामानी (पर्शियन) स्त्रोतों में सिन्धु नदी के आसपास के इलाके को हिन्दुकुश कहा गया है। इसके भी पहले, चौथी सदी ईसा पूर्व में मेगस्थनीज ने इसे इंडिया बताया था, जो यूनानी भाषा में इंडिके हो गया। यहीं से इंडिया नाम की शुरूआत हुई। जो लोग कह रहे हैं कि इंडिया शब्द औपनिवेशिक विरासत हैं, वे इस शब्द के जटिल इतिहास से परिचित नहीं हैं और राजनैतिक उद्देश्यों से संविधान की शब्दावली इंडिया, जो भारत है का इस्तेमाल करना नहीं चाहते। मानव सभ्यताएं ठहरती नहीं हैं। बल्कि ठहरी हुई सभ्यताएं प्रगति नहीं करतीं। इस सत्य का उन विभूतियों को अहसास था जो औपनिवेशिक ताकतों के विरुद्ध संघर्ष कर रही थीं। यही कारण था कि सुरेन्द्रनाथ बैनर्जी ने इंडियाः द नेशन इन द मेकिंग की बात की थी। यही कारण था कि गांधीजी ने अपने समाचारपत्र का नाम यंग इंडिया रखा था और यही कारण था कि आंबेडकर ने पहले इंडियन लेबर पार्टी और बाद में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया का गठन किया था। इंडिया शब्द कतई औपनिवेशिक विरासत नहीं है। यह शब्द ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा भारत में व्यापार करने और उसे लूटने के लिए यहाँ आने से बहुत पहले से प्रचलन में था। इस शब्द का इस्तेमाल औपिनिवेशिकता-विरोधी आन्दोलन में भी किया गया था। और पूरी दुनिया हमारे देश को इंडिया के नाम से ही जानती है।

जो लोग औपनिवेशिक विरासत और पश्चिमी प्रभाव के नाम पर इंडिया शब्द के इस्तेमाल को बंद करवाना चाहते हैं, वे तो समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व जैसे प्रजातान्त्रिक मूल्यों को अपनाने के भी खिलाफ हैं। यह भी दिलचस्प है कि यही लोग अभी कुछ समय पहले तक इसी शब्द का जम कर इस्तेमाल करते थे। मेड इन इंडिया, स्किल इंडिया, क्लीन इंडिया ये सब नाम आखिर किसके दिए हुए हैं? अपनी चुनावी सभाओं में मोदी वोट फॉर इंडिया का नारा भी देते रहे हैं। इंडिया, जो भारत है, निरंतरता और परिवर्तन दोनों को एकसाथ अभिव्यक्त करता अद्भुत शब्द समूह है। वह हमारी महान परम्पराओं को कायम रखने के साथ ही समयानुरूप परिवर्तनों को गले लगाने की बात करता है। इन्हीं परिवर्तनों ने आधुनिक भारत की नींव रखी है। भारत के संविधान निमार्ताओं को भारत शब्द से कोई एलर्जी नहीं थी। उन्होंने उसे हमारी आत्मा के रूप में स्वीकार किया। वे भारत और इंडिया को एक-दूसरे का विरोधाभासी नहीं मानते थे। वे आधुनिक भारत की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को समझते थे। यही कारण है कि उन्होंने गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर के जन गण मन को राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार किया, जिसमें ह्यभारत भाग्य विधाता की बात कही गयी है। राजीव गाँधी ने 21वीं सदी के भारत की परिकल्पना करते हुए मेरा देश महान का नारा दिया था। पूरी दुनिया हमारे देश को इंडिया नाम से ही जानती है। यह भी दिलचस्प है कि भारत शब्द के प्रयोग पर सबसे पहले जिस व्यक्ति ने आपत्ति की थी, उनका नाम था मुहम्मद अली जिन्ना। हमारी स्वतंत्रता के चार हफ्ते बाद, जिन्ना ने भारत के गवर्नर जनरल लार्ड माउंटबैटन को लिखे एक पत्र में हमारे देश के लिए इंडिया शब्द के इस्तेमाल का विरोध किया था। उन्होंने लिखा था, यह दुखद है कि किन्हीं छुपे हुए कारणों की वजह से हिंदुस्तान ने अपने लिए इंडिया शब्द को अंगीकार किया है। यह गुमराह करने वाला है और इसका उद्देश्य भ्रम फैलाना है। जिन्ना के अनुसार, इंडिया उस अविभाजित राष्ट्र का नाम था, जिसका अस्तित्व बंटवारे के बाद समाप्त हो गया है। क्या हम कह सकते हैं कि आज जो लोग इंडिया शब्द के इस्तेमाल पर हमलावर हैं, वे जिन्ना की राह पर चल रहे हैं?

हिंदू मुसलमान से हटकर जाति जनगणना बना मुख्य मुद्दा

मध्य प्रदेश में यह बात मोदी जी की समझ में आ गई है। इसलिए उन्होंने इस मुद्दे पर जाने के बदले पार्टी की सबसे बड़ी तोपें अचानक मध्य प्रदेश के चुनावी मैदान में उतार दीं। भक्त और गोदी मीडिया इससे भी खुश हो गए कि वाह क्या चौंकाया मोदी जी ने! वे चौंकने को ही बड़ा काम समझने लगे हैं। एक दिन कहा जाएगा कि इन भक्त और मीडिया वालों ने बहुत बेवकूफ बनाया है। लगाओ इनमें चार चार! भक्त नफरत के नशे में और गोदी मीडिया डर में इसे भी मास्टर स्ट्रोक बताने लगेंगे तब तक जब तक कि उनमें पड़ नहीं जाते! खैर भक्त और गोदी मीडिया अब अप्रासंगिक हो गए हैं। मोदी जी ने अपना ट्रैक बदल लिया है। इस महिला बिल, मध्य प्रदेश में केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को चुनाव लड़ाना इनमें भक्त और केवल वाह वाह करने वाली मीडिया की कोई जरूरत नहीं है। भक्त और मीडिया केवल हिंदू मुसलमान करने में उपयोगी थे। बाकी अब राजनीति जब जनता के रोजमर्रा से जुड़े मुद्दों पर वापस लौटती दिख रही है तो इन बैंड बाजा पार्टी और घोड़ी डांस करने वालों की कोई जरूरत नहीं है।

शकील अख़्तर

वरिष्ठ पत्रकार और पूर्व राज्य सूचना आयुक्त, उत्तर प्रदेश

क्या मध्य प्रदेश से फिर साबित हो रहा है कि अब चुनाव धर्म को मुद्दा बनाकर नहीं जीते जा सकते? कर्नाटक ने तो अभी बताया ही था। वहां प्रधानमंत्री बजरंग बली को चुनाव में ले आए। धार्मिक उन्माद बढ़ाने की हर संभव कोशिश की मगर जनता हिंदू मुसलमान में नहीं फंसी। मध्य प्रदेश में यह बात मोदी जी की समझ में आ गई है। इसलिए उन्होंने इस मुद्दे पर जाने के बदले पार्टी की सबसे बड़ी तोपें अचानक मध्य प्रदेश के चुनावी मैदान में उतार दीं। भक्त और गोदी मीडिया इससे भी खुश हो गए कि वाह क्या चौंकाया मोदी जी ने! वे चौंकने को ही बड़ा काम समझने लगे हैं। एक दिन कहा जाएगा कि इन भक्त और मीडिया वालों ने बहुत बेवकूफ बनाया है। लगाओ इनमें चार चार! भक्त नफरत के नशे में और गोदी मीडिया डर में इसे भी मास्टर स्ट्रोक बताने लगेंगे तब तक जब तक कि उनमें पड़ नहीं जाते!

खैर भक्त और गोदी मीडिया अब अप्रासंगिक हो गए हैं। मोदी जी ने अपना ट्रैक बदल लिया है। इस महिला बिल, मध्य प्रदेश में केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को चुनाव लड़ाना इनमें भक्त और केवल वाह वाह करने वाली मीडिया की कोई जरूरत नहीं है। भक्त और मीडिया केवल हिंदू मुसलमान करने में उपयोगी थे। बाकी अब राजनीति जब जनता के रोजमर्रा से जुड़े मुद्दों पर वापस लौटती दिख रही है तो इन बैंड बाजा पार्टी और घोड़ी डांस करने वालों की कोई जरूरत नहीं है।

राहुल ने जातिगत जनगणना को चुनाव का मुख्य मुद्दा बना दिया है। और अब पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और उसके बाद लोकसभा चुनाव इसी पर होना हैं। कर्नाटक में हिट होने के बाद राहुल अपने नारे ह्यजितनी आबादी उतना हकह्न को अब देशव्यापी रूप दे रहे हैं। सोमवार को छत्तीसगढ़ में उनकी चुनावी सभा पूरी तरह जातिगत जनगणना और ओबीसी दलित आदिवासी महिलाओं को महिला बिल में अलग से आरक्षण देने पर ही केंद्रित रही।

उधर दूसरी तरफ मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री मोदी की सभा पूरी तरह कांग्रेस पर केंद्रित रही। वहां बीस साल से भाजपा का शासन है। बीच में कुछ समय के लिए 15 महीने कांग्रेस की सरकार थी। मगर मोदी जी कह रहे थे कि कांग्रेस ने मध्य प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया! डबल इंजन एक नया शब्द ईजाद किया है मोदी जी ने। वैसे भी खेल सारा जुमलों का ही है। अभी दो अक्टूबर आ रहा है। सरकार बनाते ही पहली दो अक्तूबर 2014 को स्वच्छता अभियान का जुमला दिया था। खुद झाड़ू लेकर सफाई करने लगे। मगर नौ साल हो गए गदंगी और बढ़ गई। क्योंकि करना कुछ नहीं है सिर्फ कहना है। 15 लाख हर एक एक के खाते में, दो करोड़ रोजगार हर साल, महिला सुरक्षा, जो भाजपा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह के कारनामों से जाहिर है। दिल्ली पुलिस ने अभी अदालत में बताया कि वह हर मौके पर महिला पहलवानों के साथ हरकत करता था और अभी भी गिरफ्तारी से बाहर है और कह रहा है कि कौन उसका टिकट काटेगा? नाम बताओ कौन काट रहा है टिकट? के दंभ में अभी भी भाजपा, पुलिस, न्यायपालिका सब को चैलेंज कर रहा है। मीडिया को तो क्या चैलेंज करना वह तो गोदी में बैठकर लपाड़े खा रही है। तो इन सारे जुमलों कहानियों में एक डबल इंजन भी लाया गया था। जिसके अब लगता है दोनों इंजन बैठ गए हैं। इसलिए तो मध्य प्रदेश में 20 साल से भाजपा की राज्य सरकार और साढ़े नौ साल से केंद्र सरकार के होते हुए भी कांग्रेस उसे बीमार बना देती है! मतलब जनता बिल्कुल ही बेवकूफ है! उसके दिमाग में यह नहीं आएगा कि अगर कांग्रेस 20 साल से सत्ता के बाहर रहते हुए भी राज्य को बीमार बना सकती है तो सत्ता में आने पर तो फौरन तंदुरुस्त भी कर सकती है।

जनता को बेवकुफ बनाया जा सकता है। मगर हमेशा नहीं। गांव देहात में कहते हैं कि भाई साहब थोड़ी सी अक्कल हममें भी है। रोटी हम भी खाते हैं। यहां रोटी और अक्ल का संबंध बहुत सारे लोग नहीं समझते इसलिए बता देते हैं कि रोटी का मतलब होता है अनाज पैदा करना आना और उसकी रोटी बनाना। इंसान अक्ल से यह सीखा है। जानवर नहीं कर पाता। इसलिए कहते हैं कि अक्ल उसमें नहीं है। तो गांव में कहते हैं कि रोटी हम भी खाते हैं। मतलब अक्ल केवल तुम में ही नहीं है। थोड़ी बहुत हममें भी है। मोदी जी की एक बात की तो तारीफ करना होगी की वे हार नहीं मानते। मध्य प्रदेश में जब उन्हें लगा कि स्थिति ठीक नहीं है तो हथियार डालने के बदले उन्होंने और बड़े हथियार निकाल लिए। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि वे चुनाव लड़ना नहीं चाहते थे मगर अचानक उनका नाम घोषित कर दिया गया। ऐसे ही केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का। तीन केंद्रीय मंत्रियों सहित सात सांसदों का। सब हैरान परेशान। मगर आंख पर पट्टी बांधे मीडिया को लगा कि वाह क्या चौंकाया! उसी धुन में एक बड़े नेता से, जिन्हें बिना उनकी मर्जी के टिकट दिया गया है मीडिया ने कहा कि सर मान गए क्या मास्टर स्ट्रोक है तो उसे ऐसी मास्टर पीस गाली दी गई कि बहुत देर तक समझ में नहीं आया कि यह क्या हो गया! अंध भक्ति कर करके मीडिया की अक्ल भी तो कुंद हो गई है। खाली चिमटा और खड़ताल ही बजाते रहोगे तो हारमोनियम पर सारेगामापा निकालना भी भूल जाओगे।

तो मध्य प्रदेश जैसा कि राहुल ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पिछले साल इंदौर में ही कह दिया था कि हम जीत रहे हैं। राहुल इस समय फॉर्म में हैं तो उनका हर शॉट सही लग रहा है। कर्नाटक कहा था तो जीते। अब मध्य प्रदेश केवल कह ही नहीं रहे, बल्कि 150 भी कह रहे हैं। मोदी जी के कल के भोपाल के कांग्रेस केंद्रित भाषण और उसके बाद तीन केंद्रीय मंत्रियों और चार सांसदों को अचानक टिकट देने से यह साबित हो गया कि मध्य प्रदेश में भाजपा की स्थिति अच्छी नहीं है। दरअसल वहां अब जनता चुनाव लड़ रही है। वैसे यह पहली बार नहीं है कि जनता कांग्रेस को लाना चाह रही है। इससे पहले भी मध्य प्रदेश में जनता ने कोशिश की। मगर कांग्रेस ने उससे ज्यादा कोशिश की कि वह सत्ता में नहीं आए। गुटबाजी उसकी सबसे बड़ी समस्या थी। मगर अब कांग्रेस का सबसे बड़ा प्लस प्वाइंट ही यह है कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस में कोई गुटबाजी नहीं है। सब एक हैं। जो छोटे मोटे डिफरेंसेंज थे वे भी अब जनता के दबाव में दूर हो गए हैं। बस अब सब एक ही बात चाहते हैं कि टिकट वितरण सही हो। अगर टिकट सही प्रत्याशियों को दे दिए गए तो राहुल का 150 का आंकड़ा भी सही साबित हो जाएगा।

संसद द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक-2023 पारित

विनोद कुमार सिंह

संसद द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक-2023 पारित कर दिया गया है। यह उपलब्धि छोटी नही है, बल्कि भारतीय राजनीति के इतिहास का स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा। यह विशेष उपलब्धि हमें 17वी लोकसभा के 13वाँ 5 दिवसीय विशेष सत्र में देश को मिला है। जैसा कि आप को मालूम है कि मोदी सरकार के द्वितीय कार्यकाल में यह विशेष सत्र बुलाया गया था। संसद के इस विशेष सत्र को लेकर पूर्व में कांग्रेस समेत विपक्ष के सभी राजनीतिक दलों द्वारा शक व शंका जताई जा रही थी कि सरकार की क्या मजुबरी है, जो संसद का विशेष सत्र बुलाया जा रहा है। वह भी तब जब कुछ दिन पुर्व ही मानसुन सत्र का सत्रावसान हुआ हो। कांग्रेस की नेत्री सोनिया गाँधी अपने पत्र में चिन्ता जाहिर की गई। हालाकि सरकार द्वारा श्री मति सोनिया गाँधी के पत्र जबाव दिया गया। संसद के इस विशेष सत्र के पहले दिन पुराने रांसद भवन(जिसे अब संविधान सदन के नाम जाना जायेगा)आजादी के 75 वें पर सतापक्ष व विपक्ष द्वारा चर्चा की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नेहरू काल से डाङ्क मनमोहन सिंह के कार्यकाल की चर्चा करते हुए देश के विकाश में उनके योगदान को सहारा गया। इन्दिरा गाँधी, अटल विहारी बाचपेयी, नरसिंहाराव आदि प्रधान मंत्री की भुमिका पर चर्चा व प्रसंसा की गई। विशेष के दुसरे दिन पुराने भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी व सभी सांसद सदस्यों का ग्रुप फोटो के बाद संविधान की प्रति लेकर अपनी अपनी यादों के संजोय कर नये संसद भवन में विधिवत प्रवेश किया। प्रधानमंत्री के संग सभी माननीय सांसदों ने अपने मन मे एक दृढ संक्लप ले कर सन 2047 के भविष्य के भारत का सपना लेकर प्रवेश किया। तारिख थी 19सितम्बर 23 थी। आप को ध्यान दिलाना चाहुँगा कि इससे पहले17 सितम्बर के संध्या में पुराने रांसद भवन व नए ससंद क

संक्षिप्त खबरें

खालीस्तानी आतंकियों के कनेक्शन को लेकर एनआईए ने उप्र के कई जिलों में की छापेमारी

एनआईए की टीम ने बुधवार की सुबह खालिस्तान अतांकियों और उनसे जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के कई जिलों में एक साथ छापेमारी की है। सूत्रों की मानें तो एनआईए की टीम ने उत्तर प्रदेश के जनपद पीलीभीत,लखीमपुर खीरी, अलीगढ़ और सहारनपुर में एक साथ छापेमारी की है। इस दौरान कुछ अहम जानकारियां भी टीम के हाथ लगी हैं। हालांकि इस कार्रवाई को लेकर यूपी पुलिस का कोई भी अधिकारी कुछ भी बोलने से इनकार कर रहे हैं। एनआईए की छापेमारी को लेकर स्थानीय पुलिस, एसटीएफ, एटीएस और लोकल जांच एजेंसी एलआईयू भी सक्रिय है। एनआईए की यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश के अलावा उत्तराखण्ड, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, झारखंड और हरियाणा सहित कई राज्यों के तकरीबन 50 से अधिक ठिकानों पर चल रही है। उल्लेखनीय है कि खालिस्तान समर्थकों पर शिकंजा कसने के लिए भारत की तमाम जांच एजेंसियों ने एक साथ बड़ी बैठक की थी। इसके बाद ही कई राज्यों में यह छापेमारी की कार्रवाई शुरू हो गई है।

खाद्य विभाग की टीम के सहसवान पहुंचते ही मची खलबली दुकानदार दुकान बंद करके हुए रफूचक्कर

बदायूं सहसवान बताते चलें कि आज दिनाँक 27.09.23 को सचल प्रयोगशाला (ऋह्ह) के माध्यम से सहसवान अकबराबाद चौराहा स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों से विभिन्न खाद्य पदार्थों की मौके पर ही जाँच कर जागरूक किया गया।मौके पर 25 नमूने जांचे गए जिसमे से 3 नमूने मानक के विपरीत पाए गए। मानक के विपरीत पाए गए खाद्य पदार्थ के खाद्य कारोबार कताओं को सुधार करने की चेतावनी दी गयी अन्यथा की स्थिति में कठोर कार्यवाही की जाएगी अन्यथा की स्थिति में आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।डोयम 24 मशीन के माध्यम से खाद्य पदार्थ सेकेन प्रयुक्त खाद्य तेल का परीक्षण किया गया जिसमें भागीरथ नान भंडार के तेल की एसिड वैल्यू 5.9 पाया गया जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। फूड इंस्पेक्टर माता शंकर पांडे द्वारा लोगों को जागरूक किया गया और बताया गया की किसी भी तरह के मिलावटी चीजों के खाने से सेहत पर क्या असर पड़ता है इसी लिए भारत सरकार द्वारा जनता और प्रतिष्ठान मालिकों को जागरुक करने के लिए इस सचल प्रयोगशाला वैन को जिले में भेजा गया है जिसे आज सहसवान में लाकर लोगों को और प्रतिष्ठान मालिकों को जागरुक किया गया।

कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, मंत्री बाल बाल बचे

उत्तर प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री आशीष पटेल का वाहन बुधवार दोपहर करछना थाना अंतर्गत भीरपुर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें मंत्री बाल बाल बच गए। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मंत्री मिजार्पुर मार्ग से प्रयागराज वापस आ रहे थे, तभी उनकी सुरक्षा में आगे चल रहे वाहन से उनके वाहन की टक्कर हो गई और इस टक्कर से मंत्री के वाहन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद मंत्री दूसरे वाहन से अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

अवैध शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब की एक बड़ी खेप तस्करी के जरिये बिहार ले जा रहे एक तस्कर को बुधवार को भदोही जिला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक मीनाक्षी कात्यान ने बताया की जिले के ज्ञानपुर थाना सिंहपुर नहर पुलिया से मंगलवार की रात को एक ट्रक को रोककर तलाशी ली। ट्रक पर मधुमक्खी पालन करने वाले 120 खाली डिब्बे मिले, जिसके पीछे 410 पेटियों में 3690 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई। बरामद की गयी शराब की कीमत करीब सत्तर लाख रुपए है। उन्होंने बताया की गिरफ्तार किये गए व्यक्ति सुखदेव सिंह निवासी थाना कलेर कला जनपद गुरुदास पुर पंजाब ने पूछताछ में बताया की ये अंग्रेजी शराब पंजाब की बनी हुई है जिसे वो बिहार में ऊंचे दाम पर बेचने को ले जा रहा था। पुलिस अधीक्षक ने बताया उसके पास का मिला ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी है इसके साथ ट्रक पर दो अन्य राज्यों की फर्जी नंबर प्लेट भी पाई गई है। कात्यान ने बताया की एक बड़ा गिरोह है जो लगातार पंजाब से बिहार के लिए अवैध अंग्रेजी शराब बेचने का रैकेट चला रहा है जिसके तार पंजाब और बिहार में जुड़े हुए है। गिरोह को पकड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं।

मथुरा जंक्शन प्लेटफार्म पर पटरी छोड़कर प्लेटफार्म में दौड़ी ईएमयू ट्रेन, पोल से टकराने के बाद टला हादसा

मथुरा, एजेंसी

मंगलवार को दिल्ली के शकूर बस्ती से मथुरा जंक्शन के लिए रवाना हुई ईएमयू ट्रेन मंगलवार की रात्रि मथुरा जंक्शन प्लेटफार्म आने से पूर्व पटरी से उतरकर प्लेटफार्म पर चढ़ गई। इस दौरान आगे लगे बिजली के पोल से टकरा गई और बड़ा हादसा टल गया। दिल्ली साइड के ऐडिंग पाइंट पर ट्रेन के चढ़ने की जानकारी मिलते ही स्टेशन पर हड़कंप मच गया। आरपीएफ और जीआरपी के अलावा रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। तकनीकी टीम ने आकर मोर्चा संभाला। प्लेटफार्म का करीब 30 मीटर का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका था। उल्लेखनीय रहे कि ट्रेन से यात्रियों के उतरने के बाद उसे शंटिंग करके वापस शकूर बस्ती जाने के लिए प्लेटफॉर्म पर लगाया जा रहा था। इसी दौरान ट्रेन की स्पीड अचानक बढ़ गई। वह ऐडिंग पाइंट को तोड़ते हुए प्लेटफार्म नंबर दो पर चढ़ गई। दिल्ली शकूर बस्ती स्टेशन से उत्तर रेलवे की ईएमयू ट्रेन संख्या 64910 प्रतिदिन चलती है। इस ट्रेन से बड़ी संख्या में दैनिक यात्री सफर करते हैं। मंगलवार को ट्रेन निर्धारित समय शाम 6 बजकर 20 मिनट पर शकूर बस्ती से चली। ट्रेन रात 10 बजकर 49 मिनट पर मथुरा जंक्शन स्टेशन पहुंची। यहां ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर लगी थी। प्लेटफॉर्म पर ट्रेन चढ़ते देख मौके पर अफरा-तफरी मच गई। यात्री जान बचाने के लिए भागने लगे। इसकी वजह से यात्रियों के कुछ बैग ट्रेन के नीचे आ गए। लेकिन ट्रेन जब लाइट के पोल से टकरा कर रुक गई तो लोगों ने राहत की सांस ली। हादसे के बाद उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल से तकनीकी टीम मथुरा पहुंची। इसके साथ ही ट्रेन को प्लेटफॉर्म से हटाने की कार्यवाही शुरू की गई। देर रात तक चली प्रक्रिया के बाद ट्रेन को प्लेटफॉर्म से हटाकर वापस रेल ट्रैक पर लाया गया। मथुरा स्टेशन के निदेशक एसके श्रीवास्तव ने बताया कि सभी यात्री पहले ही ट्रेन से उतर चुके थे। हादसे में किसी को भी चोट नहीं आई है। घटना का कारण पता करने को टीम गठित कर दी गई है। उन्होंने ट्रेन शकूर बस्ती से आती है, ट्रेन रात 10:49 बजे मथुरा जंक्शन पहुंची थी, ट्रेन की स्पीड, निर्धारित स्पीड से ज्यादा बढ़ गई। जिसकी वजह से ड्राइवर कंट्रोल नहीं कर सका और ट्रेन प्लेटफॉर्म पर चढ़ गई। हम इस घटना के कारण की जांच कर रहे हैं। हालांकि इस हादसे के कारण प्लेटफार्म पर निर्धारित कुछ ट्रेनें प्रभावित हुई हैं।

समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष शहजाद चौधरी का निधन, समर्थकों में दौड़ी शौक की शहर

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा / गढ़मुक्तेश्वर।स्योहारा निवासी पत्रकार के बहनोई शहजाद चौधरी के निधन पर शोक प्रेस क्लब कार्यालय पर शोक सभा आयोजित की गई। जिसमें पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया। वही नगर के बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों ने शोक प्रकट किया।प्राप्त जानकारी के अनुसार स्योहारा से दैनिक भास्कर के पत्रकार नादिर त्यागी के बहनोई गढ़ निवासी 50 वर्षीय शहजाद चौधरी का हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया।शहजाद चौधरी के अचानक हुए निधन से उनके परिवार में कोहराम मच गया और उनके गृह नगर गढ़मुक्तेश्वर (जिला हापुड़) में शोक की लहर दौड़ गई। शहजाद चौधरी के निधन की खबर सुनकर उनके रिश्तेदार, मित्र, शुभचिंतक सभी स्तब्ध रह गये। मृतक अपने पीछे पत्नी सहित दो पुत्र और एक पुत्री को रोता बिलखता छोड़ गए।आपको बताते चलें शहजाद चौधरी मूल रूप से गढ़मुक्तेश्वर जिला हापुड़ के रहने वाले थे और समाजवादी पार्टी से जुड़े हुए थे वह लगभग 1995 से ही पार्टी के लिए मुख्य भूमिका में सक्रिय होकर काम कर रहे थे वह गढ़मुक्तेश्वर समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष भी रहे। 2007 में सरकार के द्वारा जन विरोधी कार्य करने को लेकर समाजवादी पार्टी के द्वारा किए गए आंदोलनो में वह जेल भी गए। उनके जीवन में राजनीति को लेकर अनेक उतार चढ़ाव आए लेकिन विषम परिस्थितियों में भी उन्होंने समाजवादी पार्टी को नहीं छोड़ा और लगातार समाजवादी पार्टी के लिए जीवन की आखिरी सांसों तक समाजवादी पार्टी के लिए काम करते रहे। अभी गत सप्ताह पूर्व उनको जिला हापुड़ समाजवादी पार्टी ने जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप थी।शहजाद चौधरी के निधन पर स्योहारा नगर पालिका परिषद के चैयरमैन फैसल वाराणसी, वरिष्ठ समाजसेवी चिकित्सक डा.मनोज कुमार वर्मा, लक्ष्य ग्रुप ऑफ कालेजेस संस्थापक एवं पूर्व ज़िलाध्यक्ष राजपाल सिंह चौहान, बसपा मुरादाबाद के पूर्व लोकसभा प्रभारी हाजी मौहम्मद इलियास, ब्लाक प्रमुख उज्जवल चौहान, अनुराग चौहान, सांसद गिरीश चंद्र, पूर्व विधायक हाजी नईमुलहसन, सपा जिलाध्यक्ष अनिल यादव, चौधरी जकीउर्रहमान, चौधरी फहीमुर्रहमान, आदिल चौधरी, मा.हाजी अनवर जमाल, डा.दानिश कमाल, डा.जानिब हाशमी, पालिकाध्यक्ष फैसल वारसी, पूर्व डीएसपी इकबालुज्ममा, असजद चौधरी, थाना प्रभारी हम्बीर सिंह, कांग्रेस नगर अध्यक्ष खलीक चौधरी, डा.नसीम हाशमी, हाजी जमील अहमद, युवा नेता नजीबुलहसन, हाफिज शमीम अंसारी, प्रधान ग्राम चकमहदूद सानी कासिम अंसारी, बसपा नगराध्यक्ष इफ्तेखार चौधरी, सभासद यूसुफ चौधरी, शमीम शब्बू, पप्पू मंसूरी, सरफराज अंसारी, प्रेस क्लब अध्यक्ष रियाज उर्फ.प्रिंस जमाल, डा.सुआलेह अहमद, धर्मेंद्र कुमार, चमन भारद्वाज, गय्यूर चौधरी, आकाश तोमर, अरशद चौधरी, विपिन शर्मा, फजल अंसारी, अश्वनी विश्नोई, राशिद पीटर, अंकुल प्रजापति, इकबाल अंसारी आदि ने मृतक की आत्मा को शांति की प्रार्थना की।

माटी कला कॉमन फैसिलिटी सेंटर का शुभारम्भ

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर जनपद के ग्राम अल्लीपुर भूड़ में माटी कला कॉमन फैसिलिटी सेंटर के शुभारम्भ कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जिसमें उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष (राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार)ओमप्रकाश गोला की उपस्थिति में माटी कला कॉमन फैसिलिटी सेंटर (मिट्टी उद्योग व ट्रेनिंग सेंटर) एवं कुल्हड़ व मिट्टी के बर्तन बनाने वाली मशीन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी डॉ उत्तम सिंह प्रजापति (मंडल अध्यक्ष गजरौला),धनौरा विधायक राजीव तरारा व जिला पंचायत सदस्य पिन्टू भाटी, महेश प्रधान, अंकुर नागर व सभी सम्मानित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।उसके पश्चात अमरोहा के आवास विकास कालोनी निवासी, भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एडवोकेट राहुल शर्मा के असामयिक निधन के उपरांत उनके आवास पर पहुंचकर परिजनों से मिलकर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया।उसके बाद अपने आवास/कैंप कार्यालय चौधरी कंवर सिंह तंवर सेवा केंद्र झनकपुरी, ठल्-09, गजरौला पर सम्मानित क्षेत्रवासियों की जनसमस्याएं सुनकर उनका निस्तारण कराया।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव दो दिवसीय चुनावी दौरे पर मध्यप्रदेश रवाना

लखनऊ, एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मध्यप्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को राजधानी लखनऊ से रवाना हो गए। एमपी में 28 सितम्बर तक के प्रस्तावित कार्यक्रमों में सपा अध्यक्ष शामिल होंगे और वहां चल रहे चुनावी समर में पार्टी का जनाधार बढ़ाने का प्रयास करेंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आज से दो दिवसीय दौरे के लिए मध्यप्रदेश के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान सपा अध्यक्ष कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। अखिलेश यादव विधानसभा एमपी में चल रहे विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार की शुरूआत करेंगे। वे लखनऊ से एमपी के रीवा पहुंचकर पार्टी के नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे सिरमौर में एक जनसभा को सम्बोधित कर चुनावी बिगुल फूकेंगे। यहां से सपा अध्यक्ष खजुराहो पहुंचेगे। जहां पर एक पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत करेंगे। गौरतलब है कि लोकसभा 2024 चुनाव को लेकर विपक्षी दलों का गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (आईएनडीआईए) बना है। इस गठबंधन का समाजवादी पार्टी भी हिस्सा है। गठबंधन के तहत अखिलेश यादव अपनी उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के अन्य हिस्सों में भी पार्टी को मजबूत करने में जुटे हैं। इसके तहत ही उनकी रणनीति पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों पर नजर है। इन चुनावों में मिजोरम को छोड़कर मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में सपा चुनाव लड़ने जा रही है। ऐसे में अखिलेश का मध्यप्रदेश का यह चुनावी दौरा अहम है।

"पल्स-2023" में विम्स का जलवा, अलग-2 स्पर्धाओ में झटके एक दर्जन से अधिक पदक

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। दिल्ली में आयोजित 17 से 25 सितम्बर तक आयोजित पल्स-2023 में विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक प्रतिस्पधाओं में देश के सौ से अधिक सरकारी एवं निजी मेडिकल कॉलेजो के बीच वेंक्टेश्वरा के छात्र-छात्राओ ने भ्रूण हत्या निषेध नुक्कड़ नाटिका, महिला सशक्तीकरण क्लासिक नृत्य स्पर्धाओ, डिबेट प्रतियोगिता, रन फॉर यूनिटी आदि मे शानदार प्रदर्शन करते हुए पाँच गोल्ड मेडल, चार सिल्वर एवं तीन कॉस्य पदक किये हासिल कर एक दर्जन पदकों पर कब्जा किया है।एम्स के आठ दिवसीय इन्टरयूनिवर्सिटी खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव "पल्स-2023" के बारे में विस्तार से बताते हुए विम्स के प्रोग्राम कोर्डिनेटर एवं चीफ वार्डन डॉ0 बी0बी0 बोरा ने बताया कि एम्स के इस राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित "स्पोर्टस एवं कल्चरल फेस्टीवल पल्स-2023" में सफदरजंग राममनोहर लोहिया, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, के0जी0एम0यू0 समेत देश के 100 से अधिक मेडिकल कॉलेज एवं विश्वविद्यालयो के बीच में विम्स के पैंतीस सदस्यीय मेडिकल स्टूडैन्टस की टीम में अनुजा एवं अनिल की टीम ने सेमीक्लासिक नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया, वही क्लासिकल सोलो में अनिकेत पन्त ने गोल्ड हासिल किया। हिन्दी मुशायरा में हिमांशु अरोडा एवं वजीर कुरैशी ने देश में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं फैशन शो, भ्रूण हत्या पर नुक्कड नाटक में अनिकेत अनुजा एण्ड टीम ने सिल्वर पर कब्जा किया। रन फॉर यूनिटी एवं मैत्री फुटबाल मैच में रजत पदक प्राप्त किया। विम्स के छात्रो की इस शानदार उपलब्धि पर उनको बधाई देने वालो में डॉ0 अभय भटनागर, डॉ0 मानिक त्यागी, डॉ0 इकराम ईलाही, डॉ0 अवधेश, डॉ0 शाहिद मीर, डॉ0 सौरभ कंसल, डॉ0 सची अहलावत, डॉ0 बी0एस0 त्यागी, डॉ0 मोनिका देशवाल, मेरठ परिसर से डॉ0 प्रताप, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदिमौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने की महिला पीएसी बटालियन के निर्माण कार्यों की समीक्षा

कार्यों में तेजी लाएं कार्यदायी संस्थाएं अन्यथा होगी कड़ी कार्रवाई

- प्रदेश में ईपीसी मोड में बनाए जा रहे हैं 65 भवन

प्रात : किरण संवाददाता

बदायूँ : । प्रदेश में 65 भवनों का निर्माण इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड पर कराया जा रहा हैं। इनमें से एक महिला पीएसी बटालियन के निर्माण कार्यों की कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी मनोज कुमार ने कार्यदायी संस्थाओं से स्पष्ट रूप से कहा कि वह निर्माण कार्यों में तेजी लाएं अन्यथा उनके विरुद्ध कार्यवाही हेतु शासन को पत्र लिखा जाएगा। उन्होंने रिपोर्टिंग फॉर्मेट को बदलने के लिए निर्देशित किया तथा लेबर व मटेरियल सपोर्ट को बढ़ाने के लिए कहा। जिलाधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि महिला पीएसी बटालियन का निर्माण शासन व प्रशासन की प्राथमिकताओं में है। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाएं कार्य में तेजी लाएं। डीएम ने कहा कि आगामी 10 से 15 अक्टूबर के मध्य महिला पीएसी बटालियन की साइट पर ही निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आहूत की जाएगी। जिलाधिकारी के संज्ञान में आया कि अवमुक्त धनराशि 150 करोड़ रुपए में से आवासीय में 87 करोड़ रुपए व अनावासीय में अवमुक्त धनराशि 56 करोड रुपए में से संबंधित कार्यदायी संस्थाओं द्वारा व्यय किया जा चुका है।

अगली किश्त के रूप में अनावासीय के लिए 28 करोड़ रुपए की धनराशि प्राप्त हुई है। उनके संज्ञान में आया कि आवासीय में 23.01 प्रतिशत तथा अनावासीय में 50 प्रतिशत कार्य संबंधित कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्ण किया जा चुका है। ज्ञात हो कि दातागंज के ग्राम सैंजनी में महिला पीएसी बटालियन का निर्माण रुपए 412.78 करोड़ की लागत से ईपीसी मोड पर किया जा रहा है। आवासीय निर्माण रु 300.47 करोड़ तथा गैर आवासीय निर्माण रुपए 112.3099 करोड़ों से कराया जा रहा है। आवासीय परिसर का निर्माण पीएसपी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड अहमदाबाद द्वारा कराया जा रहा है तथा गैर आवासीय परिसर का निर्माण शिवांश इंफ्राटेक डेवलपर्स लिमिटेड लखनऊ द्वारा कराया जा रहा है। निमार्णाधीन परिसर का कुल क्षेत्र 19.68 हेक्टेयर है। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग बरेली डिवीजन संजीव कुमार ने बताया कि प्रदेश में ईपीसी मोड में लगभग 65 भावनाओं का निर्माण कराया जा रहा है जिनमें सभी मंडल मुख्यालयों पर एक-एक अटल आवासीय विद्यालय अन्य जनपदों में मेडिकल कॉलेज, जेल व बदायूं की महिला पीएसी बटालियन का निर्माण आदि हैं। उन्होंने बताया कि 18 अटल आवासीय विद्यालयों में से 16 का निर्माण पूर्ण हो गया है दो पर युद्ध स्तर पर कार्य जारी है। इस अवसर पर अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी प्रदीप त्यागी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग बरेली डिविजन संजीव कुमार, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग तनुजा मेहता सहित कार्यदायी संस्था पीएसपी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड व शिवांश इंफ्राटेक डेवलपर्स लिमिटेड के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

योगी ने जनता दर्शन में आये लोगों को सरकार के उनके साथ होने को लेकर किया आश्वस्त

गोरखपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में बुधवार सुबह आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों को आश्वस्त किया कि बिल्कुल मत घबराइए सरकार आपके साथ है और प्रभावी कार्रवाई करते हुए सबकी समस्या का समाधान हर हाल में किया जाएगा। मुख्यमंत्री गोरखनाथ मंदिर परिसर में आज सुबह जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात करने के बाद पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उनका संतुष्टिपरक समाधान कराएं। जरूरतमंदों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। योगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद पहुंचे और समस्या सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। उनकी बात इत्मीनान से सुनने के बाद पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग.अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले भरोसे से बहुत संबल मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि जन स्वास्थ्य की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। जनता दर्शन में अपने परिजनों के साथ आये बच्चों को भी मुख्यमंत्री ने खूब दुलारा। उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली और चॉकलेट के साथ खूब पढ़ने तथा आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया।

गंगेश्वरी ब्लॉक खंड में नशे के प्रति लोगों को किया जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता

रहरा। ब्लाक खंड गंगेश्वरी में नशा मुक्ति जागरूक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें जनता को संबोधित करते हुए सहायक विकास अधिकारी एडीओ समाज कल्याण प्रमोद कुमार ने नशे को लेकर जागरूक किया और बताया नशा एक अभिशॉप है नशे से न केवल वर्तमान बल्कि भाबी पीडिया भी बर्बाद होती जा रही हैं शरीर का नास होता जा रहा है नशा करके हमारे समाज आज खोखला हो गया है और बताया भारत को नशा मुक्त बनाने के लिए हम सभी को जागरूक होकर समाज को भी जागरूक करना होगा। नशा करने से सामाजिक प्रतिष्ठा भी खराब होती है नशे से दूर रहना चाहिए साथ ही अपने बच्चों को मार्गदर्शन देते हुए कहां परिवार में कोई भी परिजन नशीले पदार्थ बीड़ी सिगरेट तंबाकू गुटका आदि मांगते हैं तो उसको तुरंत आप मना कर दीजिए और उनको भी समझाइए कि आप नशा ना करें इस दौरान ग्राम प्रधान खुरतिया जयपाल सिंह ङ्कि आईएसबी राजकुमार एडीओ प्रमोद कुमार सचिन कुमार गोलू राय संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

प्रमोद नागर ने किया भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गौस्वामी का स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

रहरा। नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गौस्वामी ने पार्टी के विस्तार के लिए क्षेत्र में जनसंपर्क किया और लोगों को केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याण कारी योजनाओं से अवगत कराया। इस दौरान गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र के गांव तरौली के ग्राम प्रधान के आवास पर नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गौस्वामी का कार्यकताओं द्वारा फूल मालाओं से स्वागत किया गया व ग्राम प्रधान पति प्रमोद नागर एवं गांव के सम्मानित व्यक्तियों द्वारा पगड़ी बांधकर सम्मान किया गया। इस मौके पर पुरुषोत्तम नागर महिपाल, वीरपाल नागर,धर्म सिंह, बिरम सिंह, हरनंदन सिंह, जयपाल सिंह,मनवीर नागर,अनुज नागर, भूदेव नागर, प्रदीप नागर, जगरूप सागर, करण सागर, सतपाल सागर, हरकिशन सागर, परम ठाकुर, विशंभर शर्मा,बबलू शर्मा,ओमपाल गांधी, अमरपाल नागर, पुखराज नागर,साहब सिंह,आनंद नागर, शेरपाल सिंह,जतन सिंह आदि गांव के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नोरक्स फ्लेवर्स प्राइवेट लिमिटेड को मुंबई स्थित कार्यक्रम मे प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया

प्रात : किरण संवाददाता

धनौरा। नगर स्थित नोरेक्स फ्लेवर्स प्राइवेट लिमिटेड को इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा प्रतिष्ठित प्रथम पुरस्कार से बम्बई में आयोजित कार्यक्रम मे प्रबंध निदेशक वैभव अग्रवाल को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।सस्टेन अवाड्र्स 2023 का आयोजन मुंबई स्थित ताज लैंड्स एंड होटल में किया गया। पुरस्कार इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रेसिडेंट द्वारा दिया गया।सस्टेनेबल डेवलपमेंट का कांसेप्ट दशकों से है और एक आधुनिक कांसेप्ट के रूप में, इसे मूल रूप से 1987 में ब्रुंटलैंड रिपोर्ट द्वारा आगे लाया गया था। इसे केवल विकास के रूप में परिभाषित किया गया था जो भविष्य की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान दुनिया की जरूरतों को पूरा करता है।सस्टेनेबल डेवलपमेंट के तीन स्तंभ सस्टेनेबल डेवलपमेंट तीन मुख्य स्तंभों में निहित है जिसका उद्देश्य समावेशी विकास प्राप्त करना और साथ ही वर्तमान पीढ़ी के लिए साझा समृद्धि बनाना और भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों को पूरा करना जारी रखना है। ये तीन स्तंभ आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण विकास हैं और आपस में जुड़े हुए हैं और सामुदायिक विकास और सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता के लक्ष्यों को दशार्ते हैं। नोरेक्स की सस्टेनेबिलिटी टीम की कड़ी मेहनत और संपूर्ण नोरेक्स टीम द्वारा अपनाई गई जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं के परिणाम स्वरूप यह मान्यता प्राप्त हुई।

संजय गांधी अस्पताल लाइसेंस निलंबन : उच्च न्यायालय से नहीं मिली राहत

लखनऊ, एजेंसी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के अमेठी स्थित संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस निलंबित करने के मामले में सुनवाई करते हुए शासकीय अधिवक्ता को इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार से निर्देश प्राप्त करने का आदेश दिया और पूछा कि मामले की जांच कब तक पूरी होगी। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति मनीष कुमार की पीठ ने अस्पताल प्रशासन को कोई अंतरिम राहत नहीं दी। मामले की अगली सुनवाई तीन अक्टूबर को की जाएगी। अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता राहुल शुक्ला ने अदालत में राज्य सरकार का पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि अस्पताल के पास सर्जरी का लाइसेंस नहीं होने के बावजूद वहां सर्जरी की जा रही थी। संजय गांधी अस्पताल का लाइसेंस, 17 सितंबर को दिव्या शुक्ला नामक एक महिला की मौत होने के बाद 18 सितंबर को निलंबित कर दिया गया था। अमेठी के राम शाहपुर की महिला मरीज दिव्या शुक्ला को 14 सितंबर को प्रसव के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसके पति ने दावा किया कि ऑपरेशन के दौरान अधिक मात्रा में एनेस्थीसिया दिए जाने की वजह से उसकी हालत बिगड़ गई और उसकी मृत्यु हो गई। संजय गांधी अस्पताल का संचालन दिल्ली स्थित संजय गांधी मेमोरियल ट्रस्ट करता है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी इस ट्रस्ट की अध्यक्ष हैं तथा पार्टी नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा इसके सदस्य हैं।

संक्षिप्त खबरें

राम कथा का आयोजन

गंगटा(मुंगेर)। गंगटा थाना क्षेत्र के बेनीचक , बनहारा, हवेली खड़गपुर निवासी शंभू सिन्हा के सहयोग से रंगनाथ धाम बेनीचक को बनहारा के प्रांगण में 29 अक्टूबर 2023 से 06 नवंबर 2023 तक आचार्य श्री कौशलेंद्र जी महाराज द्वारा अपराह्न 2:00 से 6:00 तक राम कथा का आयोजन होगा। इस रामकथा आयोजन का उद्धघाटनकर्ता परमहंस स्वामी निरंजनानंद जी महाराज करेंगे।

हड़ताल को सफल बनाने के लिए सेविकाओं ने की बैठक

सदर मुंगेर ।विभिन्न मांगों को लेकर आगामी 29 सितंबर से शुरू होने वाली अनिश्चितकालीन हड़ताल को सफल बनाने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी सेविका- सहायिका संघ की जिला महासचिव रश्मि कुमारी की अध्यक्षता में सोमवार को सीडीपीओ, सदर ग्रामीण के कार्यालय परिसर में एक बैठक का आयोजन किया गया ।बैठक में हड़ताल को सफल बनाने को लेकर गहन विचार-विमर्श विमर्श किया गया। सर्वसम्मति से हड़ताल को हर हालत में सफल बनाने का का निर्णय लिया गया ।इस बैठक में ग्रामीण के साथ-साथ शहरी क्षेत्र की सेविकाओं-सहायिकाओं ने भी भाग लिया ।बैठक के अंत में मुंगेर ग्रामीण की अध्यक्षा अंजुम आरा के नेतृत्व में सेविकाओं एवं सहायिकाओं ने बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, प्रियदर्शनी को हड़ताल से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा।

जर्जर भवन में होती है बच्चो का पठन पाठन

संग्रामपुर(मुंगेर) ।प्रखंड के प्राथमिक विधालय चन्द्रपुरा जीर्ण-शीर्ण में संचालित हो रहा है मंगलवार को विधालय में कक्षा 1 से 5 तक के बच्चे का परिक्षा चल रहा था ।जिसमें 3 कमरा में बच्चों का जांच परिक्षा एक ही शिक्षक के द्वारा लिया जा रहा था ।बच्चे भगवान भरोसे जीर्ण-शीर्ण विधालय भवण में परिक्षा दे रहे थे कक्षा 5 की छात्रा अंजलि कुमारी,सुक्रिया कुमारी कक्षा 4 के सोनी कुमारी,राजन कुमार,धर्मपाल कुमार रिशूराज ने बताया कि परिक्षा के दौरान डर लग रहा है जिस प्रकार छड़ छोड़कर गिर रहा है। कही गिर ना जाय,जबकि ग्रामीण बतलाम सिंह,साजन कौन सिंह चंदन सिंह,अमित सिंह,सुखराज ने बताया कि बहुत पुराना विधालय भवन है ।और जर्जर हो चुका है ।विधालय में पठन पाठन के दौरान और ढलाई का चट्टान गिर गया तो बहुत बड़ी घटना घट सकता है ।विधालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक महेशानन्द सिंह ने कहा कि बरसात के समय मे छत से पानी टपकता है,विधालय आने के लिए रास्ता तक नही है ।कीचड़ मय रास्ते से आना होता है,साथ ही विधालय भवन भी जर्जर है ।इसकी जानकारी वरीय पदाधिकारी को भी दिया गया है।

किसान मजदूर संघ के द्वारा दिया गया धरना

पूर्णिया ।बिहार किसान मजदूर संघ के द्वारा एकदिवसीय धरना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। धरना कार्यक्रम का आयोजन बिहार राजकिशन मजदूर संघ के प्रखंड अध्यक्ष प्रेमलाल महतो की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। धरना कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार राज्य मजदूर संघ के संस्थापक अनुरोध मेहता ने कहा कि किसान मजदूर के सहयोग से खेती कर पूरे देश में अनाज देने का काम किस करती है परंतु इस देश में सबसे ज्यादा किसान उपेक्षित है। उन्होंने कहा आज देश में राजमिस्त्री का पूर्ण प्रेम पूर्ण रूप से व्यवसायीकरण होते जा रहा है ।जनप्रतिनिधि समाज सेवा एवं देश सेवक को नजरअंदाज कर अपने जनप्रतिनिधि अपने स्वार्थ के लिए देश को बेच रहा है ।सरकार में बैठे भ्रष्ट जनप्रतिनिधियों के कारण प्रशासन को लूटकर सरकार के प्रतिनिधि को भेजते हैं जिसके चलते किसान मजदूर के साथ-साथ देश में आम अवाम को भी जीना दुर्लभ हो गया है ।प्रखंड हो अनुमंडल हो या जिला हो किसान मजदूर आम अवाम का काम बिना घूस दिए बिना चढ़ावा का कार्य नहीं होता है ।प्रखंड अध्यक्ष प्रेमलाल महतो ने कहा यह एक गंभीर स्थिति देश में बना हुआ है ।

समारोह आयोजित कर मनायी गयी पूर्व मंत्री खालिद रसीद की दूसरी पुण्यतिथि

पूर्णिया ।बिहार के पूर्व मंत्री रहे मरहूम खालिद रशीद सव की द्वितीय पुण्यतिथि उनके निवास स्थान नूर मंजिल में मनाई गई ।सर्वप्रथम उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई ।कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता गौतम वर्मा ने किया ।कार्यक्रम में सर्वप्रथम नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष जवाहर यादव ने उनके कृतित्व पर चर्चा करते हुए कहा की खालिद साहब नगर पालिका को 25 लाख रुपया देने का काम किया था ।इससे मधुबनी बाजार का मार्केट का निर्माण हुआ था ।विकास के प्रति उनकी बेचैनी थी ।सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता दिलीप कुमार दीपक ने उन्हें एक सिद्धांत वादी नेता करार देते हुए बताया की मंत्री पद पर रहते हुए जो इमानदारी उन्होंने दिखाया वह अनुकरणीय है। मौके पर वरिष्ठ नेता रंजन सिंह ने कहा कि वह एक नेक दिल इंसान थे और हमेशा लोगों की मदद के लिए खड़े रहते थे।

शहर में लोगों को डरा रहा डेंगू, मक्छर का कहर लगातार है जारी

डेंगू रोग से अब तक दो बच्चे की हो चुकी है मौत, निगम का रवैया उदासीन : मरीज

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। जिले भर में डेंगू मक्छर से प्रभावित बीमारी का कहर लगातार जारी है। वही दूसरी ओर अस्पतालों में भारी संख्या में मरीजों की भीड़ वृद्धि होती देखी जा रही है। जेएलएनएमसीएच में डेंगू मरीजों के लिए करीब 175 बेड बनाये गए है, वही करीब 130 मरीज इलाजरत हो भर्ती दिख रहे है। वही मरीजों की वृद्धि होते देख अस्पताल परिसर में एक सौ बेड के फेब्रिकेटेड वार्ड में सभी बेड पर मरीज भर्ती दिख रहे है। ज्यादातर मरीज 10 साल से नीचे के डेंगू रोग से पीड़ित हैं, इस बीमारी से ग्रसित होकर कुछ दिन पूर्व जिले के माउंट असीसी और माउंट कार्मल की एक - एक बच्चियों की मौत हो चुकी है। वही भागलपुर शहर में डेंगू मक्छर के डंक से बच्चे ज्यादातर प्रभावित हो रहे हैं, अस्पताल का पूरा डेंगू वार्ड बच्चों से खचाखच भरा हुआ दिख रहा है, 24 घंटे में 19 मरीज से मुलाकात की जिसमे से 16 मरीज जेएलएनएमसीएच तो 3 मरीज सदर अस्पताल में भर्ती मिले है। डेंगू का असर अब ज्यादातर छोटे छोटे बच्चों पर पड़ रहा है। वही जेएलएनएमसीएच के फेब्रिकेटेड वार्ड में 6 महीने का बच्चा इस्माइल भर्ती किया गया है जहां उसका इलाज जारी है। वहीं अस्पताल में 6 महीने से लेकर 10 साल तक के कई बच्चे भर्ती हो इलाजरत दिख रहे है।

दो बच्चीयों समेत पांच लोगों की अब तक डेंगू रोग से प्रभावित हो हुई मृत्यु: वही मरीजों की मौतों की बात करें तो दो बच्चीयों समेत पांच लोगों की अब तक डेंगू रोग से प्रभावित हो मृत्यु की गोद में समा चुके हैं। वही सभी लोग के मौत की वजह डेंगू से होने की पुष्टि हुई है। वहीं छह लोग ऐसे संदिग्ध रोग की चपेट में आकर मौत हो चुकी है। जिनमें शुरूआत में डेंगू के लक्षण पाये गये थे। वही विगत दिनों भीखनपुर इलाके की एक महिला की मौत हुई थी, वही मौत के बाद महिला का एलिजा रिपोर्ट आया एलिजा रिपोर्ट पॉजिटिव मिला है।

सबसे ज्यादा डेंगू के मरीज पटना के बाद भागलपुर में मिल रहे हैं अब तक अस्पताल में करीब 6 सौ से अधिक संख्या में डेंगू रोग से पीड़ित मरीज मिले है। वही जेएलएनएमसीएच के आईसीयू में डेंगू से पीड़ित एक जज का ईलाजरत है तो वहीं फेब्रिकेटेड वार्ड में डीपीआरओ की पत्नी का ईलाज चल रहा है। वही व्यवस्था में सुधार लाने को ले जिलाधिकारी की कड़े हिदायत मिलने के बाद भी निगम प्रशासन द्वारा शहर में फॉगिंग अब सही तरीके से नही कराया जा रहा है। शहर में इतने मरीजों के मिलने की बड़ी वजह सिर्फ निगम प्रशासन के उदासीन रवैया रहा है, जगह जगह कूड़े कचड़े के अंबार दिख रहे हैं तो वही जगह जगह जलजमाव होना सबसे बड़ी चूक है, और जिले में फॉगिंग न कराए जाने से मक्छर की तादात में वृद्धि के साथ साथ डेंगू का प्रकोप

बढ़ा होता दिख रहा है। अस्पताल से तीनगुना मरीज निजी क्लीनिक में मरीज अपना इलाज लोग करा रहे हैं।

चिकित्सक को ध्यान देने की है जरूरत : चिकित्सक: जिले के प्रशिद्ध चिकित्सक डॉ. हेमशंकर शर्मा ने कहा है कि अभी 100 से अधिक डेंगू के मरीज मायागंज अस्पताल में भर्ती हैं, जिसमें ज्यादातर बच्चे इलाजरत हैं, जिसमें जिले के जितनी भी सरकारी अस्पताल है, उनमें से तीनगुना अधिक बच्चे प्रभावित हो रहे है। अस्पतालों के अलावा आसपास के क्षेत्र इलाके में घरेलू निगरानी में इलाजरत चल रहे हैं, उनसे भी कई गुना जिले के आसपास के इलाके में स्थित निजी क्लीनिक अस्पताल में भी लोग भर्ती हो अपना इलाज करा रहे हैं। एक रिकॉर्ड के अनुपात में काफी हद तक बड़े पैमाने पर अनुपलब्धता आंकड़े के साथ दिख रही है। वही अगर निजी लैब स्तर पर इसकी जानकारी ली जाए तभी मरीजों के आंकड़ा पता चलने के साथ संबंधित विभागों के अधिकारियों को समझ में आ सकेगा, वही जिले के चर्चित फिजिसियन डॉ. विनय कुमार झा ने बताया कि डेंगू रोग का वृहित पैमाने पर फैलाव होना एक चिंता का विषय बन गया है।

जिले के भीड़ भाड़ इलाके में फैली गंदगी से बचाव करना जरूरी है। वही क्षेत्र के वयस्कों के बीच डेंगू रोग ने एक जाल बिछा दिया है। इसके प्रभाव से सबसे ज्यादा बच्चे प्रभावित हो रोग का शिकार बना रहे हैं, क्योंकि बच्चे खेलकूद के लिए घर से बाहर आते-जाते रहते हैं, जो किसी तरह के परहेज नहीं करते हैं। इसलिए बच्चों में डेंगू मक्छर के प्रभाव से उक्त बीमारी ज्यादातर फेल रही है, जिसके चलते ज्यादातर बच्चे मरिज भागलपुर में देखे जा रहे हैं। वही उन्होंने बताया कि मक्छर के प्रभाव में आने का मुख्य कारण पूरे बाँह के कपड़े बच्चे नहीं पहनते हैं, जिसके चलते डेंगू मच्छर के काटने से यह रोग ज्यादातर बच्चों में बढ़ रहा है। वही बच्चों के अभिभावकों को चाहिए कि अपने बच्चों को फुल स्लीव्स कपड़े पहनाने के साथ के साथ कही बाहर जाने दें, ओडोमास लगाए, सोते समय मच्छरदानी लगाकर सोए, डेंगू में बुखार जब खत्म हो जाए, उसके बाद भी सावधानी बरतनी चाहिए, वही चिकित्सक परामर्श के साथ लीवर (एलएफटी) व प्लेटलेट सहित अन्य ब्लड जांच करानी चाहिए, अगर एसजीपीटी तीनगुना बड़ा हो तो सिरोन फेरिटिन की जांच जरूरी हो जाती है, वरना बड़ा खतरा हो सकता है, सावधानी ही इसका उपाय है। वही चिकित्सक डॉ. श्री शर्मा ने कहा कि इलाज पद्धति में चिकित्सकों को अपना ज्ञान बढ़ाना होगा बेवजह एंटीबायोटिक का प्रयोग ना करें, डेंगू से मौत का कारण यह भी हो सकता है, दवा के रूप में ज्यादा से ज्यादा पेरासिटामोल ही उपयोग करें। वही अस्पताल में इलाजरत डेंगू पीड़ित मरीज सबौर इलाके के रहने वाली गुलशन परवीन ने कहा कि हमारे बच्चे को बुखार आया जांच के बाद पता चला कि मेरे बच्चे को डेंगू हो गया है, फिर हमलोग अपने बच्चों को मायागंज अस्पताल ले आए है, जहां भर्ती कर इलाज चल रहा है, अभी मेरी बच्ची के स्वस्थ में सुधार के साथ ठीक हो रही है, अस्पताल की व्यवस्था भी काफी अच्छी दिख रही है। वही उन्होंने बताया कि हम लोगों के घर के आसपास काफी गंदगी का फैलाव देखा जा सकता है, हो सकता है की उक्त गंदगी से निकलने वाले मक्छर के प्रभाव से रोग उत्पन्न हुआ है।

वही दूसरी तरफ तिलकामांझी विक्रमशिला कॉलोनी के रहने वाले देव शर्मा ने कहा कि मेरे बेटे को डेंगू घर में ही हो गया था, इलाज के लिए मायागंज अस्पताल ले आया, जहां अभी इलाज चल रहा है, यहां की व्यवस्था भी अच्छी है। मेडिसिन के साथ-साथ खानपान व साफ सफाई भी यहां पर व्यवस्था काफी अच्छी है। वही मो. परवेज ने कहा कि मेरी बेटी डेंगू की मरिज है, जिसका इलाज मायागंज अस्पताल के शिशु वार्ड में चल रहा है, रात के 1:00 बजे इसका शरीर थरथराने लगा था, मेरे बच्चे को सलाइन चढ़ रहा था। इसका इंजेक्शन निकल गया ब्लड भी जाने लगा नर्स को बुलाने कई बार गये लेकिन सभी नर्स इसे अनसुना कर दी ना ही बेडशीट चेंज हुआ है ना ही व्यवस्था अच्छी दिख रही है, यहां की नर्स इलाज में कॉपोरेट नहीं कर रही है।

वही हबीबपुर के रहने वाले मोहम्मद नौशाद में बताया मेरे 6 महीने के बच्चे को काफी तेज फीवर आया हमलोगों ने इलाज करने निजी क्लीनिक उन्हें ले गए वहां पता चला कि डेंगू है फिर अपने 6 महीने के बच्चे को मायागंज अस्पताल में इलाज कराने लाया हूं इलाज चल रहा है व्यवस्था भी अच्छी है। मेरे बच्चे में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है।

वहीं दूसरी तरफ इलाज व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने कहा कि मायागंज अस्पताल व जिला सदार अस्पताल में डेंगू आकस्मिक रोग सहित अन्य बीमारी को लेकर बच्चों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन दोनों ही अस्पताल में व्यवस्था भी दुरुस्त है, बारिश के चलते मच्छर जनित डेंगू बीमारी लोगों में फैली है, वही लेकिन इसके रोकथाम के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग सहित निगम प्रशासन पूरी तरह से प्रयासरत है।

सुशील मोदी ने नीतीश को लेकर दिये बयान पर जमकर बरसे कांग्रेस विधायक

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। सुशील मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बोझ बताया तो कॉंग्रेसियों ने उन्हें आड़े हाथों ले लिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनको नमन किया तो भाजपाइयों ने मजे की राजनीति कर दी। बात नीतीश कुमार के एनडीए में फिर से शामिल होने तक पहुंच गई है, इसको लेकर राजनीतिक सरगर्मी काफी तेज होती दिख रही है। इसी कड़ी में सुशील मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश को बोझ बताकर एक नया ही राजनीतिक मुद्दा खड़ा कर दिया है। वही उक्त बयान को लेकर कांग्रेस

नेता सह विधायक अजीत शर्मा ने जमकर सुशील मोदी को धो डाला है, उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में जनता भारतीय जनता पार्टी को जनता जड़ से उखाड़ फेंकेगी। वही विधायक श्री शर्मा ने कहा कि सुशील मोदी को अपनी चिंता करनी चाहिए, जहां देश में महंगाई बढ़ रहा है, उसपर वो ध्यान नहीं देते है और हिन्दू व मुस्लिम की राजनीति कर देश को बांटने का काम कर रहे है, उन्हें ये चिंता है कि नीतिश कुमार बोझ बन गए है, कोई किसी पर बोझ नहीं है, सब अपने मेहनत और अपने पैरों पर खड़े चल रहे है। वही जनता ने अपने भरोसे व विश्वास पर नीतीश जी को विगत 19 वर्षों से चुनकर रखा है। सुशील मोदी जी आप कितने दिन बिहार के उपमुख्यमंत्री रहे हैं यह तो बताइये। भाजपा 2024 के चुनाव में पूर्णतः रूप में हार रही है, इसी का डर है जो कुछ से कुछ बयान दे रहे है। वही उन्होंने कहा कि कॉंग्रेस की भी बात मत कीजिये, कॉंग्रेस ने देश को आजाद कराया है, और आज महिला आरक्षण की आप बात कर रहे है सबसे पहले महिला आरक्षण राजीव गाँधी ने पंचायती राज व्यवस्था में दिया था, और महिला आरक्षण बिल जो भाजपा लायी है उसको अभी से चालू करे ऐसे प्रलोभन देकर जनता को मूर्ख बनाने के काम न करें। आपको बता दें कि आज सुशील मोदी ने मिडिया प्रतिनिधि से बात करते हुए कहा था कि नीतीश कुमार कोंग्रेस और राजद के लिए राजनितिक बोझ बन चुके है, और नीतीश कुमार अपना सर रगड़ लेंगे, लेकिन उनके लिए भाजपा में जगह नहीं है।

कुलपति हटाओ विश्वविद्यालय बचाओ स्लोगन को ले कांग्रेसीयों ने की प्रेसवार्ता

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। टीएमबीयू प्रांगण धरनार्थियों का स्थल बन गया है, जहां आए दिन किसी न किसी समस्या को ले कर्मचारियों का तो कभी छात्र व शिक्षक का तो कभी रिटायर्ड शिक्षाविदित कमीर्यों का लगातार प्रदर्शन करते दिखते हैं। वहीं दूसरी तरफ छात्र अपने मूलभूत सुविधाओं मांग के साथ-साथ परीक्षा तिथि की समस्या व प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतू विश्वविद्यालय का खूब चक्कर काटते हुए दिखाई देते हैं। वही छात्रों की परेशानी को देखते हुए कांग्रेस के कार्यकताओं ने मोर्चा खोल दिया है। उक्त संबंध में जानकारी देते हुए कांग्रेस नेत्री अनामिका शर्मा प्रेसवार्ता की है। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो./ डॉ. जवाहर लाल को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आप विश्वविद्यालय के कामकाज को दुरुस्त नहीं रख पाते हैं तो आप सन्यास ले ले, अगर विश्वविद्यालय में आप काम कर रहे हैं तो आप एक सरकारी मुलाजिम है, आपको छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए उनके कार्यों को ससमय अनुसार निवारण करते रहना होगा, अन्यथा कांग्रेस कार्यकर्ता आपके विरुद्ध आंदोलन करने को बाध्य हैं। गौरतलब हो कि कांग्रेस के कई कार्यकताओं ने प्रेसवार्ता के दौरान एक स्वर में कहा है कि कुलपति हटाओ विश्वविद्यालय को बचाओ के स्लोगन को पेश की है। वही दूसरी ओर प्रो. योगेंद्र प्रसाद को विश्वविद्यालय का लोकपाल बनाए जाने पर भी काफी आक्रोशित दिखे है, इस दौरान कांग्रेसियों का कहना था कि प्रो. योगेंद्र प्रसाद खुद एक भ्रष्ट अधिकारी हैं, उन्हें लोकपाल अधिकारी बनाना कहीं से सही नहीं है, अगर उन्हें जल्द से जल्द नहीं हटाया गया तो कांग्रेस आंदोलन करेगी।

वहीं कांग्रेस नेत्री अनामिका शर्मा ने यह भी कहा कि वर्तमान कुलपति के पद स्थापना के बाद विश्वविद्यालय में पूरी तरह से भ्रष्टाचार व्याप्त है, और शैक्षणिक माहौल का पूरी तरह से राजनीतिकरण कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के इस हबावाज कुलपति को मूल प्रमाण पत्र पर सिग्नेचर करने तक का टाइम नहीं है। जिसके चलते लगभग 5 हजार से भी ज्यादा छात्राएं शिक्षक के फॉर्म भरने से वंचित रह गए है, और दिखावे के लिए छात्र दरबार लगाते हैं। बड़बोल कुलपति खुद ही अपना खुद का पीठ थपथपाने का काम करने में लगे हुए हैं।

जिला स्तरीय पोषण परामर्श केंद्र सह राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। समाज कल्याण विभाग बिहार सरकार समेकित बाल विकास सेवाएं निदेशालय पोषण अभियान के तहत जिला स्तरीय पोषण परामर्श केंद्र राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आगामी 1 सितंबर से 30 सितंबर तक पूरे सूबे के जिलेभर में संचालन किया जाना है। वही कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन भागलपुर द्वारा विधिवत रूप से आयोजित की गई है, वही कार्यक्रम के समाप्ति के शेष 5 दिन रह गया है। वही कार्यक्रम के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन की टीम ने आनन फानन में तैयारी करते हुए जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन के द्वारा विधिवत रूप से दीप प्रज्वलन कार्यक्रम का उद्घाटन किया तो वहीं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी रेणु कुमारी ने फीता काटकर कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।

वही कार्यक्रम के शुरूआत में जीविका दीदी ने स्वागत गान गाकर लोगों का मन मोह लिया। वही कार्यक्रम को आकर्षक बनाने के लिए कई तरह के स्टाल लगाए गए थे। वही इस दौरान मुख्य रूप से मोटे अनाज के स्टाल किसानों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ था, साथ ही सर्वोच्च भारत, स्वच्छ भारत व सशक्त भारत के उद्देश्य से यह कार्यक्रम पूरे सूबे के जिला स्तर पर कराया जा रहा है। इस वर्ष पोषण माह की गतिविधियां मानव जीवन चक्र के प्रमुख चरणों के बारे में जागरूकता फैलाई जा रही है, जिससे लोग अपने जीवन को सुखी व स्वस्थ बनाए रखें। जिससे अपना देश भी स्वच्छ, स्वस्थ और समृद्ध बने वहीं जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से समाज में नई क्रांतियां आती हैं, और लोग पारंपरिक चीजों से जुड़ते हैं। वही आज के समय में मोटे अनाज को लोग उपयोग में नहीं लाते हैं, लेकिन यह कार्यक्रम हमें सीख देती है कि हमें मोटे अनाज के साथ साथ ताजे फल सब्जी को भी उपयोग में लाना चाहिए। वही जहां बच्चों के अन्नप्राशन की विधि यहां देखने को मिल रही है, अब शहरी क्षेत्र में इसे कम देखा जाता है। वही जिलाधिकारी ने कहा कि अन्नप्राशन में गर्भवती महिलाओं व नवजात शिशु व उनकी मां को क्या खान-पान में उपयोगी में लाना चाहिए जिससे पोषक तत्वों के साथ साथ शारीरिक व मानसिक रूप से विकास हो सकें, इसकी भी जानकारी यहां दी जा रही है। कुल मिलाकर यह कह सकते हैं कि यह कार्यक्रम अपने जीवन के साथ-साथ पूरे राष्ट्र हित के लिए है। इस मौके पर जिला प्रशासन के पदाधिकारियों के अलावा दर्जनों पोषक सखी से जुड़ी महिलाओं के अलावा सैकड़ों की सख्या में गर्भवती महिला मौजूद थी।

सदस्यता पत्र वितरण सह सम्मान समारोह का हुआ भव्य आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। ततारपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित स्थानीय धर्मशाला में अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के द्वारा प्रमाण पत्र वितरण के साथ कार्यकर्ता सम्मान समारोह सह सम्मेलन का आयोजन किया गया था। वही अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार उर्फ साधु पासवान को अंग प्रदेश की धरती पर जिला स्तरीय अनुसूचित जाति की एक दिवसीय महासम्मेलन के आयोजन के क्रम में पुष्प गुच्छ व अंग वस्त्र दे उन्हें सम्मानित किया गया। वही महासम्मेलन की शुरूआत केंद्रीय मंत्री सह बांका के पूर्व सांसद जयप्रकाश नारायण यादव ने दीप प्रज्वलन कर

किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार उर्फ साधु पासवान मौजूद थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग के अध्यक्ष डॉ. चक्रपाणि हिमांशु चक्रपाणि नाथनगर विधानसभा के विधायक मो. अली अशरफ सिद्दीकी, डिप्टी मेयर सह मुख्य जिला प्रवक्ता डॉ. सलाउद्दीन अहसन भी कार्यक्रम में मौजूद थे। इस मौके पर राष्ट्रीय जनता दल ने केंद्र सरकार को कोसते हुए कहा कि आज देश का संविधान खतरे में है जब से देश में भाजपा की सरकार बनी है, तब से संविधान के साथ छेड़छाड़ किया जा रहा है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के लिखे संविधान पर छेड़छाड़ हम लोग कतई बर्दाश्त नहीं करने वाले है, वही आगामी 2024 के लोकसभा के चुनाव में जनता जवाब देगी और भारतीय जनता पार्टी को केंद्र से उखाड़ फेंकेगी ये उम्मीद के साथ विश्वास है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय जनता दल के सैकड़ों की संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता सहित राजद समर्थक मौजूद थे।

दो दिवसीय जिला स्तरीय मास्टर प्रशिक्षण सह मूल्यांकन का हुआ आयोजन : डीएम

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। बिहार में चुनावी ढोल की आहट सुनाई देने लगी है। वही आगामी 2024 में लोकसभा चुनाव के सफल संचालन को ले सूबे के सभी जिला स्तर पर जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। वही आगामी लोकसभा व विधानसभा की चुनावी तैयारी को लेकर स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षण हेतू जिला स्तरीय मास्टर प्रशिक्षण एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर दो दिवसीय प्रशिक्षण चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में चुनाव से जुड़े संबंधित कर्मियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षित किये जाने की दिशा

में स्थानीय जिला के जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन, डीडीसी अनुराग कुमार व एसडीएम धनंजय कुमार के अलावे कई अन्य पदाधिकारीयों द्वारा सामूहिक रूप से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया है। इस मौके पर जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने उपस्थित शिक्षाविदित से जुड़े कर्मियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आगामी 2024 में लोकसभा व विधानसभा के चुनाव को सफलता पूर्वक संपन्न करने को लेकर रणनीति अभी से तैयार की जा रही है। इस चुनाव में राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षक द्वारा जिला स्तरीय मास्टर प्रशिक्षक द्वारा प्रशिक्षण दिये जाने की शुरूआत की गई है। वही इस प्रशिक्षण के लिए अन्य प्रखंड से भी चुनाव से संबंधित कर्मियों के साथ साथ सभी विभाग के लोग प्रशिक्षण हेतू शामिल होंगे, साथ ही इस दौरान मूल्यांकन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। जिसे सुचारू रूप से चलाने के लिए कई मास्टर प्रशिक्षक को तैयार किया गया है। वही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को जिला समाहरणालय परिसर स्थित समीक्षा भवन के प्रांगण में संचालन किया जा रहा है।

शौचालय निर्माण में बिचौलियों के द्वारा पैसे मांगे जाने को लेकर पदाधिकारी को सौंप आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर(मुंगेर) । मंगलवार को प्रखंड के बढ़ौनिया पंचायत अंतर्गत मालचक मुसहरी के दर्जनों महादलितों के द्वारा प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समीप शौचालय निर्माण में बिचौलियों के द्वारा फॉर्म जमा करने के नाम पर पैसे की मांग करने को लेकर आक्रोश व्यक्त करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवेदन सौंपा । मालचक गांव के दर्जनों महादलितों के द्वारा दिए गए हस्ताक्षर युक्त आवेदन में कहा है कि हम सभी महादलित समाज से आते हैं हम लोगों का घर बढ़ौनिया पंचायत के मालचक गांव में है। सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान में दी जाने वाली शौचालय की राशि की निकासी में प्रखंड के बीसी के द्वारा तीन हजार की मांग की जाती है। और कहा जाता है कि बिना पैसे दिए शौचालय की राशि नहीं दी जाएगी। अपने दिए हुए आवेदन में दर्जनों ग्रामीणों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से न्याय दिलाने एवं शौचालय निर्माण के फॉर्म जमा

करने की बात कही है। वही इस संदर्भ में प्रखंड विकास पदाधिकारी अजेश कुमार ने बताया कि बिना शौचालय निर्माण के ही राशि की मांग की जा रही है। जबकि शौचालय निर्माण की राशि शौचालय बनने के बाद दी जाती हैं। बीडीओ ने कहा कि आक्रोश व्यक्त कर रहे ग्रामीणों से जब पूछा की कौन-कौन से लोग शौचालय का निर्माण कर लिए हैं। और उनको राशि नहीं मिली हैं। इस पर सभी ने शौचालय निर्माण के बात को इनकार किया है। उन्होंने कहा कि मालचक गांव का निरीक्षण कर वहां सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया जाएगा। ताकि लोगों को शौचालय की सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि आक्रोश व्यक्त कर रहें ग्रामीणों से भी अपने अपने घरों में शौचालय निर्माण करने को कहा गया है।

महान सांस्कृतिक विरासत व ऐतिहासिक परंपरा को समेटे हुए हैं कसबा का सुप्रसिद्ध गणपति महोत्सव

पूर्णिया । मेला हमारी समृद्ध सभ्यता व संस्कृति के प्रतीक हैं। मेलों के माध्यम से न केवल आपसी भाईचारे की भावना को बल मिलता है, बल्कि हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में भी ये अहम भूमिका निभाते हैं। बढ़ती मोबाइल संस्कृति के कारण एक तरफ जहां हमारी प्राचीन विरासत मेले अपना सांस्कृतिक स्वरूप खोते जा रहे हैं और वहीं पूर्णिया जिले के कसबा प्रखंड में हर साल लगने वाले ऐतिहासिक गणपति मेला हमारी प्राचीन परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर को वर्षों से संजोकर रखे हुए हैं। देवों में सर्वश्रेठ गणपति भगवान के पूजा के अवसर पर कस्बा में हर साल 11 दिवसीय महगणपति महोत्सव का आयोजन होता है। इस मौके पर कस्बा में विशाल मेले का आयोजन होता है जिसमें देश दुनिया के अलग अलग जगहों से लाखों लोग पहुंचकर अपना भरपूर मनोरंजन करते हैं। हर साल की तरह इस साल भी धूमधाम से न केवल 11 दिवसीय महागणपति महोत्सव का आयोजन पिछले कई दिनों से चल रहा है बल्कि इस मौके पर आयोजित होने वाले विशाल भव्य मेला भी लोगों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है। इस अनूठी सांस्कृतिक परंपरा को बरकरार रखने का श्रेय जाता है अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष प्रखर समाजसेवी बमबम साह को। श्री साह के द्वारा देवभूमि के नाम से प्रसिद्ध कसबा में वर्षों से भव्य महोत्सव व मेला का आयोजन किया जा रहा है। हर वर्ष राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस महोत्सव ने यहां की प्राचीन देव धरोहर को सदियों से बनाए रखा है। श्री साह के द्वारा इस तरह का अद्भुत और अनूठा प्रयास एकता और समरसता को बनाये रखने में काफी महत्वपूर्ण योगदान वर्षों से देते आ रहे हैं।

कसबा गणपति महोत्सव के संयोजक बमबम साह ने बताया कि मैंने जब से होश संभाला है तब से ही गणपति बप्पा को लगातार हर साल याद करता आ रहा हूं। मेरे सभी कार्य गणपति बप्पा के आशीर्वाद से पूर्ण हो ज

सुल्तान ऑफ दिल्ली में मौनी रॉय ने पहली बार जैज बजाने का किया प्रयास

एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने परफॉर्मेंस से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है और अब अपकमिंग प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने एक स्पेशल कैबरे डांस सीक्वेंस की तैयारी की है। मौनी ने एक्ट्रा रिहर्सल के लिए टाइम निकालने और अपनी बॉडी लैंग्वेज को बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उसी के बारे में बात करते हुए, मौनी ने कहा, मिलन लुथरिया सर वास्तव में बहुत सटीक हैं और वह अछे से जानते हैं कि उन्हें क्या चाहिए। मुझे याद है कि मैं हमेशा उनसे पूछती थी कि हम किस गाने पर कैबरे कर रहे हैं। और उन्होंने हमेशा कहा कि यह एक ऑरिजनल गाना होगा और शानदार होगा। उन्होंने कहा, जब आप शो देखेंगे, तो आप देखेंगे कि मैंने अपने लाइफ में पहली बार जैज करने की कोशिश की है। मैंने इसके लिए काफी रिहर्सल की, क्योंकि इसके लिए अलग बॉडी लैंग्वेज की आवश्यकता होती है और मैं डांस स्टाइल को लेकर बहुत आश्वस्त नहीं थी। मुझे लगता है कि हम सभी मिलन सर के विजन के अनुसार ही चलें। अर्नब रे की किताब सुल्तान ऑफ दिल्ली- असेंशन पर आधारित, सीरीज सुल्तान ऑफ दिल्ली रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और मिलन लुथरिया द्वारा निर्देशित और सुपर्ण वर्मा द्वारा सह-निर्देशित और सह-लिखित है। सीरीद में ताहिर राज भसीन, अंजुम शर्मा, विनय पाठक, निशांत दहिया और महिला अनुप्रिया गोयनका, मौनी रॉय, हरलीन सेठी और मेहरीन पीरजादा शामिल हैं। सुल्तान ऑफ दिल्ली 13 अक्टूबर से डिनी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। इस बीच, मौनी को आखिरी बार ब्रह्मास्त्र में जुनून के रूप में देखा गया था, जिसमें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लीड रोल में थे।

अपने फिल्मी लुक को लेकर सोनम कपूर ने जताई निराशा

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम कपूर लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं और इंडस्ट्री में एक दमदार कमबैक का इंतजार कर रही हैं। इन दिनों सोनम सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अपने फैशन सेंस से दर्शकों की खूब तारीफें बटोरती हैं। हाल ही में, सोनम फिल्म फेस्टिवल के वर्ड टू स्क्रीन कार्यक्रम का हिस्सा बनीं, जहां उन्होंने अपने ड्रेस डिजाइनिंग के बारे में खुलकर बात की है। सोनम कपूर एक फैशननिस्टा है और उनका बोल्ड लुक अक्सर उनकी फिल्मों से ज्यादा धूम मचाता है। फिल्म फेस्टिवल के वर्ड टू स्क्रीन कार्यक्रम में, एक्टर डिजाइन की कला पर चर्चा करने वाले एक पैनल का हिस्सा थी। उनके साथ निर्देशक आशुतोष गोवारिकर, निर्माता शिवेंद्र डूंगरपुर और कॉस्ट्यूम डिजाइनर श्रुति कपूर भी शामिल हुईं। इस कार्यक्रम के दौरान सोनम ने स्क्रीन पर अपने कपड़ों को लेकर खुलासा किया कि फिल्म निर्माता उन्हें हमेशा एक जैसे ही कपड़ों में देखना पसंद करते हैं। अभिनेत्री ने कहा, फिल्म निर्माता मुझे साधारण कपड़ों और बिना मेकअप के पसंद करते हैं। मैं हमेशा नेक्स्ट-डोर गर्ल रही हूं। मैंने कभी आभूषणों और इंडियन क्लोथ्स वाली पीरियड फिल्म नहीं की है। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैंने कभी कोई ऐसी ड्रामेटिक फिल्म नहीं बनाई है। मैं हमेशा साधारण सलवार कमीज पहनती हूं और मैं चांदनी चौक या पंजाब के एक छोटे से गांव के एक स्थान से हूं। इसलिए, मेरा सपना एक दिन एक पीरियड ड्रामा भूमिका निभाने का है।

धनुष की कैप्टन मिलर 15 दिसंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

साउथ सिनेमा को एक से बढ़कर एक फिल्म देने वाले तमिल सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कैप्टन मिलर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। जिस दिन से फिल्म का एलान हुआ है उसी दिन से दर्शकों के बीच कैप्टन मिलर को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। सभी फिल्म के हर बड़े से बड़े और छोटे से छोटे अपडेट पर नजर बनाए रखते हैं। फिल्म के पोस्टर रिलीज करने से लेकर इसकी मेकिंग पर अपडेट साझा करने के बाद अब मेकर्स ने कैप्टन मिलर की रिलीज डेट का एलान कर दिया है।

मेकर्स ने बताई कैप्टन मिलर की रिलीज डेट

इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक कैप्टन मिलर का निर्देशन अरुण माथेश्वरण द्वारा किया गया है। यह एक रोमांचक क्राइम ड्रामा फिल्म होने वाली है, जिसका इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। फैंस के इंतजार को घटाते हुए आखिरकार आज मेकर्स फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। फिल्म 15 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खबर की पुष्टि निर्माताओं द्वारा जारी एक आधिकारिक पोस्टर के साथ की गई।

1980 के दशक में सेट की गई है फिल्म

मेकर्स द्वारा साझा की गई रिलीज डेट इसलिए भी खास थी क्योंकि लायका प्रोडक्शंस ने धनुष की फिल्म के आधिकारिक ओवरसीज राइट्स भी अपने नाम कर लिए है। बता दें, कैप्टन मिलर 1980 के दशक पर आधारित एक पीरियड-एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसे सेंथिल त्यागराजन और अर्जुन त्यागराजन ने अपने बैनर सत्य ज्योति फिल्म्स के तहत निर्मित किया है। फिल्म में धनुष के अलावा मुख्य भूमिका में प्रियंका मोहन और शिव राजकुमार हैं।

तीन पार्ट्स में बनेगी फिल्म

बताया जा रहा है कि कैप्टन मिलर में धनुष का किरदार पूरी तरह से काल्पनिक है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में धनुष जबर्दस्त एक्शन करते नजर आने वाले हैं। बीते दिनों फिल्म पर निर्माता जी. धनंजयन ने बड़ा अपडेट देते हुए खुलासा किया था कि मूवी को तीन पार्ट में विभाजित करने की योजना बनाई गई है, क्योंकि कहानी दिन पर दिन बड़ी होती जा रही है।

राजनीति में नहीं आना चाहतीं कंगना रणौत

कंगना रणौत अपनी अदाकारी से लोगों के दिलों में खास जगह बना चुकी हैं। फिल्म गैंगस्टर से शुरुआत करने वाली अभिनेत्री, क्वीन, तनु वेड्स मनु फ्रेंचाइजी, मणिकर्णिका-द क्वीन ऑफ झांसी जैसी शानदार फिल्मों की वजह से हिंदी सिनेमा में अपनी अमिट छाप छोड़ चुकी हैं। एक्टिंग के अलावा अभिनेत्री अपने बयानों की वजह से भी अक्सर सुर्खियों में आ जाती हैं। कई बार उनकी कही बातों पर विवाद भी शुरू हो जाता है। कई लोगों का मानना है कि वह यह सब इसलिए करती है, क्योंकि उनका लक्ष्य राजनीति में आना है। हालांकि, कंगना इससे इत्तेफाक नहीं रखती हैं। अभिनेत्री इन दिनों अपनी फिल्म चंद्रमुखी 2 का जोर शोर से प्रचार कर रही हैं। हाल ही में मीडिया से बातचीत में उन्होंने इस सवाल पर खुलकर जवाब दिया। कंगना ने कहा, मैं आम तौर पर एक जागरूक और जिम्मेदार व्यक्ति हूं। बहुत से लोग कहते हैं कि मैं राजनीति में आने के लिए कुछ कहती या करता हूं। यह सच नहीं है। मैं पक्की देशभक्त हूं। इसका कोई गुप्त उद्देश्य नहीं है। मैं अपने जीवन से अभी खुश हूं। यहां तक पहुंचने के लिए मैंने कड़ी मेहनत की है। मुझे नहीं पता कि मैं नए सिरे से करियर शुरू करना चाहता हूं या नहीं। बता दें कि चंद्रमुखी 2 से कंगना की तमिल सिनेमा में वापसी भी हो रही है। उन्होंने इससे पहले धाम धूम और थलाइवी जैसी फिल्में की हैं। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि तीनों अछे रही हैं। खासकर, चंद्रमुखी 2, क्योंकि मैंने ड्रामा, लड़ाई-झगड़े और गाने जैसे तत्वों वाली ऐसी कलरफुल फिल्म नहीं बनाई है। राघव लॉरेंस सर के साथ काम करना भी मेरे करियर का एक उच बिंदु है, जिन्होंने मुझे सेट पर इतना सहज बनाया।

मृणाल स्टारर 'आंख मिचौली' का ट्रेलर रिलीज

मृणाल ठाकुर और परेश रावल की अगली फिल्म 'आंख मिचौली' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस कॉमेडी फिल्म की कहानी एक शादी के इर्द-गिर्द बुनी गई है। इसका निर्देशन डायरेक्टर उमेश शुक्ला ने किया है। उमेश इससे पहले 'OMG' और '102 नॉट आउट' जैसी फिल्मों का निर्देशन का चुके हैं।

फैमिली के हर सदस्य में है एक कमी

फिल्म का ट्रेलर बहुत ही फनी है। कहानी एक ऐसे परिवार की है जिसके हर सदस्य को एक ना एक बीमारी है। एक लड़की है पारो (मृणाल ठाकुर) जिसे नाइट ब्लाइंडनेस है। इसके चलते उसे रात में दिखना बंद हो जाता है। एक बाप (परेश रावल) है जो भुल्लकड़ है। दो भाई हैं जिनमें से एक (अभिषेक बनर्जी) अटक-अटक कर बोलता है और दूसरा (शरमन जोशी) सुन नहीं पाता। सभी मिलकर मृणाल के किरदार के लिए एक लड़का ढूंढ रहे है।

दो साल से अटकी हुई थी फिल्म

यह फिल्म 2021 में शूट हो रही थी पर कोविड के चलते अटक गई। इसके बाद से यह अब तक अटकी हुई ही थी। 27 अक्टूबर को थिएटर्स में रिलीज होने जा रही इस मल्टीस्टारर फिल्म में मृणाल और परेश के अलावा अभिमन्यु दसानी, शरमन जोशी, अभिषेक बनर्जी, विजय राज और दिव्या दत्ता जैसे कलाकार नजर आएंगे।

रश्मिका मंदाना के हाथ लगा एक और प्रोजेक्ट

पुष्पा-द राइज में श्रीवल्ली बन हिंदी पट्टी के दर्शकों में खास पहचान बनाने वाली अभिनेत्री रश्मिका मंदाना आए दिन किसी न किसी कारण से सुर्खियों में बनी रहती हैं। अभिनेत्री का हिंदी फिल्मों में डेब्यू बेशकश फ्लॉप रहा हो, लेकिन श्रीवल्ली के रूप में मिली प्रसिद्धि की वजह से उनकी लोकप्रियता खूब है। ऐसे में फैंस उनसे जुड़ी हर अपडेट पर नजरें बनाए रखते हैं। जहां एक तरफ वह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पुष्पा- द रूल के लिए चर्चा में बनी हुई हैं, वहीं अब खबर आ रही है कि उन्होंने विजय देवरकोंडा की फिल्म साइन कर ली है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म कुशी की सफलता के बाद विजय देवरकोंडा अपनी अगली फिल्म वीडी12 की तैयारियों में जुट गए हैं। गौतम तिन्नानुरी के निर्देशन में बनने जा रही है इस फिल्म में पहले अभिनेत्री श्रीलीला को मुख्य अभिनेत्री के रूप में साइन किया गया था। लेकिन अब कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि फिल्म में उनकी जगह रश्मिका मंदाना ने ले ली है। तो मतलब साफ है वीडी 12 में रश्मिका मंदाना ने श्रीलीला को रिप्लेस कर दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि श्रीलीला को तारीखों की दिक्कत की वजह से प्रोजेक्ट से हट गई हैं।

सामने आई रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि श्रीलीला वीडी12 के लिए अपनी तारीखों पर विचार-विमर्श नहीं कर सकीं इसलिए उन्होंने खुद ही फिल्म से अपना हाथ खींच लिया है। ऐसे में निर्माताओं ने श्रीलीला की जगह मुख्य अभिनेत्री के तौर पर रश्मिका मंदाना को साइन कर लिया है। इस खबर से विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के दिलों में खुशी की लहर दौड़ उठी है। वीडी12, गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड के बाद रश्मिका मंदाना और विजय की तीसरी फिल्म होगी। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, तिन्नानुरी फिल्म का निर्देशन करते नजर आएंगे। फिल्म में विजय देवरकोंडा अपने करियर में पहली बार एक पुलिस वाले की भूमिका निभाते दिखाई देंगे। आपको बता दें, विजय को आखिरी बार फिल्म कुशी में देखा गया था, जिसमें उनके साथ सामंथा रुथ प्रभु मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म को दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला था। यह फिल्म सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद अब एक अक्तूबर ने नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है।

पहली बार एक्शन अवतार में नजर आएंगी आलिया भट्ट

आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म 'जिगरा' का टीजर आउट हो चुका है। इस फिल्म में आलिया पहली बार एक्शन अवतार में नजर आएंगी। फिल्म करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले होगी। फिल्म के डायरेक्टर वसन बाला होंगे। फिल्म जिगरा 27 सितंबर 2024 को होगी। आलिया ने अपना बॉलीवुड डेब्यू धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से की थी। अब आलिया करण जौहर के साथ अपनी फिल्म 'जिगरा' को-प्रोड्यूस करने वाली हैं।

हार्ट ऑफ स्टोन थी आलिया की लेटेस्ट फिल्म

आलिया भट्ट ने हाल ही में हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन में काम किया था। इस फिल्म में उनके साथ गैल गैडोट बतौर एक्ट्रेस नजर आईं है। ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था। इसके बाद आलिया भट्ट की फिल्म रॉकी और रानी हाल ही में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में आलिया के साथ रणवीर सिंह नजर आए थे। फिल्म रोमांस और कॉमेडी से भरपूर थी।

एलपीजी सब्सिडी और मुफ्त राशन योजना का होगा मूल्यांकन

सही लोगों तक लाभ पहुंचाने की बनेगी रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार चार लाख करोड़ रुपये की अब तक की सबसे बड़ी सब्सिडी योजनाओं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और एलपीजी के मूल्यांकन की तैयारी में है। नीति आयोग को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। चार लाख करोड़ रुपये की इन सब्सिडी योजनाओं की समीक्षा इसलिए की जाएगी, ताकि होने वाले खर्च को तर्कसंगत बनाया जा सके। इसके साथ ही किसी तरह के रिसाव को रोका जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि सही लोगों तक लाभ पहुंच रहा है।

नीति आयोग से जुड़े विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय ने दोनों योजनाओं के मूल्यांकन के लिए एक केंद्रीय समन्वय एजेंसी के लिए प्रस्ताव मंगाया है। इससे सालाना लगभग 4,00,000 करोड़ रुपये का खर्च आता है। महत्वपूर्ण खर्च के बावजूद भारत को अभी भी खाद्य सुरक्षा और पोषण संबंधी परिणाम प्राप्त करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। भारत वैश्विक भूख की आबादी में लगभग 30 फीसदी का योगदान देता है।

एमएसएमई के 256 करोड़ रुपये के दावे मंजूर: वहीं, सरकार ने विवाद समाधान योजना 'विवाद से विश्वास-1' के तहत सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के 256 करोड़ के रिफंड से जुड़े 10,000 से अधिक दावों को मंजूर कर लिया है। योजना के तहत एमएसएमई कंपनियां कोरोना के दौरान सरकारी विभागों एवं सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं की ओर से जब्त प्रदर्शन या बोली गारंटी के 95 फीसदी राशि के रिफंड का दावा कर सकती हैं।

वित्त मंत्रालय ने कहा, कुल 256 करोड़ रुपये के रिफंड में एमएसएमई को सबसे ज्यादा 116.47 करोड़ की राहत पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने दी है। रेलवे और रक्षा मंत्रालयों के तहत एजेंसियों के मामले में रिफंड क्रमशः 79.16 करोड़ और 23.45 करोड़ रुपये का है। इस्पात व बिजली मंत्रालय क्रमशः 14.48 करोड़ व 6.69 करोड़ रिफंड देंगे। विवाद से विश्वास योजना की घोषणा 2023-24 के बजट में हुई थी।

रिलायंस निदेशक के रूप में अंबानी के बच्चे नहीं लेंगे वेतन: रिलायंस इंडस्ट्रीज के बोर्ड में शामिल हुए मुकेश अंबानी के तीनों बच्चों आकाश, अनंत और ईशा को निदेशक के रूप में कोई वेतन नहीं मिलेगा। हालांकि, इन तीनों लोगों को बोर्ड और कमिटी मीटिंग में जाने के लिए फीस मिलेगी। मुकेश अंबानी (66) ने 2020-21 से कोई वेतन और लाभ का कमीशन नहीं लिया है। रिलायंस के पास कुल पांच वर्टिकल हैं। मुकेश के पास रिलायंस के 41.46 प्रतिशत शेयर हैं। वह बोर्ड में 1977 से हैं।

मीथेन उत्सर्जन रोकने के लिए जैविक अपशिष्ट को निपटाना जरूरी: मीथेन उत्सर्जन को रोकने के लिए जैविक अपशिष्ट के निपटान पर सरकारों को काम करना चाहिए। साथ ही अपशिष्ट कचरा स्थल और जैविक अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं से मीथेन उत्सर्जन का सटीक अनुमान लगाने के लिए राष्ट्रव्यापी अध्ययन होना चाहिए। यह सलाह विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र ने जारी एक रिपोर्ट में दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लैंडफिल साइट पर जैविक रूप से नष्ट होने वाले अपशिष्ट के निस्तारण को तत्काल चरणबद्ध करना बहुत जरूरी है। रिपोर्ट में एक प्रमुख चिंता नगर निकायों के ठोस अपशिष्ट और मीथेन उत्सर्जन से संबंधित आंकड़े की अविश्वसनीयता व असमानता से जुड़ी है। इसे हल करने के लिए प्रथम-क्रम क्षय (एफओडी) विधि के उपयोग का सुझाव दिया है, जो लैंडफिल साइट से मीथेन उत्सर्जन का अधिक सटीक अनुमान लगाने के लिए क्षेत्र के आंकड़े और प्राथमिक अनुसंधान पर निर्भर करती है।

वैश्विक नेतृत्व के लिए फार्मा उद्योग को नए उत्पादों पर देना होगा ज्यादा ध्यान

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का कहना है कि वैश्विक नेतृत्व हासिल करने के लिए देश के फार्मा उद्योग को नवोन्वेषी उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने फार्मा मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान, विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय नीति को लॉन्च किया। इसी के साथ ही फार्मा क्षेत्र के लिए सरकार ने एक पीआरआईपी योजना भी शुरू की है, जिसके तहत फार्मा कारोबार को वैश्विक स्तर पर बढ़ाने में मदद मिलेगी।

नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में फार्मास्यूटिकल्स विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय रसायन और उर्वरक व नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री भगवंत खुबा और नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल भी उपस्थिति रहे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, आज एक ऐतिहासिक दिन है। फार्मा और चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। हमें भारतीय फार्मा और मेड टेक क्षेत्रों को नवाचार आधारित उद्योग में बदलने की जरूरत है। नीति का उद्देश्य पारंपरिक दवाओं, फाइटोफार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों में अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित करना है।

कनाडा में भारतीय महिलाओं का चलता है सिक्का

पॉवरफुल वुमन की लिस्ट में हैं शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक संबंधों में तनाव बढ़ता जा रहा है। इसका असर दोनों देशों के रिलेशन पर पड़ रहा है। कनाडा में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं। कनाडा में कई भारतीय कारोबारियों का बड़ा कारोबार है।

कारोबार से लेकर बाजार पर इस मन मुटाव का असर दिख रहा है। अगर ऐसे ही जारी रहा तो दोनों देशों की इकॉनमी पर भी इसका असर दिखने लगेगा। अगर ये कड़वाहट इसी तरह से बढ़ती चली गई तो दोनों देशों के बीच आयात-निर्यात प्रभावित होगा। कनाडा में कई भारतीय महिलाओं का भी अच्छा-खासा दबदबा है। आज हम आपको ऐसी ही भारतीय महिलाओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

इन महिलाओं का है दबदबा: अजरा हुसैन कनाडा के प्रतिष्ठित सरे हॉस्पिटल्स फाउंडेशन की सीओओ हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अजरा कनाडा की सबसे पॉवरफुल महिलाओं में से एक हैं, उनका करीब 20 वर्ष का कॅरियर है। अंजू विरमानी ओंटोरिओ हेल्थ और पॉवर जेनेरेशन की बोर्ड मेंबर हैं। कनाडा की सबसे पॉवरफुल महिलाओं में श्रेया पटेल का नाम भी शामिल है। श्रेया ने कम उम्र में बड़ा नाम कमाया है। वह सोशल आंत्रेप्रेन्योर, मॉडल और एक्टर हैं। श्रेया के एक वीडियो को 12 मिलियन व्यू मिल चुके हैं।

पॉवरफुल महिलाओं की लिस्ट में शामिल: अनू बिदानी कनाडा की टॉप-100 पॉवरफुल महिलाओं की लिस्ट में शामिल हैं। अनू बिदानी STEM Minds की फाउंडर और सीईओ हैं। वह कैपिटल मार्केट में अच्छा खासा अनुभव रखती हैं। अंजू भी कनाडा की सबसे पॉवरफुल महिलाओं की लिस्ट में शामिल हैं। वह कॉर्गोजेट की सीआईओ भी रह चुकी हैं। अंजू टेक्नोलॉजी क्षेत्र की दिग्गज मानी जाती हैं।

इन कंपनियों का है जलवा: भारत की दिग्गज कंपनियों टीसीएस, विप्रो और इंफोसिस ने कनाडा की इकॉनमी में भारी निवेश किया हुआ है। कनाडा में ये कंपनियां हजारों लोगों को रोजगार दे रही हैं। अगर ये कंपनियां कनाडा से अपना कारोबार समेटती हैं तो वहां की इकॉनमी पर असर पड़ने के साथ हजारों लोगों के सामने रोजगार की समस्या खड़ी हो सकती है। भारत की इन प्रमुख कंपनियों ने कनाडा के वैंकूवर, कैलगरी और टोरंटो में अपने सेंटर खोले हुए हैं।

दो कर्मचारियों और 2,000 रुपये के साथ हुई थी शुरुआत, आज 8,000 करोड़ का रेवेन्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्लू स्टार देश की जानी मानी हीटिंग, वेंटिलेशन, एयर कंडीशनिंग और कमर्शियल रेफ्रिजरेशन कंपनी है। इसका रेवेन्यू करीब 8000 करोड़ रुपये है। देशभर में कंपनी के 30 ऑफिस, सात मॉडर्न मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटीज हैं। कंपनी में 3000 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं और 4000 से ज्यादा चैनल पार्टनर्स हैं। इस कंपनी की स्थापना से 80 साल पहले सितंबर 1943 में मोहन टी आडवाणी ने की थी। उस समय दुनिया दूसरे विश्व युद्ध से जूझ रही थी और 30 साल के आडवाणी ने आपदा में अवसर खोजते हुए ब्लू स्टार इंजीनियरिंग कंपनी की स्थापना की। केवल दो कर्मचारियों और 2000 रुपये के निवेश के साथ आडवाणी ने जो बीच बोया था वह आज बरगद बन गया है। आज कंपनी के देशभर में 8000 स्टोर हैं।

कंपनी रूम एसी, पैकेज्ड एयर कंडीशनर्स, चिलर्स, कोल्ड रूम्स और रेफ्रिजरेशन प्रॉडक्ट्स तथा सिस्टम्स के बिजनस में है। कंपनी अपनी ग्राहकों को एंड-टु-एंड सॉल्यूशन देती है। यानी प्रॉडक्ट बनाने से लेकर उसकी ऑफ्टर सेल सर्विस भी देती है। देश की हर तीसरी बिल्डिंग में ब्लू स्टार को कोई न कोई प्रॉडक्ट लगा हुआ है। इसके अलावा कंपनी वॉटर प्यूरिफायर बिजनस में भी है। इसके साथ ही कंपनी आयातित प्रोफेशनल इलेक्ट्रॉनिक और इंडस्ट्रियल प्रॉडक्ट्स और सिस्टम्स की मार्केटिंग और मेंटनेंस का भी बिजनस करती है। कंपनी का रेवेन्यू करीब 8,000 करोड़ रुपये है।

कैसे हुई शुरुआत: मोहन आडवाणी का जन्म 11 नवंबर, 1912 को सिंध के हैदराबाद में हुआ था। उनके पिता जाने माने वकील थे। 1934 में कराची के डीजे सिंध कॉलेज से ग्रेजुएशन करने के बाद वह लंदन चले गए। अगस्त 1935 में उन्होंने लौटकर बॉम्बे गैरेज में सेल्स मैनेजर की नौकरी की। 1943 में उन्होंने ब्लू स्टार की स्थापना की। आडवाणी की लीडरशिप में कंपनी ने देश में वॉटर कूलर बनाने में महारत हासिल की। 1946 में वह अमेरिका गए और वहां कई कंपनियों के साथ पार्टनरशिप की। इस दौरे के लिए उन्होंने कंपनी का अकाउंट को खाली कर दिया था। लेकिन उनका यह जोखिम रंग लाया और कंपनी को अपने पार्टनर्स से नई-नई टेक्नोलॉजी मिली।

कंपनी ने आइस कैंडी मशीन, बॉटल कूलर और वॉटर कूलर मैन्यूफैक्चरिंग शुरू की। 1954 में इसे भारत में हनीवेल का डिस्ट्रीब्यूटर चुना गया और इसके साथ ही कंपनी ने प्रोफेशनल इलेक्ट्रॉनिक बिजनस में भी कदम रखा। सेंट्रल एयरकंडीशनिंग में कंपनी की विशेषज्ञता समय के साथ बढ़ती गई। 1960 तक कंपनी की इनकम एक करोड़ के पार पहुंच गई थी। अगले दशक में कपनी ने कई सफल वेंचर्स बनाए। कंपनी हेवलेट पैककार्ड की डिस्ट्रीब्यूटर बनी और उसके मुंबई में एयर इंडिया बिल्डिंग, एक्सप्रेस टावर्स और ओबेरॉय होटल में एयर कंडीशनिंग का कॉन्ट्रैक्ट मिला।

कई सफल वेंचर: इसके बाद कंपनी ने योकोगावा और मोटोरोला के साथ वेंचर बनाए। 1970 के दशक में मोहन आडवाणी का स्वास्थ्य गिरने लगा था और 1974 में उनका निधन हो गया। इसके बाद उनके बेटों अशोक एम आडवाणी और सुनील एम आडवाणी ने कंपनी की कमान संभाली। कंपनी ने आईटी और सॉफ्टवेयर में भी हाथ आजमाया। लेकिन 1990 के दशक और 2000 की शुरुआत में वह कई तरह के बिजनस से बाहर हो गई। साल 2019 में कंपनी ने विराट कोहली को अपना ब्रांड एंबेसेडर बनाया। 2021 में कंपनी ने स्प्लिट एसी की नई रेंज लॉन्च की थी।

निर्यात उत्पादों पर कर छूट योजना की अवधि जून, 2024 तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने मंगलवार को 'निर्यात उत्पादों पर शुल्कों और करों में छूट (रोडटेप) योजना के तहत दिए जाने वाले निर्यात प्रोत्साहन लाभों की अवधि एक साल बढ़ाकर जून, 2024 कर दी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। निर्यात किए जाने वाले उत्पादों पर करों एवं शुल्क में छूट देने के लिए रोडटेप योजना सितंबर, 2021 से ही संचालित की जा रही है। इसके तहत निर्यातकों से उत्पादन एवं वितरण के दौरान वसूले गए और किसी अन्य व्यवस्था के तहत न लौटाए जाने वाले करों एवं शुल्कों के 'रिफंड का प्रावधान किया गया है। वाणिज्य मंत्रालय ने विज्ञप्ति में कहा गया है कि 30 सितंबर, 2021 को अधिसूचित रोडटेप योजना को अब 30 जून, 2024 तक बढ़ाया जा रहा है। सभी मौजूदा निर्यात उत्पादों के लिए पुरानी दरें ही लागू रहेंगी। योजना अवधि बढ़ाने से निर्यातकों को मौजूदा निर्यात परिदृश्य में बेहतर शर्तों पर निर्यात सौदे हासिल करने में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने कहा कि रोडटेप योजना के तहत विभिन्न निर्यात क्षेत्रों के लिए राजस्व विभाग के अधीन एक समिति बनाई गई है जो अधिकतम दरों की समीक्षा करने के साथ उनके बारे में सुझाव देगी। इस समिति की मंगलवार को पहली बैठक भी आयोजित की गई जिसमें योजना के क्रियान्वयन से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा की गई। यह योजना पिछले साल खत्म हो गई भारत से वस्तु निर्यात योजना (एमईआईएस) की जगह लाई गई है। फिलहाल 10,342 निर्यात उत्पादों पर रोडटेप योजना के तहत लाभ मिलते हैं।

मैरिंगो सिम्स ने अत्याधुनिक बीएमटी और सेल्युलर थेरेपी यूनिट लॉन्च किया

अहमदाबाद, एजेंसी। मैरिंगो सिम्स अस्पताल ने आज ट्रांसप्लांट के पहले और बाद के देखभाल के लिए एक अत्याधुनिक छह-बेड, एचईपीए-फ़िल्टर्ड, एक तरह का अनोखा स्टेप-डाउन बोन मेरो ट्रांसप्लांट और सेल्युलर थेरेपी यूनिट लॉन्च किया। इस यूनिट में पोजिटिवली प्रेशर्ड बीएमटी कमरे शामिल होंगे और इसका नेतृत्व राज्य की सबसे बड़ी बीएमटी टीमों में से एक द्वारा किया जाएगा। मैरिंगो सिम्स अस्पताल में यूनिट का नेतृत्व करने वाले डॉक्टर हैं डॉ. अंकित जीतानी, हेमेटोलॉजिस्ट और बोन मैरो ट्रांसप्लांट फिजिशियन, डॉ. हेमंत मेंघानी, पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजिस्ट ऑन्कोलॉजिस्ट और बोन मैरो ट्रांसप्लांट फिजिशियन और डॉ. कौमिल पटेल, कंसल्टेंट हेमेटोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट।

बोन मेरो ट्रांस्प्लांट की आवश्यकता वाले रोगियों को लाभान्वित करते हुए, यह यूनिट संपूर्ण बोडी इर्रेडियेशन और स्टेम सेल हार्वेस्ट के लिए एक

इन-हाउस सुविधा के रूप में काम करेगा। यह सुविधा ऑटोलॉगस (स्वयं की स्टेम कोशिकाएँ) और एलोजेनिक (दाता स्टेम कोशिकाएँ) दोनों प्रत्यारोपणों के लिए स्थापित की गई है, साथ ही पीडियाट्रिक बीएमटी के लिए प्रशिक्षित एक समर्पित कर्मचारी भी है। यह यूनिट सभी ब्लड कैंसर, बेनिन हेमेटोलॉजी रोगों, पीडियाट्रिक सोलिड ट्यूमर और ऑटोइम्यून बीमारियों के लिए एडल्ट और पीडियाट्रिक ट्रांसप्लांट में नैदानिक उत्कृष्टता से सुसज्जित है। अहमदाबाद की मैरिंगो सिम्स अस्पताल के हेमेटोलॉजिस्ट और बोन मेरो ट्रांसप्लांट फिजिशियन डॉ अंकित जीतानी ने बताया कि, बोन मेरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) को स्टेम सेल या हेमेटोपोएटिक सेल ट्रांसप्लांट के रूप में भी जाना जाता है। यह चिकित्सा उपचार का एक उन्नत रूप है न कि कोई सर्जरी। स्टेम सेल के स्रोत के आधार पर बीएमटी मोटे तौर पर दो प्रकार के होते है।

आईआईटी मंडी के शोधकर्ताओं ने पोर्क टैपवार्म के विरुद्ध एक प्रोटीन-आधारित वैक्सीन बनाने का दिया प्रस्ताव

मंडी, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के शोधकर्ताओं द्वारा सुअर के मांस से सम्बंधित टैपवार्म के विरुद्ध टीकों के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है। यह शोध स्कूल ऑफ बायोसाइंसेस और बायोइंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अमित प्रसादके नेतृत्व में किया गया है। यह टैपवार्म आंत्रिक संक्रमणों के अलावा उच्च गंभीर मस्तिष्क संक्रमण के लिए भी जिम्मेदार है जिससे मिर्गी भी होती है। इस शोध को पंजाब के दयानंद मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल के वैज्ञानिकों एवं हिमाचल प्रदेश के सीएसआईआर-हिमालयान बायोरिसोर्स प्रौद्योगिकी संस्थान के वैज्ञानिकों के सहयोग से किया गया है।यह शोध चुनौतीपूर्ण संक्रामक बीमारियों के लिए टीकों का उत्पादन करने के लिए एक नवीन, तीव्रएवं अधिक प्रभावी दृष्टिकोण प्रदान करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन पोर्क टैपवार्म को खाद्य जनित बीमारियों से होने वाली मौतों का एक प्रमुख कारण के रूप में देखता है, जिससे दिव्यांगता के साथ ही जीवन का भी नुकसान होता है। विकासशील देशों में 30त्न मिर्गी के मामलों में इसका योगदान है, जो गंदगी और स्वतंत्र रूप घूमते फिरते सूअरों वाले क्षेत्रों में 45त्न-50त्न तक बढ़ सकता है। उत्तर भारत मेंमस्तिष्क संक्रमण का प्रसार चिंताजनक रूप से 48.3त्न केउच्च स्तर पर है।

आईआईएम संबलपुर को 9वें स्थापना दिवस पर इनक्यूबेशन सेंटर के लिए मिली 2 मिलियन डॉलर की फंडिंग

एंटरप्रेन्योरशिप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए इंडिया एक्सेलेरेटर के साथ समझौता

मुंबई एजेंसी। आईआईएम संबलपुर ने अपना 9वां स्थापना दिवस थीम एक्सेलरेटिंग स्टार्टअप्स इकोसिस्टम के साथ मनाया। इस अवसर पर ईएसकेवाईईएन वेंचर्स के सुशांत कुमार ने स्टार्ट-अप और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आईआईएम संबलपुर के इनक्यूबेशन सेंटर को 2 मिलियन यूएस डालर का फंड देने की प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा आईआईएम संबलपुर के इनक्यूबेट्स के लिए एंटरप्रेन्योरशिप इकोसिस्टम क्षमता निर्माण के लिए आईआईएम संबलपुर और इंडिया एक्सेलेरेटर के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए।

माननीय केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह को संबोधित किया। श्री प्रधान ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से

आईआईएम संबलपुर को उसके 9वें स्थापना दिवस पर बधाई दी। उन्होंने उद्यमियों को बढ़ावा देने और स्थानीय बुनकरों और कारीगरों की आजीविका में सहायता करने के लिए आईआईएम संबलपुर द्वारा इंडिया एक्सेलेरेटर, सिडबी और फ्लिपकार्ट जैसे बिजनेस के साथ किए गए गठबंधनों और साझेदारियों की सराहना की। अपने प्रेरणादायक भाषण में मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों से आईआईएम संबलपुर के तीन स्तंभों नवाचार, समावेशिता और अखंडता को अपनी सभी गतिविधियों में दिशासूचक बिंदु के रूप में उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने स्वीकार किया कि आईआईएम संबलपुर ने उन्हें पेशेवर सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और क्षमताएं दी हैं और आग्रह किया कि विद्यार्थी अपने बड़े उद्देश्य को लगातार याद रखें, उत्कृष्टता के लिए प्रयास करें, समाज को वापस लौटाएं और उन मूल्यों को बनाए रखें जो भारत को 2047 तक एक विकसित देश बनने में मदद करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 353 रन का टारगेट दिया

टॉप-4 बैटर्स ने खेलीं अर्धशतकीय पारियां, बुमराह को तीन विकेट

राजकोट (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का अंतिम मैच राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया है। डेविड वार्नर (56), मिशेल मार्श (96), स्टीव स्मिथ (71), मार्नस लाबुशाने की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट के नुकसान भारत को 353 रन का लक्ष्य दिया है।

डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श ने ऑस्ट्रेलिया को तेजतर्रार शुरूआत दी। वार्नर ने 32 गेंदों पर अर्धशतक लगाया लेकिन वह जल्द ही 55 रन बनाकर प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर विकेटकीपर केएल राहुल को कैच थमा बैठे। वहीं मिशेल मार्च (96) उस समय शतक से चूक गए जब कुलदीप यादव ने 28वें ओवर की अंतिम गेंद पर उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों कैच आउट करवा दिया। यह एक आसान कैच था जिस पर मार्श को खुद भी पछतावा हुआ।

मार्श के आउट होने से पहले ऐसा लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया 400 रन के आंकड़े को आसानी से पार कर लेगा, लेकिन उनके आउट से सब बदल गया और रेन रेट में काफी फर्क आया। मार्श के बाद स्मिथ भी ज्यादा देर तक टिके नहीं रहे और सिराज की 32वें ओवर की तीसरी गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। उन्होंने 61 गेंदों पर 8 चौकों और एक छक्के की मदद से 71 रन बनाए। एलेक्स कैरी, ग्लेन मैक्सवेल और कैमरून ग्रीन क्रमशः 11, 5 और 9 रन ही बना सके। कैरी (37वें ओवर की छठी गेंद) और मैक्सवेल (39वें ओवर की आखिरी गेंद) बुमराह का शिकार बने जबकि ग्रीन 43वें ओवर की तीसरी गेंद पर कुलदीप यादव का शिकार बने।

स्टीव स्मिथ गर्मी से परेशान नजर आए लेकिन इसके बावजूद सिराज की गेंद पर पगबाधा आऊट होने से पहले उन्होंने 61 गेंदों पर 74 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी 11 रन बनाकर बुमराह का शिकार हो गए। बुमराह यही नहीं रुके। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को भी 5 के स्कोर पर पवेलियन की राह दिखाई। इसके बाद कुलदीप यादव ने कैमरून ग्रीन को 9 रन पर आऊट कर ऑस्ट्रेलिया को छठा झटका दिया। बुमराह की 49वें ओवर की अंतिम गेंद पर का शिकार लाबुशाने बने और अय्यर को कैच दे बैठे। उन्होंने 58 गेंदों पर 9 चौकों की मदद से 72 रन बनाए।

प्लेइंग 11

भारत – रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जड़ेजा, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

ऑस्ट्रेलिया – मिशेल मार्श, डेविड वार्नर, स्टीवन स्मिथ, मार्नस लाबुशेन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन, पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, तनवीर सांघा, जोश हेजलवुड।

भारतीय तैराकों का एशियाई खेलों में निराशाजनक प्रदर्शन जारी

हांगझोउ (एजेंसी)। भारत के तैराकों का एशियाई खेलों में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और बुधवार को कोई भी भारतीय तैराक अपनी स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया। ओलंपियन माना पटेल महिला 100 मीटर बैकस्ट्रोक में तीसरी हीट में एक मिनट 3.55 सेकेंड के साथ पांचवें और कुल 13वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहीं। नीना वेंकटेश भी महिला 100 मीटर बटरफ्लाई में अपनी हीट में चौथे और कुल 14वें स्थान पर रहते हुए स्पर्धा से बाहर हो गईं। शीर्ष आठ तैराक फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। श्रीहरि नटराज पुरुष 200 मीटर फ्रीस्टाइल हीट में एक मिनट 49.05 सेकेंड के साथ कुल 10वें स्थान पर रहे और उन्हें फाइनल के लिए दूसरा रिजर्व खिलाड़ी रखा गया है। लिनेशा भी महिला 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में पदक दौर में जगह बनाने में विफल रहीं। वह अपनी हीट में एक मिनट 15.60 सेकेंड के साथ छठे स्थान पर रहीं।

आज भारत को आठ पदक मिले, कुल संख्या 22 पहुंची; निशानेबाज अनंत ने जीता रजत

भारत की बंदूकबाज बेटी सिफ्त कौर का कमाल, जीता गोल्ड, आशी को ब्रॉन्ज मेडल

हांगझोउ (एजेंसी)। भारत की सिफ्ट कौर सामरा ने बुधवार को यहां एशियाई खेलों की महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन व्यक्तिगत स्पर्धा में दबदबा बनाते हुए विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि आशी चौकसी भी कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं। सिफ्ट ने फाइनल में 469.6 अंक जुटाए। उन्होंने ब्रिटेन की सियोनेड मैकिनटोश के फाइनल के 467.0 अंक के विश्व रिकॉर्ड में 2.6 अंक का सुधार किया।सिफ्ट ने क्वॉलिफाइंग दौर में भी संयुक्त रूप से एशियाई रिकॉर्ड बनाया था। आशी ने 451.9 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया। सिफ्ट के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि रजत पदक जीतने वाली चीन की कियोंगयुई झेंग (462.3) उनसे 7.3 अंक पीछे रहीं। वहीं बुधवार को भारत को आठ पदक मिले, कुल संख्या 22 पहुंची; निशानेबाज अनंत ने जीता रजत। इससे पहले सिफ्ट, आशी और माणिनी कौशिक ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में टीम स्पर्धा का रजत पदक भी जीता।आशी, माणिनी और सिफ्ट की तिकड़ी क्वॉलिफिकेशन में 1764 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। मेजबान चीन ने कुल 1773 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि दक्षिण कोरिया ने 1756 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। सिफ्ट और आशी ने क्रमश-दूसरे और छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। सिफ्ट ने 594 अंक बनाए जो क्वॉलिफाइंग में संयुक्त रूप से नया एशियाई रिकॉर्ड है। एशियाई खेल 2023 में भारत को अपने निशानेबाजों से आज कुछ और पदकों की आस होगी। प्रतियोगिता के पहले दिन भारत को पांच, दूसरे दिन छह और तीसरे दिन तीन पदक मिले। कुल 22 पदकों के साथ भारत पदक तालिका में छठे स्थान पर है। इसमें पांच स्वर्ण, सात रजत और 10 कांस्य पदक शामिल हैं। आज शूटिंग में दो स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक मिले।

स्क्वैश में भारत की बड़ी जीत – भारत ने स्क्वैश में मकाउ को 3-0 से हराकर बड़ी जीत हासिल की। अनहत सिंह ने वेई युंग को सीधे सेटों में 11-1, 11-6, 11-7 से हराया। इससे पहले जोशना चिनप्पा ने क्वाई लियू को सीधे सेटों में हराया। पहले मैच में तन्वी खन्ना ने वेंग येउंग को 3-1 से हराया था।

अंकिता रैना को मिली हार

भारत की तीसरी वरीयता प्राप्त महिला टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना एकल स्पर्धा में हार गई हैं। उन्हें जापान की हारूका काजी ने क्वार्टर फाइनल में परास्त कर दिया। अंकिता यह मैच 6-3, 4-6, 4-6 के अंतर से हार गईं।

शतरंज में हरिका की जीत

हरिका द्रोणावल्ली ने टेबल टॉपर चीन की जिनर झू के खिलाफ 1-0 से जीत दर्ज की। उनकी जीत सभी को हैरान करने वाली है।

टेबल टेनिस टीम जीती

मानव ठक्कर और मानुष शाह की भारतीय जोड़ी पुरुष टीम अंतिम- 32 में पहुंच गई है। भारतीय जोड़ी ने थाईवलैंड के नेपत थानमाथिकोम और सितिसाक नुचार्ट की टीम को 3-2 [11-8, 8-11, 11-6, 7-11, 12-10] से हराया और अपने अभियान का विजयी आगाज किया।

टेनिस में सुमित हारे

टेनिस में भारतीय खिलाड़ी सुमित को हार का सामना करना पड़ा है। पहला सेट हारने के बाद, शीर्ष वरीयता प्राप्त चीनी झिझिन झांग ने मजबूत वापसी करते हुए अगले दो सेट अपने नाम कर जीत दर्ज की। चीनी खिलाड़ी ने 6-7, 6-1, 6-2 के अंतर से यह मैच जीता।

बास्केटबॉल टीम की जीत

ग्रुप मैच में भारत के प्रिंसपाल सिंह, प्रताप सिंह सेखों, प्रणव प्रिंस और लोकेंद्र सिंह ने मकाऊ को 21-12 से हराया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है जहां उनका सामना शुक्रवार को पिछले संस्करण के स्वर्ण पदक विजेता चीन से होगा। भारतीय महिला टीम ग्रुप मैच में दिन के अंत में चीन से भिड़ेगी।

अनंत सिंह ने रजत पदक जीता

अनंत सिंह ने शूटिंग में देश को एक और पदक दिलाया है। उन्होंने 60 में 58 शॉट सही निशाने पर लगाए और रजत पदक अपने नाम किया। वहीं, कुवैत के अबदुल्लाह अलरसीदी ने विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए 60 में 60 सही निशाने लगाए और स्वर्ण पदक हासिल किया।

आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 सभी टीमों ने घोषित की टीम

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 5 अक्टूबर से भारत में शुरू हो जाएगा। टूर्नामेंट के पहला इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना है जबकि फाइनल भी 19 नवंबर को अहमदाबाद में होगा। देश भर में 10 स्टेडियम में टूर्नामेंट के 48 मैच होने हैं। टूर्नामेंट के लिए सभी 10 टीमों ने अपनी टीमें घोषित कर दी है। इसमें अंतिम फेरबदल 28 सितंबर तक होना है। सभी टीमें 29 सितंबर से तिरुवनंतपुरम, हैदराबाद और गुवाहाटी में अभ्यास मैच खेलेंगी। इससे पहले जानें देखें सभी टीमें-

अफगानिस्तान वनडे विश्व कप 2023 टीम

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, इकराम अलीखिल, अजमतुल्ला उमरजई, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, अब्दुल रहमान, नवीन उल हक।

ऑस्ट्रेलिया वनडे विश्व कप 2023 टीम

पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कैरी, जोश इंगलिस, सीन एबॉट, एश्टन एगर, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मिच मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा, मिशेल स्टार्क।

बांग्लादेश वनडे विश्व कप 2023 टीम

शाकिब अल हसन (कप्तान), लिट्टन दास, तंजीद हसन तमीम, नजमुल हुसैन शान्तो (उपकप्तान), तौहीद हृदोय, मुश्फिकुर रहीम, महमदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नसुम अहमद, शक महेदी हसन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद , शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब।

भारत वनडे विश्व कप 2023 टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उप-कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, अक्षर पटेल, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव

नीदरलैंड वनडे विश्व कप 2023 टीम

स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), मैक्स ओ डोड, बास डी लीडे, विक्रम सिंह, तेजा निदामनुरू, पॉल वैन मीकेरेन, कॉलिन एकरमैन, रूलोफ वैन डेर मेरवे, लोगान वैन बीक, आर्यन दत्त, रयान क्लेन, वेस्ले बरेंसी, साकिब जुल्फिकार, शारिज़ अहमद, साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट।

न्यूजीलैंड वनडे विश्व कप 2023 टीम

केन विलियमसन (कप्तान), ट्रेंट बोल्ट, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिच सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी, विल यंग।

इंग्लैंड वनडे विश्व कप 2023 टीम

जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, गस एटकिंसन, जॉनी बेयरस्टो, सैम कुरेन, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, आदिल राशिद, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, रीस टॉपले, डेविड विली, मार्क वुड, क्रिस वोक्स।

पाकिस्तान वनडे विश्व कप 2023 टीम

बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, फखर जमान, इमाम-उल-हक, अब्दुल्ला शफीक, मोहम्मद रिजवान, सऊद शकील, इफ्तिखार अहमद, सलमान अली आगा, मोहम्मद नवाज, उसामा मीर, हारिस रऊफ, हसन अली, शाहीन अफरीदी, मोहम्मद वसीम।

दक्षिण अफ्रीका वनडे विश्व कप 2023 टीम

तेम्बा बावुमा (कप्तान), गेराल्ड कोएत्जी, क्विंटन डी कॉक, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एंडिले फेहलुकवायो, कैगिसो रबाडा, तबरेज़ शम्सी, रासी वान डेर डुसेन, लिजाद विलियम्स।

श्रीलंका वनडे विश्व कप 2023 टीम

दासुन शनाका (कप्तान), कुसल मेंडिस (उप-कप्तान), कुसल परेरा, पथुम निसांका, दिमुथ करुणारत्ने, सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका, धनंजय डी सिल्वा, दुशान हेमंथा, महीश थीक्षाना, डुनिथ वेललागे, कासुन राजिथा, मथीशा पथिराना, लाहिरू कुमारा, दिलशान मदुशंका। ट्रैवल रिजर्व -चमिका करुणारत्ने।

लिएंडर पेस अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम के लिए नामित, पहले एशियाई बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज खिलाड़ी और कई ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के विजेता लिएंडर पेस मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम के लिए नामित होने वाले एशिया के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। 50 वर्षीय पेस उन छह खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें 2024 के लिए नामांकित किया गया है। खिलाड़ी श्रेणी में उनके अलावा कारा ब्लैक, एना इवानोविच, कार्लोस मोया, डैनियल नेस्टर और फ्लाविया पेनेटा को नामित किया गया है।

महिला वर्ग में ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाली चीन की खिलाड़ी ली ना 2019 में अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम के लिए नामित होने वाली एशिया की पहली खिलाड़ी बनी थी। पेस ने कहा कि यह मेरे लिए काफी मायने रखता है कि मैं खिलाड़ियों की श्रेणी में अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ़ फेम के लिए नामित होने वाला एशिया का पहला खिलाड़ी हूं।

नेपाल के क्रिकेटर दीपेंद्र सिंह ऐरी ने मात्र 9 गेंदों में लगाया टी20 का सबसे तेज अर्धशतक

हांगझू (एजेंसी)। चीन के हांगझू में पिंगफेंग कैंपस क्रिकेट फील्ड में नेपाल क्रिकेट टीम ने बुधवार को एशियाई खेलों के टी20आई टूर्नामेंट में मंगोलिया के खिलाफ कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। नेपाल के बल्लेबाजों ने अपना दबदबा दिखाया और अपने असाधारण प्रदर्शन से विपक्षी गेंदबाजों का मजाक बना दिया। नेपाल केवल 20 ओवर में 3 विकेट पर 314 रन का विशाल स्कोर बनाकर टी20आई इतिहास में 300 रन बनाने वाली पहली टीम भी बन गई। इसने अफगानिस्तान के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जिसने आयरलैंड के खिलाफ 278/3 का स्कोर बनाया था।

नेपाल के बल्लेबाजों ने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया और पूरी पारी के दौरान निडर दृष्टिकोण प्रदर्शित किया। असाधारण प्रदर्शनों में से एक नेपाल के बल्लेबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी का रहा जिन्होंने केवल 9 गेंदों में सबसे तेज टी20आई अर्धशतक बनाकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। इस अविश्वसनीय उपलब्धि ने भारत के महान ऑलराउंडर युवराज सिंह द्वारा 2007 टी20 विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 12 गेंदों में बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। दीपेंद्र की धमाकेदार पारी ने उनकी अपार प्रतिभा और इच्छानुसार बाउंड्री लगाने की क्षमता का प्रदर्शन किया।

दीपेंद्र के अलावा नेपाल के एक और बल्लेबाज कुशल मल्ला ने अपने अभूतपूर्व शतक से क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया। मल्ला ने 34 गेंदों में रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धि हासिल की और भारत के रोहित शर्मा और दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर के पिछले संयुक्त रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने मात्र 35 गेंदों में टी20आई इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया। मल्ला की सिर्फ 50 गेंदों पर 137 रनों की नाबाद पारी में 12 छक्के और 8 चौके शामिल थे जिससे विपक्षी गेंदबाज असहाय हो गए।

रिकॉर्ड में इजाफा करते हुए दीपेंद्र सिंह ने एक पारी में उच्चतम स्ट्राइक रेट, आश्चर्यजनक रूप से 520.00 का रिकॉर्ड भी बनाया। 10 गेंदों में 52 रन की उनकी नाबाद पारी रही जिसमें 8 छक्के शामिल थे, ने तेजी से रन बनाने और प्रतिद्वंद्वी पर हावी होने की उनकी क्षमता का प्रदर्शन किया। एशियाई खेलों टी20आई में मंगोलिया के खिलाफ नेपाल क्रिकेट टीम ने 273 रन से विशाल जीत दर्ज करते हुए क्रिकेट इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया।

युवराज सिंह का रिकॉर्ड टूटा

एशियाई खेल

भारतीय पुरुष टीम तीन गुणा तीन बास्केटबॉल के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

हांगझोउ (एजेंसी)। भारत की पुरुष तीन गुणा तीन बास्केटबॉल टीम ने एशियाई खेलों में जीत की लय बरकरार रखते हुए बुधवार को यहां पूल सी के मैच में मकाऊ को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सहज प्रताप सिंह सेखों ने मैच में सर्वाधिक 10 अंक बनाए जिससे भारत ने मकाऊ को 21-12 से हराया। मकाऊ के लिए होउ इन हो ने मैच में सर्वाधिक पांच अंक जुटाए। भारत ने इससे पूर्व दिन के पहले मुकाबले में मलेशिया को 20-16 से हराया था। भारत अपने अगले मैच में शुक्रवार को पिछले खेलों के स्वर्ण पदक विजेता चीन से भिड़ेगा। महिला टीम आज चीन के खिलाफ खेलेगी।

एमएस धोनी ने वर्ल्ड कप नहीं जीता, भारत ने वर्ल्ड कप जीता, ये बात याद रखें : डिविलियर्स

जोहांनसबर्ग (एजेंसी)। क्रिकेट में व्यक्तिगत प्रतिभा अक्सर केंद्र में रहती है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने शानदार बयान दिया है जो क्रिकेट विश्व कप जैसे प्रतिष्ठित खिताब जीतने में टीम की गतिशीलता के सार को रेखांकित करता है। प्रोटियाज लीजेंड का दृष्टिकोण दुनिया भर में क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक मार्मिक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है जो उन्हें व्यक्तिगत उपलब्धियों का ध्यान हटाने और सामूहिक प्रयास को स्वीकार करने का आग्रह करता है।

मिस्टर 360 ने कहा, क्रिकेट एक टीम गेम है, इसमें कोई खिलाड़ी विश्व कप नहीं जीतता। मैं ऐसा अक्सर सोशल प्लेटफॉर्म पर देखता हूं। एमएस धोनी ने वर्ल्ड कप नहीं जीता, भारत ने वर्ल्ड कप जीता ये बात याद रखें। यह मत भूलो। बेन स्टोक्स ने 2019 में लॉर्ड्स में ट्रॉफी नहीं उठाई, यह टीम इंग्लैंड थी।

इसके अलावा 39 वर्षीय ने अपने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम के साथी, उभरते हुई तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की प्रशंसा की। सिराज के उल्लेखनीय प्रदर्शन ने एशिया कप 2023 फाइनल में अपनी टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, वह हमेशा वापस आता रहता है। वह हमेशा आपके सामने रहता है और मैंने पहले भी इसका उल्लेख किया है। जिन गेंदबाजों का सबसे अधिक सम्मान किया जाता है उन्होंने कभी हार नहीं मानी। वे हमेशा हर एक गेंद के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे, आपके सामने होंगे और सिराज यही करता है।

गौरव गोगोई ने असम के सीएम की पत्नी के खिलाफ आरोपों में पीएम से हस्तक्षेप की मांग की

गुवाहाटी, एजेंसी। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा पर असम के नागांव जिले में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार की सब्सिडी प्राप्त करने के लगे आरोप पर संज्ञान लेने और हस्तक्षेप की मांग की है।प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में गोगोई ने कहा, मैं आपको खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कार्यान्वित प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना (पीएमकेएसवाई) सब्सिडी असम के मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्य को आवंटित किए जाने के मुद्दे पर आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए यह पत्र लिख रहा हूं।उन्होंने लिखा, यह देखने में आया है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना (पीएमकेएसवाई) और कृषि समूहों के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण की योजना के तहत एम/एस प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड को 10 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है, जिसकी प्रवर्तक असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इससे पहले लोकसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने पूर्वोत्तर राज्यों में पीएमकेएसवाई के घटक के तहत समर्थित खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं की एक सूची दी थी, जिसमें रिनिकी भुइयां के स्वामित्व वाली कंपनी प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का जिक्र आया था।गोगोई ने पत्र में कहा, असम कई छोटे और मध्यम उद्यमियों और खाद्य प्रसंस्करण में व्यापक अनुभव वाली कंपनियों का घर है। मौजूदा मुख्यमंत्री से संबंध रखने वाली मीडिया इकाई के लिए उन्हें नजरअंदाज करना उनके साथ घोर अन्याय है।उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकारी अनुदान वास्तविक और जरूरतमंद लाभार्थियों को दिया जाना चाहिए, जिन्होंने करदाताओं के पैसे का उचित तरीके से उपयोग करने की विशेषज्ञता प्रदर्शित की है।कांग्रेस नेता ने कहा, इसलिए, मैं इसे आपके ध्यान में ला रहा हूं और विनम्रतापूर्वक आपसे (मामले में) हस्तक्षेप का अनुरोध करता हूं।

मोदी सरकार ने अरुणाचल और नगालैंड के कुछ हिस्सों में अफ्सपा को 1 अक्टूबर से 6 महीने के लिए बढ़ाया

कोहिमा/ईटानगर, एजेंसी। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के कुछ हिस्सों में अफ्सपा यानी सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958, (एएफएसपीए) को 1 अक्टूबर से अगले छह महीने के लिए बढ़ा दिया है।गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि नगालैंड के दीमापुर, न्यूलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिरे, नोकलाक, फेक और पेरेन जिलों और खुजामा, कोहिमा उत्तर, कोहिमा दक्षिण के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों में अफ्सपा को अगले छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है।अफ्सपा का विस्तार मोकोकचुंग जिले के मंगकोलेम्बा, मोकोचुंग-द्रु, लोंगथो, तुली, लोंगकेम और अनाकी च्सीज पुलिस स्टेशनों, लोंगलेंग जिले के यांगलोक पुलिस स्टेशन, वोखा जिले के भंडारी, चंपांग और रालन पुलिस स्टेशनों, घटाशी, पुघोबोटो, सातखाजुन्हेबोटो जिले में सुरुहुतो, जुन्हेबोटो और अघुनातो पुलिस स्टेशन में भी किया गया।एक अलग अधिसूचना में, गृह मंत्रालय ने कहा कि अधिनियम, जो सेना और अन्य केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को छापेमारी और अभियान चलाने और बिना किसी पूर्व सूचना या गिरफ्तारी वारंट के कहीं भी किसी को भी गिरफ्तार करने की अनुमति देता है, को तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग में अगले छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। अरुणाचल प्रदेश के जिले और नामसाई जिले के नामसाई, महादेवपुर और चौखम पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्र।पूर्वोत्तर में सुरक्षा स्थिति में सुधार के साथ एक ऐतिहासिक कदम में केंद्र सरकार ने अप्रैल 2022 से नागालैंड, असम और मणिपुर के कई क्षेत्रों में अफ्सपा के तहत अशांत क्षेत्रों को कम कर दिया।इसे 2015 में त्रिपुरा से, 2018 में मेघालय से और 1980 के दशक में मिजोरम से हटा लिया गया था।पूर्वोत्तर क्षेत्र के अधिकांश राजनीतिक दल, कई गैर सरकारी संगठन और नागरिक समाज संगठन इसे पूरी तरह से रद्द करने की मांग कर रहे हैं।दिसंबर 2021 में नगालैंड के मोन जिले में सुरक्षा बलों द्वारा गलत पहचान के एक मामले में 14 लोगों की हत्या और 30 अन्य के घायल होने के बाद मांग तेज हो गई।

हरियाणा सीएम मनोहर लाल खुद बाइक चलाकर पहुंचे करनाल एयरपोर्ट

करनाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल मंगलवार को करनाल में कार फ्री डे पर स्वयं मोटर साइकिल पर सवार होकर लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह से करनाल एयरपोर्ट पर पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण, उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन तथा सभी सुरक्षा कर्मी भी बिना कार के ही एयरपोर्ट पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहाकि शहर में ट्रैफिक को कम करने और भीड़-भाड़ को खत्म करने के लिए हम सब मिलकर छोटे-छोटे प्रयास कर सकते हैं। जिनके परिणाम भी समाज में सकारात्मक दिखाई देते है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में विकास के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण भी जरूरी है। इसके लिए पेड़-पौधे हमारे लिए बहुत लाभकारी हैं, यह हमें न केवल छाया व फल देते हैं बल्कि बरसात लाने में भी सहायक होते हैं। प्रकृति के बिना जीना मुश्किल है, क्योंकि प्रकृति ने हमें अनमोल संसाधन दिए हैं, इन्हें संजो कर रखने की जरूरत है। हमारे जीवन के लिए पर्यावरण संरक्षण बहुत जरूरी है। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि कार फ्री डे के दिन यदि हम सब साइकिल या मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने रोजमर्रा के कामकाज को निपटाएंगे तो हमें प्रदूषण मुक्त जीवन जीने में सहयोग मिलेगा।

राम मंदिर के उद्घाटन में हर जाति के नेता और संत रहेंगे मौजूद

अयोध्या , एजेंसी। अयोध्या में भव्य राम मंदिर पर तेजी से काम चल रहा है। गर्भ गृह तैयार हो चुका है और अब प्राण प्रतिष्ठा का इंतजार है। राम लला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा जनवरी 2024 में होने वाली है, जिसमें 4 महीने से भी कम का वक्त बचा है। ऐसे में तैयारियों जोरों पर हैं और गेस्ट लिस्ट भी तैयार हो रही है। सूत्रों का कहना है कि इस समारोह को खास बनाने का प्रयास किया जा रहा है और इसके तहत सभी जातियों के संतों और नेताओं को आमंत्रित किया जाएगा। आयोजन के लिए गेस्ट लिस्ट तैयार होने लगी है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े लोग यह लिस्ट तैयार कर रहे हैं। बड़ी संख्या में महिलाएं भी अतिथियों की सूची में रहेंगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2020 में राम मंदिर का शिलान्यास किया था। इस बार भी वह मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। उनके अलावा 6 से 8 हजार मेहमान और भी होंगे। ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी चंपत राय ने कहा, हमारी कोशिश है कि हिंदू समाज से जुड़ी सभी परंपराओं के संतों को बुला जाए। इसके अलावा सभी बिरादरियों के लोगों की इसमें सहभागिता रहे। उन्होंने कहा कि मेहमानों की सूची अलग-अलग लोग तैयार कर रहे हैं। अनुमान है कि इस आयोजन में करीब 8000 लोग शामिल हो सकते हैं। अभी राम मंदिर के उद्घाटन की तारीख तय नहीं है, लेकिन 15 से 24 जनवरी के दौरान किसी भी दिन यह आयोजन हो सकता है। चंपत राय ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी से टाइम लेने के बाद ही तारीख तय की जाएगी। केंद्र सरकार की पहल पर ही राम मंदिर ट्रस्ट का गठन किया गया था, जो निर्माण का काम देख रहा है। खबर है कि मकर संक्रांति के बाद 10 दिन का आयोजन होगा, जिसमें प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

मोदी जी के लिए महिला सशक्तीकरण राजनीतिक मुद्दा नहीं, मान्यता का सवाल है : शाह

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मंगलवार को लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़ा 128वाँ संविधान संशोधन नारी शक्ति वंदन विधेयक-2023 बिल पेश किया गया, जिसे बुधवार को लोकसभा में पास कर दिया गया। इस मौके पर विपक्ष के सवालों का करारा जवाब देते हुए शाह ने स्पष्ट किया कि, 'कुछ पार्टियों के लिए महिला सशक्तीकरण पॉलिटिकल एजेंडा या राजनीतिक मुद्दा हो सकता है। मोदी जी के लिए महिला सशक्तीकरण राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि मान्यता का सवाल है।' नए संसद भवन में पेश किया गया नारी शक्ति वंदन विधेयक पर बुधवार चर्चा के बाद वोटिंग के दौरान तमाम बहसों के बीच बिल के पक्ष में 454 वोट पड़े और यह बिल दो तिहाई बहुमत से पास हो गया। दरअसल, महिला आरक्षण लागू करने को लेकर विपक्षी दलों की एक बड़ी आपत्ति थी। उनका कहना था कि बिल तो संसद के इस विशेष सत्र में पारित हो जाएगा, लेकिन इसे 2029 से पहले लागू क्यों नहीं किया जा सकता है? विपक्षियों ने अपना समर्थन देने के बावजूद यह आरोप लगाया कि महिला आरक्षण के बहाने सरकार ने चुनावी झुनझुना पकड़ाया है, क्योंकि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से पहले आरक्षण लागू नहीं होगा। इन आरोपों के जवाब में भाजपा के दिग्गज नेता अमित शाह ने तर्क दिया कि, 'महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण में पारदर्शिता को बरकरार रखने के लिए जनगणना और परिसीमन दोनों ही बेहद जरूरी है, इसलिए 2024 लोकसभा चुनाव के बाद बनने वाली नई सरकार जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया शुरू कर देगी।'मोदी जी के 'वुमेन लेड डेवलपमेंट' को साकार करने वाला यह बिल देश में निर्णय लेने और नीति निर्धारण में महिलाओं की भागीदारी को आगे बढ़ाएगा।

मोदी डिग्री मानहानि केस में केजरीवाल और संजय सिंह को हाईकोर्ट से मायूसी

नईदिल्ली , एजेंसी। गुजरात हाईकोर्ट ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह को प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री पर उनकी विवादास्पद टिप्पणियों को लेकर दाखिल किए गए आपराधिक मानहानि मामले में समन रद्द करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई की अनुमति देने से इनकार कर दिया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने गुजरात विश्वविद्यालय की ओर से दाखिल आपराधिक मानहानि मामले में ट्रायल कोर्ट के समन के खिलाफ उनके पुनरीक्षण आवेदन को खारिज करने के सत्र अदालत के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस पर न्यायमूर्ति समीर दवे की अदालत ने मंगलवार को प्राथमिकता से सुनवाई देने से इनकार कर दिया। मामले को अब 29 सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इससे पहले भी दो मौकों पर हाईकोर्ट ने इन नेताओं की याचिकाओं पर तत्काल

सुनवाई से इनकार कर चुका है। मालूम हो कि 14 सितंबर को सत्र अदालत के न्यायाधीश जेएम ब्रह्मभट्ट ने पहले एक आदेश में दोनों नेताओं को तलब किए जाने के निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा था कि लोवर कोर्ट का आदेश न तो अवैध और ना ही गलत था। मालूम हो कि हाईकोर्ट की ओर से मोदी की डिग्री पर मुख्य सूचना आयुक्त के आदेश को रद्द करने के बाद गुजरात विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पीयूष पटेल ने दोनों नेताओं केजरीवाल और संजय सिंह के खिलाफ उनकी कथित विवादित टिप्पणियों को लेकर मानहानि का मामला दायर किया था। मेट्रोपोलिटन अदालत ने गुजरात विश्वविद्यालय की ओर से दायर मानहानि मामले में केजरीवाल और संजय सिंह को 15 अप्रैल को तलब किया था। शिकायतकर्ता ने कहा कि दोनों राजनेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोदी की डिग्री को लेकर विश्वविद्यालय को निशाना बनाते हुए अपमानजनक बयान दिए। इस केस में कहा गया है कि संजय सिंह और केजरीवाल के बयान व्यंग्यात्मक और जानबूझकर विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के लिए दिए गए थे। दोनों नेताओं ने मेट्रोपोलिटन अदालत द्वारा जारी समन को चुनौती देते हुए सत्र अदालत में पुनरीक्षण आवेदन दायर किया था। सत्र अदालत ने 7 अगस्त को मुकदमे पर अंतरिम रोक लगाने की उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट ने मुकदमे पर अंतरिम रोक लगाने की केजरीवाल और संजय सिंह की याचिका पर भी विचार करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद केजरीवाल और संजय सिंह ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, जहां से उनको कोई राहत नहीं मिली थी। बाद में उच्च न्यायालय ने सत्र अदालत को मामले को एक नई पीठ को सौंपने के बाद दस दिनों के भीतर सुनवाई समाप्त करने का निर्देश दिया था।

दिल्ली में डेंगू से खराब हो रहे हालात, पिछले साल से कई गुना ज्यादा केस, बैठक में नोकझोंक

नईदिल्ली , एजेंसी। राजधानी में डेंगू का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। पिछले 52 दिनों में डेंगू के 2665 मामले दर्ज हुए हैं। इससे पहले 1 जनवरी से 5 अगस्त तक 348 डेंगू के मामले दर्ज हुए थे। वहीं, दिल्ली नगर निगम ने डेंगू समेत अन्य मच्छर जनित बीमारियों के आंकड़े मंगलवार को सदन की बैठक में जारी किए। इस बीच सत्ता पक्ष और विपक्ष में डेंगू समेत अन्य मच्छर जनित बीमारियों के आंकड़े जारी न करने और मच्छर रोधी दवा की उपलब्धता पर आरोप प्रत्यारोप लगाए गए। वहीं, निगम की सदन की बैठक में नौ प्रस्ताव लाए गए जिसमें से छह प्रस्ताव पास किए गए और दो प्रस्ताव स्थगित कर दिए गए। समक्ष रिपोर्ट तैयार करने के लिए भेज दिया गया। मंजूर किए गए प्रस्ताव में पूरी दिल्ली में एलईडी लाइट्स लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। साथ ही,

पूर्वी दिल्ली की गांधी नगर मार्केट को 162 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किए जाने का प्रस्ताव को पास किया गया। साथ ही, कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को रखने को लेकर भी प्रस्ताव पास हुआ। निगम एक एजेंसी से ठेके पर कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को रखेगी। वहीं, निगम ने पूर्वी व दक्षिणी दिल्ली में घर निर्माण के लिए नक्शे पास कराने के लिए क्षतिपूर्ति व नियामक शुल्क शुल्क लागू करने के प्रस्ताव को टाल दिया। साथ ही, निगम ने पांचवी कक्षा तक के निजी स्कूलों को मान्यता देने से जुड़े एक प्रस्ताव को भी टाल दिया। दिल्ली नगर निगम ने पिछले आठ हफ्तों से डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छर रोधी बीमारियों की रिपोर्ट जारी नहीं की। वहीं, मंगलवार को सदन की बैठक में लाए गए शॉर्ट नोटिस पर डेंगू से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई। निगम के नेता सदन मुकेश गोयल, आप पार्षद जोगिंद्र सिंह, हेमचंद गोयल व भागवीर ने निगम प्रशासन से अल्पकालिक प्रश्नों पूछे थे। इस संबंध में निगम की सदन की बैठक में शॉर्ट नोटिस पर चर्चा शुरू हुई। पार्षदों ने डेंगू के आंकड़ों के संबंध में भी प्रश्न पूछे थे। जिसके बाद इस पर सत्ता पक्ष व विपक्ष के पार्षदों ने डेंगू व मच्छर जनित बीमारियों पर चर्चा की। सदन की बैठक में नेता विपक्ष राजा इकबाल सिंह ने डेंगू , मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के लिए मच्छर रोधी दवा की उपलब्धता पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मच्छर रोधी दवा कब खरीदी गई। इसका जवाब दिया जाए। वहीं, इस पर नेता सदन मुकेश गोयल ने पलटवार करते हुए कहा कि निगम के अधिकारी दवा के बारे में जानकारी दें। जिसमें बाद जन स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि डेंगू का लार्वा नष्ट करने के लिए मच्छर रोधी दवा का अगले साल तक के लिए पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

दिल्ली में फायर एनओसी नहीं होने पर बड़ा ऐक्शन, 20 कोचिंग संस्थान सील

नईदिल्ली , एजेंसी। राजधानी में फायर एनओसी का सर्टिफिकेट न होने पर कोचिंग सेंटरों पर फिर से कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दिल्ली नगर निगम ने इस सप्ताह से ऐसे कोचिंग इंस्टीट्यूट पर कार्रवाई फिर से शुरू कर दी है। जिनके पास दिल्ली अग्निशमन विभाग से आग के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं है। निगम के अनुसार मुखर्जी नगर के लगभग 20 कोचिंग संस्थान पर कार्रवाई करते हुए सील कर दिया गया है। साथ ही, 80 कोचिंग सेंटरों को सील करने का नोटिस दिया गया है। इन सभी कोचिंग संस्थानों के पास दिल्ली अग्निशमन विभाग से प्राप्त होने वाला फायर एनओसी नहीं था। जिसके बाद कार्रवाई की गई। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के तहत निगम ने यह कार्रवाई की है। इससे पहले जून माह में मुखर्जी नगर के एक कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना सामने आई थी। तब कोचिंग सेंटर में प्रतियोगी परीक्षा की पढ़ाई कर रहे छात्रों ने पाइप से उतर अपनी जान बचाई थी। वहीं, इस अप्रिय घटना के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजधानी में सभी कोचिंग सेंटरों का सर्वे करने के लिए दिल्ली पुलिस, दिल्ली अग्निशमन विभाग और दिल्ली नगर निगम को निर्देश दिया था। जिनके पास फायर एनओसी नहीं है। उन सभी कोचिंग सेंटरों का सर्वे किया जाए। जिसके बाद निगम ने कई इमारतों व संपत्तियों का सर्वे किया था। उस दौरान निगम ने कई नियमों की अनदेखी करने पर कुल 897 संपत्तियों को नोटिस भेजा है। साथ ही, उस दौरान कुछ संपत्तियों को खाली कराते थे हुए सील भी कर दिया गया था। निगम के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में कोचिंग सेंटर समेत अन्य सभी रेस्तरां व संपत्तियों का भी लगातार जांच की जा रही है।

यूक्रेनी नाजी इकाई के लड़ाके को हीरो कहने वाले कनाडाई संसद के अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

ओटावा, एजेंसी। एंथनी रोटा ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी इकाई के लिए लड़ने वाले एक व्यक्ति को निमंत्रण दिए जाने और बाद में सदन द्वारा उसे सम्मानित किये जाने पर कनाडाई संसद के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। सीटीवी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रोटा ने मंगलवार दोपहर पार्लियामेंट हिल में सदन में सभी दलों के नेताओं के साथ बैठक के बाद पद छोड़ने के अपने अभूतपूर्व निर्णय की घोषणा की। सभी पार्टियों के सांसदों की ओर से सम्मानजनक काम करने और अध्यक्ष की कुर्सी छोड़ने के लिए लगातार बढ़ते दबाव के बीच उन्होंने यह कदम उठाया है। रोटा ने कहा, इस सदन का काम हममें से किसी से भी ऊपर है। इसलिए, मुझे आपके अध्यक्ष पद से हट जाना चाहिए। पिछले शुक्रवार को कनाडाई संसद में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की के संबोधन के बाद रोटा ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यूक्रेन की

स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले यूक्रेनी व्यक्ति यारोस्लाव हुंका की प्रशंसा की और संसद की ओर से उसे सम्मानित किया। दो दिन बाद पता चला कि वह यूक्रेनी नाजी इकाई की ओर से लड़ा था। इसके बाद सदन में उसे दिए गये सम्मान और स्टैंडिंग ओवेशन पर विवाद शुरू हो गया।

रोटा ने पहले रविवार को और फिर सोमवार को सभी सांसदों से माफ़ी मांगते हुये गलती की पूरी ज़िम्मेदारी ली। उन्होंने वेफेन-एसएस गैलिसिया डिवीजन के साथ अपने घटक की ऐतिहासिक भागीदारी के बारे में विवाद उजागर होने तक जागरूक नहीं होने के लिए माफी मांगी।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 98 वर्षीय हुंका कनाडा की संसद में गैलरी में बैठे थे और रोटा ने यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की की यात्रा के दौरान उन्हें हीरो बताया, जिसके बाद उन्हें सांसदों द्वारा स्टैंडिंग ओवेशन दिया गया। कनाडाई यहूदी समूह सीआईजेए ने कहा कि यह बेहद परेशानी की बात है कि यहूदियों के नरसंहार में भाग लेने वाले नाजी डिवीजन के एक वरिष्ठ व्यक्ति के लिए जश्न मनाया गया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, इसमें कहा गया है कि ऐसा दोबारा कभी नहीं होना चाहिए।

कनाडा में निज्जर की हत्या के बाद एफबीआई ने प्रमुख अमेरिकी सिखों को धमकियों के बारे में चेतावनी दी थी

वाशिंगटन, एजेंसी। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने बीते जून में कनाडा में एक सिख कार्यकर्ता की हत्या के तुरंत बाद सिख समुदाय में सक्रिय कम से कम तीन अमेरिकियों को चेतावनी दी थी कि उनकी जान खतरे में है।

द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए भारतीय खुफिया एजेंसी को जिम्मेदार ठहराया है। यह आकलन कथित तौर पर कनाडाई और अमेरिकी खुफिया स्रोतों द्वारा समर्थित है। इस मामले ने भारत सरकार के साथ ओटावा के संबंधों में दरार पैदा कर दी है। मीडिया आउटलेट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने कनाडा सरकार के दावों को बेतुका और प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया। इसने दुनिया भर में सिख अलगाववादियों के खिलाफ खतरों के साथ-साथ हत्या से पहले के हफ्तों में ब्रिटेन और पाकिस्तान में संदिग्ध मौतों के सिख कार्यकर्ताओं के दावों की फिर से जांच को प्रेरित किया है।

अमेरिकन सिख कॉकस कमेटी के समन्वयक के रूप में कार्यरत 69 वर्षीय अमेरिकी नागरिक प्रितपाल सिंह ने मीडिया आउटलेट को पुष्टि की कि उन्हें और उनके दो अन्य सहयोगियों को कनाडाई नागरिक निज्जर की हत्या के बाद एफबीआई ने बुलाया था। कनाडाई नागरिक निज्जर की 18 जून को सरे में पूजा स्थल के ठीक बाहर हत्या कर दी गई थी। एफबीआई को नागरिकों

को चेतावनी देनी चाहिए अगर उन्हें पता चले कि कानूनी संरक्षण के तहत उनकी जान खतरे में है। शुरू में प्रितपाल सिंह ने को बताया कि उसका मानना है कि अनिर्दिष्ट खुफिया जानकारी मिली है कि उनकी जान को खतरा है। कुछ दिनों बाद एफबीआई ने सिंह को और अधिक विशिष्ट सुरक्षा निर्देश दिए। इंटरसेप्ट ने सबसे पहले मामले की सूचना दी।एफबीआई ने न्यूयॉर्क स्थित 70 वर्षीय पत्रकार अमरजीत सिंह नामक एक अन्य अमेरिकी को भी चेतावनी दी, जिन्होंने कहा कि उन्हें पहली बार 22 जून को अपने जीवन के खिलाफ संभावित खतरे के बारे में सतर्क किया गया था।सिंह ने गार्जियन को बताया कि एफबीआई ने उनसे तब संपर्क किया जब वह एक राजकीय यात्रा के दौरान वाशिंगटन में मोदी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन से लौट रहे थे, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने अमेरिका-भारत संबंधों को इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अधिक मजबूत, करीबी और अधिक गतिशील बताया था।

मैरेज हॉल में शादी के दौरान लगी भीषण आग, 100 लोगों की जलकर मौत; 150 से अधिक घायल

बगदाद, एजेंसी। उत्तरी इराक में एक दिल दहाला देने वाली घटना हुई है। शादी के दौरान एक हॉल में अचानक आग लग गई। इस दर्दनाक घटना में कम से कम 100 लोगों की मौत हो चुकी है। 150 से अधिक लोग घायल भी हैं। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। अधिकारियों ने कहा कि आग इराक के निनेवे प्रांत के हमदानिया इलाके में लगी। यह मोसुल शहर के ठीक बाहर एक ईसाई बहुल क्षेत्र है। यह बगदाद से लगभग 335 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित है।

वीडियो फुटेज में मैरेज हॉल में आग की लपटें तेज होती दिख रही थीं। आग लगने के बाद जब लोग घटनास्थल से गुजर रहे थे तो केवल मलबा ही देखा जा सकता था। इस घटना में अपनी जान बचाने वाले लोग ऑक्सीजन के लिए स्थानीय अस्पतालों में पहुंचे। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता सैफ अल-बद्र ने कहा, दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना से प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। उनके कार्यालय ने एक ऑनलाइन बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने आग की जांच के आदेश दिए हैं।

निनेवेह के प्रांतीय गवर्नर नजीम अल-जुबौरी ने कहा कि कुछ घायलों को क्षेत्रीय अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने आगाह किया कि आग से मरने वाले लोगों की संख्या अभी बढ़ सकती है।

जहरीली शराब पीने से 17 मरे, बेचने वालों को फांसी की सजा; इस देश में अवैध है कारोबार

तेहरान , एजेंसी। भारत में जहरीली शराब पीकर मरने की घटना उतनी ही स्वाभाविक और आम है, जितना ऐसा करने वालों को सजा मिलना कठिन। लेकिन, हर कहीं ऐसा बिल्कुल नहीं है। ईरान की एक अदालत ने जहरीली शराब पीकर 17 लोगों की मरने की घटना को बेहद गंभीर अपराध माना है। कोर्ट ने ऐसा करने के 4 दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। जून में जहरीली शराब पीने से दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। इस संबंध में पुलिस ने एक ब्यूटी पार्लर फैक्ट्री में रेड की थी जहां से अवैध शराब कारोबार का भंडाफोड़ हुआ था।

1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ईरान में शराब की बिक्री और खपत पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिससे यहां तस्करी या अवैध शराब

के एक बड़े अवैध व्यापार को बढ़ावा मिला है। यहां शराब बनाने के लिए कुछ लोग जहरीली मेथनॉल की मिलावट भी करते हैं। जून में, इसी मिलावटी शराब पीने के बाद कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और 191 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

न्यायपालिका के प्रवक्ता मसूद सेतायेशी ने कहा कि तेहरान के पश्चिम में अल्बोर्ज़ प्रांत में जहरीली शराब के वितरण को लेकर 11 लोगों पर भ्रष्टाचार के गंभीर अपराध का आरोप लगाया गया है। सेतायेशी ने कहा कि 11 में से चार को मौत की सजा सुनाई गई, जबकि बाकी को एक से पांच साल की जेल की सजा मिली। दोषी सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकते हैं।

ईरान में बड़ा है अवैध शराब कारोबार

जून में, अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने एक ब्यूटी पार्लर फैक्ट्री पर छापा मारा था जहाँ उन्होंने 6,000 लीटर (1,585 गैलन) से अधिक अवैध शराब जब्त की थी। ईरान के फोरेंसिक संस्थान ने कहा कि मार्च तक, नकली मादक पेय पीने से 644 लोगों की मौत हो गई, जो पिछले 12 महीने की अवधि की तुलना में 30 प्रतिशत की वृद्धि है। 2020 में कोविड महामारी के चरम पर, अवैध शराब पीने से कम से कम 210 ईरानियों की मौत हुई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129